शुभ लाभ (Kannada script)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने के लिए ऑपरेशन कमल का कर रही प्रयास @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 26 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-238

सभा संविधान सम्मान, साधा मिस इंडिया पर कमान

राहुल गांधी ने फिर दिया 'विद्वत' बयान

बोलने के पहले कुछ तो पढ़ लिया करो बेवकूफ...

प्रयागराज, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी के प्रयागराज में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन में फिर अपना विद्वत बयान देकर पूरी दुनिया में हास्य का पात्र बने। राहुल गांधी ने मिस इंडिया प्रतियोगिता (कॉन्टेस्ट) को लेकर अजीबोगरीब मूर्खाना दावा कर दिया। राहुल गांधी ने कहा, 90 प्रतिशत लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं, मैं तो मिस इंडिया की लिस्ट देख रहा था, उसमें कोई दलित-ओबीसी-आदिवासी, अल्पसंख्यक शामिल नहीं रहा। राहुल ने कहा, 90 फीसदी लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं। अल्पसंख्यक भी इसी में आते हैं। उनके पास हर तरह की प्रतिभा मौजूद है, लेकिन फिर भी वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं।

यही कारण है कि हम जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं।

राहुल गांधी के बयान को कोट करते हुए एक समाचार चैनल ने बाकायदा स्टोरी चलाई। उसे हेडलाइन दिया, मैंने मिस इंडिया की लिस्ट निकाली, उसमें एक भी दलित, अल्पसंख्यक नहीं: प्रयागराज में बोले राहुल गांधी। इस खबर के प्रसारित होने के थोड़ी देर बाद ही राहुल गांधी के विद्वत बोल की पोल खुलने लगी।

राहुल गांधी के इस बयान के बाद भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने राहुल गांधी के दावे की हवा निकाल दी। तजिंदर बग्गा ने आजादी के बाद से अब तक उन महिलाओं की लिस्ट साझा की, जिन्होंने मिस इंडिया का क्राउन पहना है। इसमें कई नाम हैं। ▶10 पर

राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह में बोले पीएम मोदी

राष्ट्रीय एकता न्यायिक प्रणाली का आधार स्तम्भ

जोधपुर (राजस्थान), 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनम जुबली समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता हमारी न्यायिक प्रणाली का भी आधार स्तम्भ है। आधारशिला जितनी मजबूत होगी, हमारा देश भी उतना ही मजबूत होगा। पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट के अस्तित्व से हमारे राष्ट्र की एकता का इतिहास भी जुड़ा है।

सरदार पटेल ने 500 से ज्यादा रियासतों को जोड़कर देश को एकसूत्र में पिरोया था, उसमें राजस्थान की भी कई रियासतें थीं। जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसी कई रियासतों के अपने हाईकोर्ट थे। इनके एकीकरण से राजस्थान हाईकोर्ट अस्तित्व में आया। यानी राष्ट्रीय एकता हमारी न्याय प्रणाली का भी आधार स्तम्भ है।

राजस्थान हाईकोर्ट की स्थापना के प्लेटिनम जुबली समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोधपुर में हाईकोर्ट संग्रहालय का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। प्रधानमंत्री मोदी जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर विशेष विमान से पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, और प्रेमचंद बैरवा ने उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश में 30 हजार से

महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है

देश के लिए सेकुलर सिविल कोड बेहद जरूरी

ज्यादा जेलें वीडियो कॉनकॉल से जुड़ गई हैं। मुझे खुशी कि राजस्थान भी इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री अचानक रुके, फिर कहा, बुरा मत मानना, हमारे यहां कोर्ट के आगे चक्कर शब्द अनिवार्य हो गया था। कोर्ट का चक्कर, मुकदमे का चक्कर, जिसमें फंस गए तो कब निकलेंगे पता नहीं। आज उस चक्कर शब्द को खत्म करने के लिए देश ने प्रभावी कदम उठाए हैं। इसके लिए लगातार हमें अपनी न्यायिक व्यवस्था में सुधार करना है। आज देश में कम खर्चीले वैकल्पिक डिस्प्यूट मैकेनिज्म की व्यवस्था देश में ईज ऑफ लिविंग के साथ ही ईज ऑफ जस्टिस को भी बढ़ावा देगी। कानूनों में बदलाव करके नए प्रावधान जोड़कर सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। न्याय पालिका के सहयोग से यह व्यवस्थाएं और ज्यादा सशक्त होंगी।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का उदाहरण, देश के संवैधानिक एकीकरण का उदाहरण है। सीएए जैसे कानूनों का उदाहरण हमारे सामाने है। ऐसे मुद्दों पर राष्ट्रहित में स्वाभाविक न्याय क्या कहता है, यह हमारी अदालतों के निर्णय से साफ होता रहा है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने ऐसे मुद्दों पर राष्ट्र प्रथम जैसे विषयों को सशक्त किया है। अभी मैंने 15 अगस्त को लाल किले से सेकुलर सिविल कोड की बात की है। इस मुद्दे पर भले ही कोई सरकार पहली बार इतनी मुखर हुई हो लेकिन हमारी न्यायिक व्यवस्था दशकों से इसकी वकालत करती आई है।

केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2024 से अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे 1562 अप्रासंगिक कानूनों को रद्द कर दिया है। ये कानून अब आधुनिक भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं थे और इन्हें समाप्त करना समय की मांग थी। अंग्रेजों के जमाने में लागू किए गए कानूनों का उद्देश्य भारतीयों को दंडित करना था। इसीलिए, ब्रिटिश सरकार ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) लागू की थी। ▶10 पर

राष्ट्रद्रोह का ऐलान है नेशनल कॉन्फ्रेंस का घोषणा-पत्र

जम्मू-कश्मीर को फिर से नर्क में धकेलने की तैयारी

श्रीनगर/जम्मू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही कांग्रेस और उसकी रिश्तेदार पार्टियां एक बार फिर अनुच्छेद 370 लागू करने का आपराधिक कुचक्र रचने लगी हैं। कांग्रेस ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए फिर से अपने उन पुराने सहयोगी के साथ हाथ मिला लिया है, जो जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानपरस्त अलगाववादी शक्तियों की मदद करती रही हैं। अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा देती रही हैं। कश्मीरियों को भारतीयों से अलग बताती रही हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों श्रीनगर का दौरा किया और वहां उन्होंने फिर से जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल करने की बातें कहीं और नेशनल कॉन्फ्रेंस से ▶10 पर

राहुल गांधी और रक्त-संबंधी अब्दुल्ला का नापाक गठबंधन

अब जमात-ए-इस्लामी भी उतरेगी चुनाव में!

जम्मू, 25 अगस्त (ब्यूरो)। जिस जमात-ए-इस्लामी को आतंकी संगठन घोषित कर प्रतिबंध लगाया गया था, अब वही संगठन चुनाव मैदान में उतरने जा रहा है। जमात-ए-इस्लामी भी चुनाव मैदान में अपनी ताकत का प्रदर्शन करने की तैयारी में है। जमात अपने सदस्यों को आजाद (निर्दलीय) उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारने जा रही है। जमात-ए-इस्लामी 1987 से ही चुनाव से दूर रही है, जब उसने आखिरी बार मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट के बैनर तले चुनाव लड़ा था।

जमात से जुड़े एक सदस्य ने कहा, आतंकी संगठन घोषित होने के कारण ▶10 पर

पीडीपी के घोषणा पत्र में पाकिस्तान से व्यापार की वकालत

श्रीनगर/जम्मू, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और पाकिस्तान के साथ एलओसी के पार व्यापार की बहाली की भी वकालत की। इतना ही नहीं मुफ्ती ने पाकिस्तान के साथ में व्यापार को खोलने का भी आग्रह किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में मंदिरों, मस्जिदों और दरगाहों को मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की।पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा, हम 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देंगे, हम पानी पर टैक्स खत्म करना चाहते हैं, ▶10 पर

मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद बांग्लादेश का हाल बदहाल

हिंदुओं से रंगदारी में मांगी जा रही लड़कियां

ढाका, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के कार्यकारी प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद वहां हिंदुओं पर अत्याचार और उत्पीड़न जारी है। सत्ता परिवर्तन के बाद हिंदुओं के खिलाफ हिंसा अब भी जारी है। कट्टर इस्लामिक गुंडे रंगदारी में हिंदुओं की लड़कियां मांगते हैं और घरों में लूटपाट और हत्याएं कर रहे हैं। बांग्लादेश का जैसोर हिंदुओं पर अत्याचार का गढ़ बनता जा रहा है।

इस भीषण ऊत्पीड़न से त्रस्त बांग्लादेशी हिंदू भारत सरकार से वीजा की मांग कर रहे हैं। ये

बिना वीजा के भी सीमा पार करने को तैयार हैं। 17 करोड़ जनसंख्या वाले बांग्लादेश में 1.35 करोड़ हिंदू हैं। गोपालगंज (26%), मौलवी बाजार (24%), ठाकुरगांव (22%) और जसोर (20%) में सबसे अधिक हिंदू हैं। जैसोर जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का भी गढ़ है।

जैसोर के एक आश्रम में मत्यपालन के पेशे से जुड़े 2 हिंदुओं ने पत्रकार वैभव पलनीटकर को बताया कि उनसे 2-3 लाख रुपए की मांग की जा रही है, वरना बेटी के अपहरण की धमकी दी जा रही है। कॉल पर गालियां भी दी जा रही हैं। गांव से फोन कर के कहा गया कि पैसे देकर सुलह कर लो तो छोड़ दिया जाएगा। जमात-ए-इस्लामी से जुड़े एक लड़के को इन्होंने 15,000 रुपए भी दिए। इन्होंने कहा कि बांग्लादेश में इनका कोई भविष्य नहीं है, वो अपनी सारी जमीन-जायदाद छोड़ कर भारत में बसना चाहते हैं। ▶10 पर

रक्षा मंत्री की अमेरिका यात्रा का हासिले हिसाब

भारत और अमेरिका के बीच 443 करोड़ का रक्षा सौदा

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत को एंटी सबमरीन हथियार जिसे एंटी सबमरीन वारफेयर देने की मंजूरी दे दी है। यह रक्षा सौदा लगभग 52.8 मिलियन डॉलर (443 करोड़ रुपए) का है। फिलहाल भारतीय नौसेना में बहु-मिशन एमएच-60ठ सीहॉक हेलिकॉप्टरों के लिए यह पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्लू) और उससे संबंधित उपकरणों को बेचने की मंजूरी दी गई है। इससे भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ जाएगी।

यह रक्षा सौदा उस समय हुआ

है, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चार दिन पर अमेरिका में हैं। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस को इस संभावित बिक्री के बारे में सूचित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी अमेरिका के रक्षा विभाग के अंतर्गत एक एजेंसी है। एजेंसी ने कहा कि एंटी सबमरीन वारफेयर सोनोब्वॉयज भारत को बेचने के लिए विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संभावित विदेशी सैन्य खरीद को मंजूरी दे दी है।

बाइडेन प्रशासन की अधिसूचना में कहा गया कि प्रस्तावित बिक्री द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने और एक प्रमुख रक्षा साझेदार भारत की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके वाशिंगटन की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी, जो भारत-प्रशांत और दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। अमेरिका यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार (23 अगस्त) को ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा का चौंकाने वाला बयान

लैंड जेहाद की लड़ाई में मुझे और मेरे परिवार को खतरा

गुवाहाटी, 25 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक प्रेस वार्ता के दौरान एक पत्रकार से उसका नाम पूछ लिया था। संयोग से वह पत्रकार मुस्लिम निकला था। इसके बाद वामपंथी-इस्लामी गैंग के साथ-साथ विपक्षी दलों ने सीएम सरमा को सांप्रदायिक बताते हुए हमला बोल दिया। अब मुख्यमंत्री सरमा ने इसका करारा जवाब दिया है और कहा है कि यह सुरक्षा कारणों से जरूरी था।

उन्होंने अपने बयान का वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया साइट पर लिखा, प्रेस वार्ता में यह नियम होता है कि पत्रकार अपने नाम का परिचय देने के बाद सवाल पूछते हैं। यह सुरक्षा के लिए भी अनिवार्य होता है। लेकिन, असम में अगर शाहजहां या शाह जलाल से नाम पूछें तो बुद्धिजीवी

विक्टिम-कार्ड खेलने लगते हैं। सीएम सरमा ने कहा कि वे असम में लैंड जेहाद के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं, इसलिए टूलकिट गैंग द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, लैंड जेहाद का टूलकिट समझिए। असम में बदलते जनसांख्यिकी के खिलाफ जो मैं लड़ाई लड़ रहा हूं, उससे मुझे और मेरे परिवार को बहुत बड़ा खतरा है। उस इकोसिस्टम के लोग मुझे जितना भी गाली देना चाहें, दे सकते हैं, लेकिन मैं पीछे नहीं हटूंगा।

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों द्वारा इसे मुद्दा बनाने को लेकर सीएम ने कहा, असम में लोकसभा चुनाव के बाद जिन क्षेत्रों में एक पार्टी ने अपना वोट शेयर बढ़ाया, वहां इस पार्टी के समर्थकों यानी एक विशेष समुदाय को इतना साहस प्राप्त हुआ कि वह अपना दबदबा बनाने के चक्कर में हैं। हिंदू महिलाओं पर जो अत्याचार की घटना आ रही है इसी का परिणाम है। उन्होंने कहा, असम में महिलाओं के खिलाफ अपराध भी एक बड़ी अतिक्रमण रणनीति का हिस्सा है। ▶10 पर

विधानसभा चुनाव से पहले आपा को लगा बड़ा झटका

भाजपा में शामिल हो गए आपा के कई पार्षद

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में सियासी पारा विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही तेजी से चढ़ रहा है। पिछले लगभग पांच महीनों से जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की गैरमौजूदगी में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आपा) मुसीबतों का सामना कर रही है। आम आदमी पार्टी को उसके ही पांच पार्षदों ने झटका देते हुए भाजपा से हाथ मिला लिया और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ले ली।

आपा की झाड़ू छोड़कर भाजपा का कमल थामने वाले पांचों पार्षदों ने आज दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा

और लोकसभा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली है।

दिल्ली के वार्ड नंबर 178, वार्ड 28, वार्ड 30, वार्ड 180 और वार्ड 177 के पार्षद भाजपा में शामिल हुए हैं। इनमें क्रमशः सुगंधा बिधूड़ी, राम चंद्र, पवन सहरावत, मंजू निर्मल और ममता पवन शामिल हैं। बवाना के दो पार्षदों और बदरपुर बॉर्डर एवं तुगलकाबाद के एक-एक पार्षद ने भी पाला बदलते हुए भाजपा की सदस्यता ली है।दिल्ली के शराब घोटाले में हाल ही पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत मिली थी। वहीं सांसद संजय सिंह भी जमानत पर बाहर हैं लेकिन पार्टी के संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी भी जेल में बंद हैं। ▶10 पर

ज्ञानशाला दिवस का आयोजन

अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के साथ संस्कार निर्माण पर भी देना चाहिए ध्यान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के सानिध्य में ज्ञानशाला दिवस का आयोजन तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में किया गया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने बच्चों को मंगल पाठ सुनाया और रैली का शुभारंभ किया। रैली में विजयनगर सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़, सह मंत्री ज्ञान नाहटा और अन्य पदाधिकारी और प्रशिक्षिकाएं और करीबन 100 बच्चों की उपस्थिति रही। तत्पश्चात साध्वी सिद्ध प्रभा जी द्वारा नमस्कार महामंत्र से ज्ञानशाला दिवस की शुरुआत की गई। सभा के उपाध्यक्ष भंवर लाल मांडोत ने सभी का स्वागत किया। आंचलिक संयोजक मानक संचेती ने पूरे शहर में चल रहे ज्ञानशाला दिवस के बारे में अवगत कराया और अन्य जानकारियां प्रदान की। विजयनगर ज्ञानशाला और डिविनिटी के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी गई। उनमें सबसे प्रथम 9 तत्व पर विवेचन, जम्बू कुमार का प्रसंग, बालमोहन के दीक्षा के भाव प्रस्तुत कैसे हुए यह प्रसंग भी दिखाया गया। सभी प्रस्तुतियां बहुत ही रोचक और सुंदर ढंग से संचालित की गई। साध्वी मलय यशा जी ने फरमाया कि बच्चों को ज्ञान ग्रहण करने के बाद उसका पुनरावर्तन जरुर करना चाहिए। ताकि वह भूले नही और ज्ञान गहरा होना चाहिये। साध्वी आस्था श्री जी ने एक कहानी के द्वारा परिषद को अच्छा जीवन जीने की प्रेरणा दी। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने परिषद को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रति जागरुक होना चाहिए। अभिभावकों को न सिर्फ अपने बच्चों की शिक्षा पर बल्कि उनके संस्कार निर्माण पर भी ध्यान देना चाहिए। जो प्रस्तुति ज्ञानशाला के बच्चों ने दी उन्हें अपने जीवन में उतरने की प्रेरणा भी दी। इस मौके पर चंपालाल मालू, ज्ञान नाहटा, पूर्व ज्ञानशाला संयुक्त संयोजिका कंचन छाजेड़, मधु कटारिया, अभिलाष डांगी उपस्थित थे।

पूर्णाहुति के साथ वेद गायत्री महायज्ञ सम्पन्न

गायत्री मंत्रों से गूंज उठा सभा भवन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री प्रजापत समाज ट्रस्ट बेंगलूरु पूर्व विभूतिपूरा समाज भवन परिसर में आयोजित एक दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ शनिवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने गायत्री मंत्र के जाप व वेदमाता गायत्री के आह्वान के साथ नौ कुंडों में हवन-पूजन के साथ यज्ञ किया। कुंडों में पूर्णाहुति दी गयी। शनिवार को सुबह आठ से 3 बजे तक गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कारों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को वेद माता गायत्री संस्कारों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम स्थल पर स्थापित वेद माता गायत्री के साथ-साथ श्री श्रीयादे माताजी की भी तस्वीर पर पूजा करने के साथ-साथ कलश पूजन गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने मां गायत्री की पूजा-अर्चना कर सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र भक्ति मय बना रहा। इस दौरान गायत्री परिवार के ऋषिपुत्रों ने युगल संगीत पेश कर समां बांधा। कार्यक्रम में अखिल विश्व गायत्री परिवार से पहुंचे मुख्य वक्ता ने श्रद्धालुओं को संस्कार व परंपरा पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अच्छे संस्कारों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान गायत्री महाविज्ञान में निहित है। गायत्री मंत्र में दार्शनिक व विज्ञान पक्ष पर चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों से प्रतिदिन गायत्री महामंत्र का जाप करने की अपील की। कार्यक्रम के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में बंसीलाल राजपुरोहित, भंवरलाल शर्मा, मदन सिंह कुम्पावत, भैराराम देवासी, वेनाराम, पोकरलाल, घीसुलाल, नेमीचंद, सत्यनारायण, जीवाराम आदि सदस्य उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण महाराज कर्मयोगी थे : श्री वीरेन्द्रमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सकल जैन संघ, मंजुनाथनगर, शिवनगर में चातुर्मासर्थ विराजित स्वर्ण संयम आराधक, सेवा चक्रवर्ती, श्री वीरेन्द्रमुनिजी ने रविवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कहा कि श्री कृष्ण महाराज कर्मयोगी थे।

उन्होंने धर्म की इतनी उत्कृष्ट दलाली की कि आने वाली चौबिसी में 12वें अमम नाम के तीर्थंकर परमात्मा बनेंगे। यशोदा मैया ने भी उत्तम दोस्ती की मिसाल कायम कर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कर दिया। इस अवसर पर अनेक नन्हें बालक बालिका कृष्ण और राधा रानी के वेश भूषा में पधारे, जिन में से उत्कृष्ठ वेश भूषा वालों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार श्री सकल जैन संघ द्वारा प्रदान किए गए।

तत्पश्चात संयम ही मोक्ष मार्ग है, पर अखण्ड बाल ब्रह्मचारी अन्तिम केवली श्रीजंबु कुमार के जीवन का भव्यतिभव्य नाटिका प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री सकल जैन संघ, श्री सकल युवा मंच एवं जैन महिला मंडल का सम्पूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के पश्चात गौतम प्रसादी के सम्पूर्ण लाभार्थी अनूपकुमार, मेडतवाल एवं रोहित कुमार शर्मा (राजस्थानी कैटरर्स), वाले रहे।

जिनका बहुमान संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया गया। संघवी उत्तमचन्द, पुष्पदेवी आच्छा परिवार ने पर्वाधिराज पर्युषण में होने वाले सामूहिक एकासना एवं पूज्य गुरुदेव के केश लोच की बोली ली। संचालन युवा अध्यक्ष अंकित आच्छा ने किया।

नूतन वर्षीतप भवन निर्माण का भूमि पूजन 13 अक्टूबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) के तत्व-ावधान में मुनिराज श्री राजपद्मसागरजी एवं मुनि श्री श्रमणपद्मसागर जी की पावन निश्रा में शीतल बुद्धि वीर वाटिका के पवित्र प्रांगण में निर्धारित नूतन वर्षीतप भवन निर्माण के भूमि पूजन का लाभ संघवी स्व. पारसमल दांतेवाडिया के सुपुत्र राजेन्द्रकुमार, अभयकुमार दांतेवाडिया परिवार मांडवला निवासी ने लिया, जिसका भूमि पूजन आगामी 13 अक्टूबर को रखा गया हैं। शिलान्यास का लाभ संघवी घेवरचंद, कुशलराज, सफलकुमार साकरिया परिवार सांडेराव निवासी ने लिया, जिसका शिलान्यास 26 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में विधि विधान से होगा।

ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता एवं मंत्री संतोष चौहान एवं भवन निर्माण कमेटी के चेयरमैन भेरुलाल भंडारी ने लाभार्थी परिवार की भूरी भूरी अनुमोदना करते हुए बहुमान किया। साथ ही पधारे हुए सभी पुण्यशालियों का धन्यवाद सहित आभार अर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने किया। चामराजपेट क्षेत्र में स्थित श्री महावीरस्वामी वर्षीतप ट्रस्ट के तत्वावधान में भारत वर्ष में पहली बार एक भव्य और आधुनिक वर्षीतप भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ हो रहा है।

इस भवन का निर्माण 5500 वर्गफुट भूमि पर किया जाएगा, जिसमें कुल 30000 वर्गफुट का क्षेत्रफल होगा।

इस कार्यक्रम में सम्पूर्ण सहयोग उपाध्यक्ष सुरेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चंदावत, सह मंत्री नरेश बांठिया एवं सहमंत्री महावीर श्रीश्रीमाल का रहा। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। *पंडित पुट्टराज गवाईगल आश्रम में पूज्य गुरुदेव नरेशमुनि का 64वां व वज्ररत्न सागरजी का जन्मदिन श्रद्धा भक्ति से मनाया गया। गुरुभक्त पृथ्वीराज, मोहनलाल भंसाली परिवार की ओर से आश्रम में रहने वाले गरीब अनाथ दृष्टिहीन लोगों को भोजन कराया गया। करीब 1000 लोग आश्रम में रहते हैं। इस कार्यक्रम में गदग जैन समाज के अलावा आसपास के गांवों से कई लोग उपस्थित थे। लोगों ने श्रद्धा भक्ति की सराहना की। इसी बीच गदग में चातुर्मासार्थ विराजित वज्ररत्न सागरजी के जन्म दिवस निमित्त पार्श्वनाथ जैन मंदिर से वाजते गाजते सभी भगवान महावीर गौशाला पहुंचे और गायों को लापसी खिलाई।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विजयनगर यूनाइटेड स्पोर्ट्र्स एंड कल्चरल अकादमी द्वारा हंपी नगर चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में फुटबॉल स्पर्धा इंडिपेंडेंस कप 2024 का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद रविंद्र, विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत, पूर्व पार्षद आनंद ने होसुर में स्पर्धा का शुभारंभ किया। मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल को खेल की भावना से खेलें। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

आरवाईए ने अपने 50वें वर्षगाठ पर 250 छात्रों को दी छात्रवृत्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान युवा संघ (आरवाईए) बेंगलूरु ने अपने गठन के 50 वर्ष पूरे होने पर रविवार को 8 कॉलेजों में कंप्यूटर के साथ आरवाईए टेक सेंटर स्थापित किए, 250 छात्रों को छात्रवृत्ति दी, 15 कॉलेजों के लिए 100 पोडियम, 7 कॉलेजों में स्वच्छ जल अवसंरचना (आरओ फिल्टर) और 800 कुर्सियाँ प्रदान की। इससे बेंगलूरु शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 25 सरकारी कॉलेजों को लाभ मिला। आरवाईए ने रविवार को पैलेस ग्राउंड में हजारों सरकारी कॉलेज के छात्रों को अपनी पुस्तक बैंक पहल के तहत 2500 पाठ्यपुस्तकों और नोटबुक के सेट भी प्रदान किए। बेंगलूरु के 30 से अधिक सरकारी कॉलेजों और चिकबल्लापुर, होसकोटे, बिदादी, गोरीबिदनूर, बंगारपेट और अन्य जैसे कुछ नजदीकी शहरों से 1 हजार से अधिक छात्र कार्यक्रम स्थल पर एकत्र हुए थे। पैलेस ग्राउंड में आरवाईए के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन सांसद डॉ. सी एन मंजूनाथ ने किया और मुख्य अतिथि प्रख्यात सीए और शिक्षाविद पदम खिंचा थे। इस अवसर पर आरवाईए बेंगलूरु ने अन्य दो मुख्य अतिथियों, श्री भगवान महावीर अस्पताल के अध्यक्ष मोहनलाल रांका और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नरपतजी सोलंकी को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

सेवा छोड़कर सामायिक करने बैठ जाना उचित नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि सामायिक धर्म आराधना प्रशंसनीय कहलाती है। साथ में ये ध्यान रखना चाहिए कि यदि घर में कोई बीमार है, सेवा करने वाला कोई नहीं है, तब भी सेवा छोड़कर सामायिक करने बैठ जाना, उचित नहीं है। काल शुद्धि में यह ध्यान रखना चाहिए कि मेरी किसी को सेवा की जरुरत तो नही है। सेवा वृत्ति की यदि घरों में उपेक्षा की जा रही है तो समझना चाहिए कि प्रीति योग के शेयर टूट रहे है और एक दूसरे के प्रति उपेक्षा की जा रही है। ये मानवीयता पर कलंक है। पशु पक्षी भी इतनी उपेक्षा नहीं करते हैं। मानव जन्म पाकर अगर किसी का भला सेवा, सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे मानव धरती पर भार हैं। उन्हें अन्य मानवों से सहयोग की अपेक्षा नहीं रखना चाहिए। क्योकि वे किसी को भी सहयोग नहीं देते है तो क्यों लेते हैं। जिनकी आत्मा पत्थर जैसी कठोर बन जाती है, दयाविहीन ऐसे जीवों में मानो दिल नहीं है। श्री स्थानकवासी जैन संघ अलसूर के 60 बालक बालिकाओं ने विनय मुनि के दर्शन वंदन का लाभ लिया।

जैन अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र बनाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में, जैन माइनोरिटी वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से जैन अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र बनाने हेतु एक दिन के विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जैन भवन में आयोजित शिविर में करीब 40 व्यक्तियों ने प्रमाण पत्र हेतु अपने दस्तावेज दर्ज कराए और पंजीकरण कराया। शिविर का महत्व बताते हुए एसोसिएशन की रेणु रांका ने बताया कि भविष्य में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र बहुत उपयोगी होगा। इससे हमे छात्रवृत्ति, विदेश शिक्षा, व्यापार, सामुदायिक भवन निर्माण, मंदिर पुनर्निर्माण आदि में सरकार, बैंक आदि से सहयोग लेने में आसानी होगी।

इसके लिए आधार कार्ड और स्कूल टी सी की आवश्यकता होती हैं। जितेंद्र कवाड़ ने सेवा में सहयोग दिया।

अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भारतीय जैन संघटना ने आगामी 2 अक्टूबर को होने वाले जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन की जानकारी हेतु एक काउंटर भी रखा। इसका संचालन विपुल मकाना ने किया। जैन युवक संघ अलसूर ने व्यवस्था में सहयोग किया।

तेयुप विजयनगर को मिला सर्वश्रेष्ठ शाखा परिषद का पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सानिध्य में सूरत के महावीर समवसरण में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 58वें राष्ट्रीय अधिवेशन, हम, में वर्ष 2023-24 के कृत कार्यों का मूल्यांकन करते हुए देश विदेश की 362 शाखा परिषदों में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर को सर्वश्रेष्ठ शाखा परिषद् के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न आयामों के अंतर्गत कृत विशेष कार्यों में फिट युवा हिट युवा के वर्ष पर्यन्त सर्वाधिक आयोजन हेतु, सत्कार आयाम में प्रदत्त सहयोग हेतु, आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के अंतर्गत नव सक्रिय एटीडीसी नागरभावी के संचालन हेतु, देश में सर्वाधिक एटीडीसी संचालन हेतु, नवीन आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर मूडलपाल्या के शुभारम्भ हेतु, कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग के सफल आयोजन हेतु, एमबीडीडी में 30 दिनों तक निरंतर रक्तदान शिविरों के आयोजन हेतु, मैं हूँ सामायिक साधक में निरंतर 24 घंटे अखंड जाप करने हेतु आदि 12 अन्य अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, परिषद् प्रभारी रोहित कोठारी, अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, उपाध्यक्ष विकास बाँठिया, अशोक मारू, मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, अमित दक, रौनक चौरड़िया, विजयनगर श्रावक समाज के सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ की पेशकश कर रही

कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने के लिए ऑपरेशन कमल का कर रही प्रयास : रविकुमार गौड़ा

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा पर कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार को अस्थिर करने के लिए ऑपरेशन कमल का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए, सत्तारूढ़ पार्टी के एक विधायक ने रविवार को दावा किया कि 100 करोड़ रुपये की पेशकश करके कांग्रेस विधायकों को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है। मांड्या से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा (रवि गनीगा) ने आरोप लगाया कि हालांकि भाजपा विधायकों को लालच देकर सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है, लेकिन कोई भी विधायक इसके झांसे में नहीं आएगा और सरकार स्थिर और मजबूत है। ऑपरेशन कमल का तात्पर्य भाजपा द्वारा अपनी सरकार स्थापित करने और इसकी स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपने विरोधी पार्टी के विधायकों को दलबदल करने के कथित प्रयास से है।

उन्होंने कहा मैं आज भी कह रहा हूं कि उन्होंने (भाजपा ने) 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया है, परसों किसी ने फोन करके कहा था कि सौ करोड़ तैयार हैं, 50 विधायक खरीदने हैं। भाजपा के लोग 50 करोड़ से 100 करोड़ पर पहुंच गए हैं। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसी ने मुझे फोन किया था, मैंने उससे कहा कि 100 करोड़ अपने पास रख लो, मैंने सोचा कि ईडी से शिकायत कर दूं। उन्होंने कहा हर दिन वे (भाजपा) हमारी सरकार गिराने की योजना बना रहे हैं, 50 करोड़ से अब वे 100 करोड़ की पेशकश पर पहुंच गए हैं, लेकिन हमारी सरकार स्थिर है, मुख्यमंत्री भी मजबूत हैं।

इससे पहले, पिछले साल अक्टूबर में भी गौड़ा ने दावा किया था कि एक टीम कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ रुपये और मंत्री पद का लालच देकर लुभाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा था कि चार विधायकों से संपर्क किया गया है और इस दावे के समर्थन में सबूत भी हैं। गौड़ा ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, प्रहलाद जोशी और एचडी कुमारस्वामी (जेडीएस) पर राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए एक गिरोह के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि 136 विधायकों के साथ कांग्रेस सरकार चट्टान की तरह मजबूत है, एक लोकप्रिय सीएम है, जो गरीबों का हितैषी है और कोई भी इसे हटा नहीं सकता। लेकिन इन लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से वादा किया है और सरकार को गिराने के इरादे से घूम रहे हैं। यह आरोप लगाते हुए कि भाजपा के दलाल हर दिन कांग्रेस विधायकों से संपर्क कर रहे हैं, गौड़ा ने कहा हमारे कोई भी विधायक इसके झांसे में नहीं आएंगे। वे (भाजपा) विधायकों को खरीदकर सरकार को गिराना चाहते हैं। वे अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि कर्नाटक में कांग्रेस मजबूत है। हम सबूत इकट्ठा कर रहे हैं, हम इसे ईडी, सीबीआई को देंगे, हम उन्हें नकदी के बैग के साथ पकड़ना चाहते हैं। मेरे पास उस व्यक्ति का ऑडियो है जिसने मुझे फोन किया था, उसे अब अपनी दिल की धड़कन महसूस होनी चाहिए, हम इसे सही समय पर जारी करेंगे।

ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल पर संयुक्त जांच समिति का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल पर एक संयुक्त जांच समिति का गठन किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने समिति में 13 सदस्यों की नियुक्ति की है और दो मंत्रियों को समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने बसवराज होराट्टी की सहमति से विधानसभा की प्रक्रिया और आचरण के नियम 250 के अनुसार विधानसभा के 10 सदस्यों और विधान परिषद के तीन सदस्यों की एक संयुक्त जांच समिति का गठन किया। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कानून संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल को विधानसभा प्रक्रिया और आचरण नियम 255 (2 के तहत) विधेयक के लिए समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। समिति को ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल, 2024 की जांच और रिपोर्ट करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। लेकिन विधानसभा प्रक्रिया और आचरण के नियम 260 के अनुसार, संयुक्त जांच समिति को अपना अध्यक्ष चुनना होगा। समिति में विधानसभा सदस्य रिजवान अरशद, एनए हैरिस, बी शिवन्ना, एसटी सोमशेखर, प्रियकृष्ण, एसी श्रीनिवास, एस सुरेश कुमार, एसआर विश्वनाथ, एस रघु, जीटी देवेगौड़ा, विधान परिषद सदस्य पुट्टन्ना, यूबी वेंकटेश, एचएस गोपीनाथ शामिल हैं। 25 जून को 16वीं विधानसभा के चौथे सत्र में, जब ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल, 2024 को विचार-विमर्श और अनुमोदन के लिए पेश किया गया था, एक संयुक्त जांच समिति को बिल की व्यापक समीक्षा करने और कई विधायकों के अनुरोध पर एक रिपोर्ट देने का काम सौंपा गया था। सदन के प्रस्ताव के मुताबिक स्पीकर ने एक संयुक्त स्क्रूटनी कमेटी का गठन किया है।

कोर्ट ने पत्नी को फ्रेंच फ्राइज न देने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ जांच पर लगाई रोक

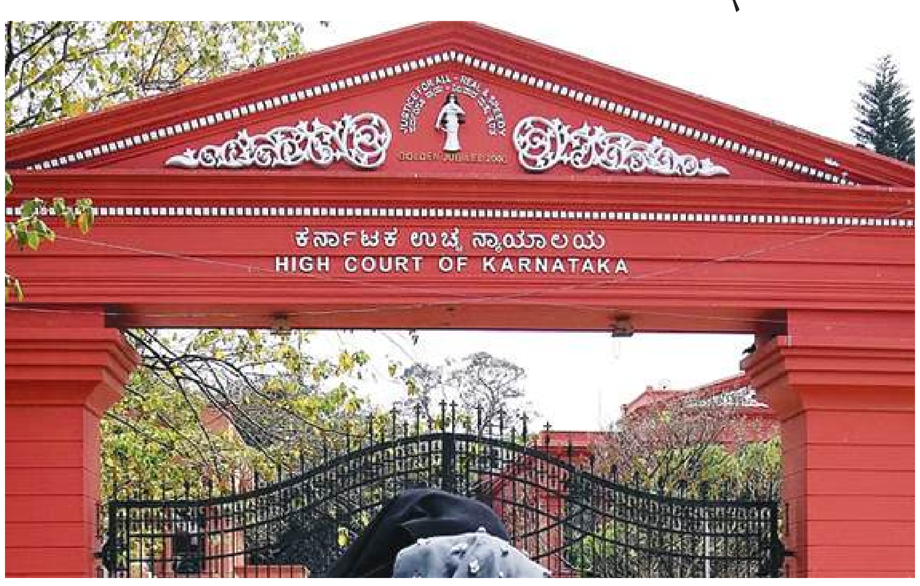

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अमेरिका में अपने बच्चे के जन्म के बाद अपनी पत्नी को फ्रेंच फ्राइज खाने से रोकने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामले की जांच पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने व्यक्ति के खिलाफ आरोपों को तुच्छ पाया और इसलिए जांच पर रोक लगा दी।

अपने फैसले में, न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि जांच जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। उन्होंने कहा पति के खिलाफ किसी भी जांच की अनुमति देना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और पत्नी के आरोपों को बल देगा कि उसे प्रासंगिक समय पर फ्रेंच फ्राइज खाने को नहीं दिया गया था। इसलिए, पति के खिलाफ सभी जांच पर रोक का अंतरिम आदेश दिया जाना चाहिए। महिला का पति, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्यरत है, को भी अपनी नौकरी पर लौटने की अनुमति दी गई, क्योंकि उसने अदालत को आश्वासन दिया कि वह जांच अधिकारियों के साथ सहयोग करेगा और प्रक्रिया से नहीं भागेगा। व्यक्ति की याचिका में जांच पर रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि शिकायत बेबुनियाद है। उसके वकील ने बताया कि उसकी पत्नी की शिकायत के बाद उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था, जिससे उसे अमेरिका में काम पर लौटने से रोका गया था। अदालत ने पहले व्यक्ति के माता-पिता के खिलाफ जांच पर रोक लगा दी थी, जिनका नाम भी शिकायत में था। अपनी शिकायत में पत्नी ने आरोप लगाया कि उसके पति ने बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उसे फ्रेंच फ्राइज, चावल और मांस खाने की अनुमति नहीं दी थी। पति ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि बच्चे के जन्म से पहले अमेरिका में रहने के दौरान उसकी पत्नी ने उससे घर के सारे काम करवाए थे। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने इस मामले में एलओसी के इस्तेमाल की आलोचना की और इसे कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि शिकायत बेबुनियाद प्रतीत होती है और व्यक्ति को अपने पेशेवर दायित्वों के लिए अमेरिका लौटने की अनुमति दी।

केपीएससी प्रारंभिक परीक्षा स्थगित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

27 अगस्त को होने वाली कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) प्रारंभिक परीक्षा को स्थगित करने की मांग को लेकर 50 से अधिक अभ्यर्थियों ने फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। तथ्य यह है कि प्रश्नपत्र एक महीने पहले छपा था, जिससे भ्रष्टाचार हुआ।

चूंकि परीक्षा कार्यदिवस (मंगलवार) को निर्धारित है, इसलिए निजी कंपनियों में काम करने वालों के लिए एक समस्या है। इसलिए अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से परीक्षा स्थगित करने का आग्रह किया। विरोध कर रहे अभ्यर्थी कांताकुमार ने कहा कि परीक्षा 27 अगस्त को है। परीक्षा

सप्ताहांत के दिनों में आयोजित की जाती है। प्रश्नपत्र एक माह से अधिक समय पहले छप चुका है। यह परीक्षा जल्दबाजी में कराई जा रही है और गलत खबर देकर सीएम को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने सिद्धरामैया से अनुरोध किया कि प्रश्नपत्र दोबारा छपवाया जाए और परीक्षा आयोजित करने के लिए कार्रवाई की जाए। प्रश्नपत्र एक माह पहले ही छप चुका है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। सरकार की ओर से यहां कोई नहीं आया है। अभ्यर्थी यमुना ने अफसोस जताया कि परीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं है और यह मानसिक रूप से कठिन हो रहा है। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया क्योंकि वे इस बात पर अड़े थे कि राज्य सरकार को परीक्षा स्थगित करनी चाहिए या हमें इच्छामृत्यु की अनुमति देनी चाहिए।

महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में रविवार को राजेश मुनि जी के सानिध्य में दादा गुरुदेव मदन लाल की दीक्षा जयंती, आचार्य मिश्रीमल जी की जयंती एवं संत रूप मुनि की पुण्यतिथि के अवसर पर महापुरुषों का गुणगान किया गया। मुनि ने कहा कि महापुरुषों का गुणगान इसलिए किया जाता है कि उनके कुछ गुण हमारे भीतर भी आ सकें। उनकी तरह हम भी जिन शासन के सच्चे सिपाही बनकर आत्मा के गुणों की रक्षा करें ताकि हम एक दिन जन्म मरण के दुखों से छुटकारा पा सकें। उन्होंने दादा गुरुदेव मदन लाल जी का गुणानुवाद करते हुए कहा कि उनका मानना था कि यदि संघ बनाना है तो अपनी मत चलाओ अगर अपनी चलानी है तो संघ बनाने की जरुरत नहीं। वे सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। उनका जीवन गुणों से भरपूर था। उन्होंने शेरों की तरह संयम पाला। उनकी प्रेरणा से लाखों व्यक्ति जैन बने। उनके शिष्यों का उपकार समस्त उत्तर भारत पर है। मुनि ने कहा कि आचार्य मिश्रीमल का जीवन मिश्री की तरह था। इस मौके पर गौतम चंद ओस्तवाल ने गुरु मदनलाल तथा आचार्य मिश्रीमल जी के जीवन पर प्रकाश डाला। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

सीएम के अतिरिक्त सचिव ने किया स्पष्ट

27 अगस्त को होने वाली केपीएससी परीक्षा में कोई देरी नहीं होगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रशासनिक सेवा (केएएस) के उम्मीदवारों के एक समूह की ओर से परीक्षा स्थगित करने के अनुरोध के बावजूद, 27 अगस्त को होने वाली कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की राजपत्रित परिवीक्षार्थियों की भर्ती के लिए परीक्षा तय कार्यक्रम के अनुसार होगी।

यह जानकारी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के अतिरिक्त मुख्य सचिव एल के अतीक ने दी। अतीक ने एक बयान जारी कर बताया कि परीक्षा के आयोजन में व्यापक तैयारी और लागत शामिल है, पेपर की छपाई के लिए अनुमानित 4 से 5 करोड़ रुपये - इसलिए परीक्षा को स्थगित करना असंभव बनाता है। अतीक ने कहा 2.5 लाख से अधिक छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करने में बहुत तैयारी करनी पड़ती है। इसे दो महीने

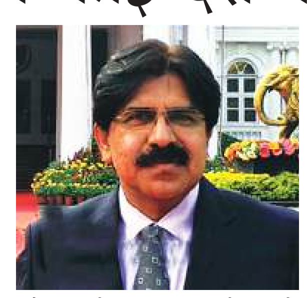

और टालने का मतलब होगा छपे हुए पेपर को नष्ट करना और नए पेपर छापना, जिससे पेपर लीक होने का खतरा है। उन्होंने केएएस उम्मीदवारों के एक छोटे समूह पर अनुचित दबाव बनाने का आरोप लगाया, जिसमें केपीएससी, डीपीएआर और मुख्यमंत्री कार्यालय को कॉल और व्हाट्सऐप संदेश करना शामिल है। उन्होंने कहा इतना कि कई बार मुझे अपना फोन एयरप्लेन मोड पर रखने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वे गलत सूचना फैला रहे हैं और यह धारणा देने की कोशिश कर रहे हैं कि कोई घोटाला है। अतीक ने तर्क दिया कि इस समूह के आगे झुकना, जिसमें लगभग 1,500 देर से आने वाले आवेदक शामिल हैं, जिन्हें आयु में छूट मिली है, 2.5 लाख अन्य आवेदकों को अनुचित रूप से नुकसान पहुंचाएगा, जिन्होंने पहले से ही तैयारी कर ली है और यात्रा की व्यवस्था कर ली है। परीक्षा कार्यक्रम पहले ही कई बार बदल चुका है। शुरू में 5 मई के लिए निर्धारित, इसे लोकसभा चुनावों के कारण 7 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया और फिर यूपीएससी परीक्षा से टकराव से बचने के लिए 21 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राज्य सरकार ने बाद में 2017-18 के उम्मीदवारों के लिए एक अतिरिक्त अवसर प्रदान किया, जिनकी आयु सीमा समाप्त हो गई थी, अंतिम परीक्षा की तारीख 27 अगस्त तय की गई।

युवती से सामूहिक बलात्कार के दो आरोपी को पुलिस हिरासत में भेजा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जेएमएफसी कोर्ट ने अय्यप्पना नगर में 21 वर्षीय युवती से सामूहिक बलात्कार मामले में दो आरोपियों को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपी अल्ताफ और जेवियर रिचर्ड क्वाड्रोस फिलहाल हिरासत में हैं। पीड़िता का मणिपाल अस्पताल में उन्नत चिकित्सा उपचार चल रहा है। इस जघन्य अपराध की हिंदू और मुस्लिम समेत सभी समुदायों ने निंदा की है। पीड़िता अय्यप्पा नगर में मधुमक्खी पालन इकाई में कार्यरत थी। तीन महीने पहले इंस्टाग्राम पर उसकी जान-पहचान टिपर चालक अल्ताफ से हुई थी। दोनों पास के इलाकों में रहते हैं, अल्ताफ कुक्कुंडूर गांव में रहता है। अल्ताफ ने कथित तौर पर पीड़िता को बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया, जहां वह उसे अपनी कार में ले गया।

कथित तौर पर उसे नशीला पदार्थ मिलाकर शराब पिलाई गई और उसके साथ बलात्कार किया गया। शराब की आपूर्ति करने वाले रिचर्ड क्वाड्रोस को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। माना जा रहा है कि इस अपराध में चार लोग शामिल थे और पुलिस फिलहाल दो फरार संदिग्धों की तलाश कर रही है। शुक्रवार दोपहर को अल्ताफ पीड़िता को उसके कार्यस्थल से करीब 15 से 18 किलोमीटर दूर पल्ली ले गया। उसने कथित तौर पर उसे यह विश्वास दिलाया कि उसके पास वहां एक प्लॉट है और उसे एक जंगली इलाके में ले गया, जहां दो अन्य लोग उसका इंतजार कर रहे थे।

नशीले पदार्थ से सना हुआ पेय पिलाने के बाद, नशे की हालत में उसका यौन उत्पीड़न किया गया। पीड़िता चिल्लाने लगी और अल्ताफ उसे वापस घर ले गया। रास्ते में उसे उल्टी हुई और जब वह पहुंची तो वह अर्धचेतन अवस्था में थी। उसके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया। लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ था या नहीं, इसकी पुष्टि एक व्यापक मेडिकल रिपोर्ट और न्यायिक अधिकारी के समक्ष उसके बयान के बाद होगी। उसके परिवार के सदस्यों ने कहा कि डॉक्टरों ने शारीरिक जांच के दौरान यौन उत्पीड़न की पुष्टि की है। पीड़िता की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर करकला सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अल्ताफ, जो शादीशुदा है और मूल रूप से उत्तर भारत का रहने वाला है, एक टिपर ट्रक चालक था और पट्टोंजीकट्टे कबेटु, जोदुरस्थे और कुक्कुंडूर में किराए के मकानों में रहता था। दूसरा आरोपी रिचर्ड क्वाड्रोस रंगनापलके का निवासी है और टिपर ट्रक चलाने से पहले वह एक निजी बस चालक के रूप में काम करता था। कथित तौर पर दोनों अवैध रेत तस्करी में शामिल थे और शराब, नशीले पदार्थों और नशीली दवाओं की आपूर्ति से जुड़ी एक शानदार जीवनशैली जीते थे। पीड़िता के पिता पत्थर तोड़ने का काम करते हैं। बताया जाता है कि अल्ताफ, जो रेत का कारोबार भी करता था, पीड़िता के पिता से परिचित था और दोनों अक्सर एक-दूसरे से मिलते-जुलते थे। अल्ताफ पर कई अपराध दर्ज हैं, जिसमें पांच साल पहले बंगलेगुड्डे में एक लड़की का यौन उत्पीड़न करने का मामला भी शामिल है। उस घटना के दौरान, उसके मोबाइल फोन में कई लड़कियों की तस्वीरें और वीडियो थे। स्थानीय लोगों ने उस समय उसकी पिटाई की, लेकिन पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई। यह भी संदेह है कि गैंगरेप में ड्रग माफिया का हाथ हो सकता है। 24 घंटे के भीतर दो संदिग्धों को गिरफ्तार करने में पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए जनता ने व्यापक रूप से सराहना की है।

100 करोड़ की पेशकश ऑपरेशन कमल का एक प्रयास: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल ने कहा कि कांग्रेस की विधानमंडल बैठक में ऑपरेशन कमल के चल रहे प्रयासों को लेकर चर्चा हुई थी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस के मध्यस्थों ने कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की और 100 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया। इसको लेकर चल रही चर्चाएं सही हैं। विधायक रविकुमार के बयान का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे विधायक ने खुला बयान दिया है और इसमें सच्चाई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाया था। भाजपा कई दिनों से कोशिश कर रही है। प्रयास अभी भी जारी हैं। मुडा मामले में इरादा सिद्धरामैया को अस्थिर करने और राज्य सरकार को गिराने का है। उन्होंने कहा कि हमारा कोई भी विधायक इसकी चपेट में नहीं आएगा। कोई नहीं बता रहा कि मुडा मामले में सिद्धरामैया की क्या खामियां हैं। स्वयं की भूमि खो जाने की स्थिति में सभी शहरी विकास प्राधिकरणों में 50:50 के अनुपात में भूमि आवंटन की व्यवस्था प्रचलित है। कलबुर्गी सहित राज्य के कई शहरी विकास प्राधिकरणों में उन लोगों को जमीन दी गई है जिन्होंने मैसूरु में जमीन खो दी है। विपक्ष जानबूझकर इसे घोटाले के रूप में पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए इस हंगामे के पीछे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 के तहत अनुमति दी जानी है तो अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के संबंध में केंद्र सरकार ने स्वयं स्पष्ट दिशानिर्देश तैयार किए हैं। इससे आगे राज्यपाल ने कार्यवाही की अनुमति दे दी है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश जताया कि इस मामले में सभी नियमों का उल्लंघन किया गया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

कुमारस्वामी को सत्ता से हटाने की कोशिशें नहीं होंगी सफल: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि एचडी कुमारस्वामी को केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री के पद से हटाने की कांग्रेस की कोशिश काम नहीं आएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं ने चर्चा की थी कि कुमारस्वामी को कैसे बांधा जाए। खनन से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में है। हालांकि, कांग्रेस अनावश्यक रूप से आरोप लगा रही है। अगर कांग्रेस के आरोपों में सच्चाई है तो वे 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद

कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाने क्यों आये? कुमारस्वामी ने खनन की अनुमति पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। हालांकि एसआईटी ने राज्यपाल से मुकदमा चलाने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उन्होंने इसे महज मुडा घोटाले पर पर्दा डालने की योजना करार देते हुए कांग्रेस पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

मुडा घोटाले की चर्चा पूरे देश में हो रही है और हर दिन कोई न कोई दस्तावेज सामने आ रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्यपाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। लोकसभा चुनाव के बाद न सिर्फ पुराने मैसूरु बल्कि उत्तरी कर्नाटक में भी जेडीएस और भाजपा गठबंधन की ताकत बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी परेशान हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पर्वतम्मा द्वारा जगह मांगने के लिए लिखा गया पत्र सामने आया है। उस पत्र में लिखा था कि वे 40.60 का अनुपात नहीं चाहते। उन्होंने ऐसी जगह की मांग की है। व्हाइटनर ने इसे हटा दिया है। इसमें क्या लिखा था? इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमें जानकारी है कि उन्होंने विजयनगर में जगह मांगी है। सत्तारूढ़ कांग्रेस का चन्नपटना में कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह तब पता चलेगा जब हम चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र के इतिहास में उस पार्टी को मिले वोटों और जेडीएस पार्टी को मिले वोटों को देखेंगे। दिल्ली स्तर के भाजपा नेता, हमारे नेता विचार-विमर्श करेंगे और उप-चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर रिपोर्ट आलाकमान तक पहुंच चुकी है और जल्द ही एनडीए उम्मीदवार की घोषणा कर दी जायेगी।

सीएम किसी भी स्तर पर इस्तीफा नहीं दे सकते: एचसी महादेवप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने कहा कि भले ही उच्च न्यायालय ने मुडा मामले में अभियोजन को अनुमति देने के राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा हो, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया नैतिक आधार पर इस्तीफा नहीं देंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया मुडा मामले में किसी भी स्तर पर शामिल नहीं थे। भाई-भतीजावाद, कोई हस्तक्षेप नहीं।

ऐसे में इसमें नैतिकता का सवाल ही नहीं उठता। दिल्ली में हुई कांग्रेस हाईकमान की बैठक में मुडा मामले पर चर्चा हुई। लेकिन नेतृत्व परिवर्तन का कोई जिक्र नहीं है। हाईकमान, कांग्रेस विधायक, मंत्री मुख्यमंत्री के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सीएम बदलने का मुद्दा इस समय अप्रासंगिक है। ऑपरेशन कमल कोई नई बात नहीं है। भाजपा-जद(एस) जनता द्वारा सीधे चुनी गई सरकार बनाने में विफल रही। इस प्रकार, वे लगातार पिछले दरवाजे से कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह सफल नहीं होगा। कुमारस्वामी, प्रह्लाद जोशी समेत भाजपा नेताओं और जेडीएस नेताओं ने कहा है कि दस महीने के अंदर सरकार बदल जाएगी। हम किस आधार पर कह सकते हैं कि संख्या बल कम होने पर भी हम सरकार बनाएंगे? इसका मतलब है कि भाजपा ने अपनी पुरानी रणनीति जारी रखी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसका मतलब यह नहीं है कि वह ऑपरेशन कमल पर उतर आए हैं। कांग्रेस सरकार जन हितैषी योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया राजनीतिक जीवन में बेहद ईमानदार व्यक्ति हैं। कांग्रेस में कोई भ्रम नहीं है। पार्टी में कोई भी मुख्यमंत्री बनने का इंतजार नहीं कर रहा है। भाजपा जेडीएस में असमंजस की स्थिति है। उन्होंने कहा कि वे लगातार हमारी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।

दलित मुख्यमंत्री का मुद्दा मौजूद नहीं है। कांग्रेस का लक्ष्य है कि सभी समुदायों को मौका मिले। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

अच्छे संस्कारों के लिए धार्मिक पाठशाला में अध्ययन जरुरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी, साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन, श्री जिन कुशल सूरी जैन धार्मिक पाठशाला, श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल, श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक मंडल की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में रत्नत्रयी महोत्सव का समापन रविवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर पाठशाला के बच्चों द्वारा स्वार्थी दुनिया नृत्य नाटिका का बहुत ही सुन्दर मंचन किया गया और बच्चों द्वारा सुन्दर नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी संस्थाओं को रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रदान कर कहा कि आज से पच्चीस वर्ष पूर्व साध्वी हेम प्रभा जी ने इस पाठशाला की स्थापना हेतु प्रेरणा दी और अरविन्द कोठारी के संयोजकत्व में इस पाठशाला ने निरंतर प्रगति की। आज इस पाठशाला में 300 से अधिक अभ्यासक धार्मिक पढ़ाई करते हैं। आराधना भवन के लाभार्थी छगनराज तलाजी परिवार मांडवला निवासी, विगत कई वर्षों से पाठशाला के लाभार्थी संघवी राजेश कुमार, प्रवीण कुमार, रोमिल कुमार, पालरेचा परिवार मोकलसर निवासी और पंडित रोहित एम शाह का ट्रस्ट मंडल की ओर से तिलक, शाल, माला और स्मृति चिन्ह से स्वागत अभिनंदन किया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित कर कहा कि इसी पाठशाला से छह मुमुक्षु निकलकर जैन भगवती दीक्षा अंगीकार की। संयोजक अरविन्द कोठारी ने आराधना भवन, सेवा मंडल, सामायिक मंडल और पाठशाला के उद्भव से लेकर आज तक की गतिविधियों को विस्तार से बताया।

ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि आराधना भवन के समस्त लाभार्थी परिवार इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभाली। इस अवसर पर ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल भंसाली, उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रंजीत ललवानी, सहमंत्री धर्मेंद्र सकलेचा, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कुमार रांका, चुन्नीलाल गुलेच्छा, प्रकाश भन्साली, पुखराज कवाड़, पारसमल पगारिया आदि सदस्यों के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधान परिषद के सदस्य और करोड़ों की संपत्ति वाले विधायकों ने

एक ही साल में सरकार से लाखों रुपये के मेडिकल बिल का किया दावा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सदस्य और करोड़ों की संपत्ति वाले विधायकों ने एक ही साल में सरकार से लाखों रुपये के मेडिकल बिल का दावा किया है जैसे कि सरकारी पैसा उनके और उनके परिवार के लिए है।

भाजपा के विधान परिषद सदस्य भारतीशेट्टी ने एक साल में सरकार से स्वास्थ्य बिल के रूप में सबसे अधिक 48.70 लाख रुपये वसूल किया है। सीपी योगेश्वर, जो पूर्व मंत्री और विधान परिषद के सदस्य हैं, को 39.64 लाख और मंत्री लक्ष्मीहेब्बालकर के भाई चन्नराज हत्तिहोली को एक वर्ष में 17.03 लाख मिले हैं। सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश के सूचना अधिकार आयोग से प्राप्त दस्तावेजों से यह खुलासा हुआ है।

अगर विधायक और विधान परिषद सदस्य बीमारी की वजह से अस्पताल में भर्ती होते हैं तो सरकार से पैसे का दावा किया जाता है। नियमानुसार सरकारी अस्पतालों व सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में इलाज होना चाहिए। लेकिन सरकारी अस्पताल में जनता के प्रतिनिधि ही अपनी नाक फोड़ते हैं और नीति सिखाते हैं कि हाईटेक अस्पतालों में सिर्फ उन्हें ही इलाज मिले और जनता को सरकारी अस्पतालों में ही इलाज मिले, खासकर चुनाव आयोग को सौंपे गए संपत्ति के ब्यौरे में करोड़ों की संख्या में रहने वाले जन प्रतिनिधियों को इस साल सरकारी पैसे से इलाज मिला है। पहला स्थान भारतीशेट्टी को जाता है तो सीपी योगेश्वर, चेन्नराजा

हत्तीहोली, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराज, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक लक्ष्मण सावदी, विधान परिषद सदस्य टीए सरवन भी इस सूची में शामिल हैं।

अधिकांश मेडिकल बिल दावेदार

- भारतीशेट्टी – 48.70 लाख
- सीपी योगेश्वर– 39.64 लाख
- चन्नराजा हत्तीहोली – 17.03 लाख
- गोविंदा राज– 7.26 लाख
- लक्ष्मण सावदी – 2.41 लाख
- टीए सरवन– 2.14 लाख
- हरीश कुमार– 2 लाख रुपये
- मैरिटिब्बेगौड़ा– 1,54,995 रुपये
- नारायणस्वामी– 3 लाख रुपये
- अब्दुल जब्बार– 1,1,345 रुपये
- सुदाम दास– 2,04,542 रुपये
- सुनील वाल्यापुरे– 2,75,000 रुपये
- चलवाडी नारायणस्वामी–1,18,828 रुपये
- वाईएम सतीश– 2,77,559 रुपये
- मधु मद्देगौड़ा– 2,46,233 रुपये
- रघुनाथ मलकापुरे– 1,34,823 रुपये
- एमजी बोन– 2,24,282 रुपये

गंगा में बह गए चीफ इंजीनियर, कटाव का निरीक्षण कर रहे थे

पटना (एजेंसियां)।

भागलपुर के नवगछिया के इस्माइलपुर में गंगा नदी के तेज बहाव में जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर बह गए। हालांकि, समय रहते उन्हें सकुशल बाहर निकाल गया गया। वह बाल-बाल गच गए।

बताया जा रहा है कि शनिवार को इंजीनियर अनवर जमील गंगा नदी में हुए कटाव का निरीक्षण गए थे। अचानक पानी के तेज दबाव के कारण उनकी बोट कहलगांव की ओर बहने लगी। उसी दौरान उनका फोन बजा और एक झटके के कारण वह बोट से पानी में गिर गए। हालांकि, मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें सुरक्षित निकाल लिया, जिससे उनकी जान बच गई। घटना के बाद उनकी हालत कुछ समय के लिए खराब हो गई थी। इसके बाद उनका प्राथमिक उपचार किया गया, अब उनकी हालत सुरक्षित हैं।

नवगछिया बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि मुख्य अभियंता घटना के बाद सुरक्षित हैं और ठीक हैं। उन्होंने कहा कि पानी में डूबने के कारण मुख्य अभियंता को थोड़ी घबराहट हुई थी, लेकिन एनडीआरएफ टीम ने उन्हें समय पर सकुशल बचा लिया।

वहीं मुख्य अभियंता अनवर जमील ने बताया कि समीप निरीक्षण कर रहे थे, उस समय पानी का बहाव बहुत तेज था। उनकी नाव पानी के दबाव की वजह से कहलगांव की तरफ खींची जा रही थी। एनडीआरएफ की टीम उन्हें वापस लाने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान मुख्य अभियंता के मोबाइल पर फोन आया। तभी यह हादसा हुआ।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब मुख्य अभियंता कटाव स्थल का निरीक्षण करने के लिए जा रहे थे और तेज पानी के बहाव के कारण उनकी नाव असंतुलित हो गई थी। गंगा नदी में डूबने के बावजूद, टीम की तत्परता और मुख्य अभियंता द्वारा लाइफ जैकेट पहनने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

चार्जशीट में एसआईटी का खुलासा

प्रज्वल ने नौकरानी को वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने को किया था मजबूर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म और उनके पिता व विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में जांच कर रही एसआईटी ने दो हजार पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है। इसके मुताबिक प्रज्वल ने नौकरानी की बेटी को वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने को मजबूर किया था। साथ ही फोन कॉल के दौरान उसकी अश्लील तस्वीरें लेने व सबूत नष्ट करने का भी खुलासा हुआ है। एसआईटी ने प्रज्वल के खिलाफ चार मामलों की जांच में 150 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं। आरोप पत्र के मुताबिक प्रज्वल के खिलाफ जब मामला सामने आने पर उसने वीडियो व फोटो नष्ट कर दिया और विदेश भाग गया। हालांकि, जांच टीम ने एफएसएल की मूल रिपोर्ट के जरिये फोटो व वीडियो रिकवर कर लिया। जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में मौके पर निरीक्षण, वैज्ञानिक, मोबाइल, डिजिटल और अन्य प्रासंगिक साक्ष्य शामिल हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा के बेटे विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ पहला मामला उनके घर पर काम करने वाली घरेलू सहायिका की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। पीड़िता विधायक की पत्नी भवानी की रिश्तेदार भी थी। उसने आरोप लगाया कि उसके साथ कई बार यौन उत्पीड़न किया गया। प्रज्वल ने हाल ही में हासन से एनडीए उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे।

ज्वेलरी कारोबारी की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के बड्डी थाना क्षेत्र में 22 अगस्त को थाने से महज चंद गज की दूरी पर हुई ज्वेलरी कारोबारी की हत्या के बाद इलाके में अब भी सनसनी फैली हुई है। भाजपा नेता और चेनारी के पूर्व विधायक ललन पासवान रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान वे गुस्से में नजर आए, उन्होंने अपनी ही सरकार के प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने रोहतास एसपी की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि घटना के कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जबकि पीड़ित परिवार और ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है।

दरअसल, 22 अगस्त की देर शाम आलमपुर से अपनी ज्वेलरी दुकान बंद कर घर लौट रहे सिकुही निवासी सूरज सोनी की हत्या कर दी गई थी। बदमाश उनसे साने-चांदी के आभूषण और नगदी लूटकर फरार हो गए थे। थाने से कुछ दूरी पर हुई इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के अगले दिन आक्रोशित लोगों ने शव सड़क पर रखकर थाने का घेराव कर दिया था। इस दौरान पुलिस और प्रर्दशनकारियों के बीच हुई झड़प में एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल हो गए थे।

पूर्व विधायक ललन पासवान ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि वे पुलिसकर्मियों की निष्क्रियता की शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे।

जहानाबाद में दरधा और जमुने नदी का जलस्तर बढ़ा जाफरगंज मोहल्ले के दर्जनों मकानों में घुसा पानी

जहानाबाद

जहानाबाद जिला मुख्यालय के बीचों-बीच बह रही दरधा और जमुने नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण शहर के निचले इलाकों में अफरा-तफरी मच गई है। दरधा नदी पर बने जाफरगंज के पास पुलिया पर पानी का तेज बहाव हो रहा है, जिससे जाफरगंज मोहल्ले के लोग अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिया पार कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से अब तक किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण लोग नदी के पानी से भरी पुलिया को पार करने को मजबूर हैं।

नदी का जलस्तर बढ़ने से जाफरगंज मोहल्ले के लगभग दो दर्जन से अधिक घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। नदी किनारे बसे दर्जनों घरों के लोग अपने-अपने घरों से सामान निकालकर ऊंचे स्थानों पर जाने को मजबूर हो रहे हैं।

बता दें कि जहानाबाद जिला मुख्यालय के बीचों-बीच से दरधा और जमुने नदी गुजरती है। इन नदियों के दोनों किनारों पर लोगों ने अतिक्रमण कर घर बना लिए हैं। ऐसे में कई घरों में बाढ़ का पानी पहले ही घुस चुका है, जबकि अन्य घरों में भी पानी घुसने का खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि रात में अचानक दरधा और जमुने नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई और देखते ही देखते कई घरों में पानी घुस गया। पानी को बढ़ते देखकर लोग इधर-उधर भागने लगे। सबसे गंभीर स्थिति जाफरगंज जाने वाली पुलिया पर है, जहां पुल पर पानी चढ़ने के बावजूद लोग पुल पार करने से नहीं कतरा रहे हैं। लोग पैदल, साइकिल और ऑटो से पुलिया पार कर रहे हैं, जबकि नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

ओपीएस और एनपीएस के अंतरद्वंद्व में केंद्र ने की कलाबाजी

सीएपीएफ को फंसाया यूपीएस के जुमले में

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने नई पेंशन व्यवस्था यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करने की घोषणा कर दी है। अगले वर्ष पहली अप्रैल से यूपीएस, अस्तित्व में आ जाएगी। केंद्र एवं राज्यों के अनेक कर्मचारी संगठन, इस नई पेंशन व्यवस्था को छल बता रहे हैं। उन्होंने इसके खिलाफ विरोध का बिगुल बजा दिया है। हालांकि केंद्र में स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने यूपीएस के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। कैबिनेट की मीटिंग और उसके बाद हुई ब्रीफिंग में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई।

इन बलों में पुरानी पेंशन बहाली का केस सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। अब यूपीएस के आने से इन बलों में ओपीएस लागू की उम्मीद टूट सी गई है। वजह, केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में यह बात कह सकती है कि ये बल भी अन्य कर्मचारियों की तरह यूपीएस के दायरे में आएंगे। यहां पर एक पेंच फिर भी फंसा रहेगा कि सरकार, सीएपीएफ को संघ के सशस्त्र बल मानेगी या नहीं। दिल्ली हाईकोर्ट और खुद इन बलों का एक्ट यह बात मानता है कि सीएपीएफ संघ के सशस्त्र बल हैं। अगर सरकार भी सर्वोच्च अदालत में यह बात मान लेगी कि हां ये संघ के सशस्त्र बल हैं तो इन्हें ओपीएस देना पड़ेगा।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पुरानी पेंशन बहाली का केस सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। केस का आधार केवल एक ही है कि ये बल भारत संघ के सशस्त्र बल हैं या नहीं। केंद्र सरकार ने आर्मी, नेवी और एयरफोर्स को ही संघ के सशस्त्र बल माना है। इसी के चलते इन बलों में ओपीएस लागू है। पिछले दिनों सर्वोच्च अदालत ने इस मामले की सुनवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस निर्देश पर अंतरिम रोक लगाने की पुष्टि की है, जिसमें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस), सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के अनुसार, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों पर भी लागू होने की बात कही गई थी।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए भारत संघ को अनुमति देते हुए यह आदेश पारित किया था। याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च अदालत के समक्ष समानता का यह पक्ष रखा था कि जब संघ के सशस्त्र बल आर्मी, नेवी और एयरफोर्स को ओपीएस मिल रही है तो सीएपीएफ को भी मिले। वजह, ये बल भी संघ के सशस्त्र बल हैं।

सीएपीएफ के 11 लाख जवानों/अफसरों ने गत वर्ष पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली हाईकोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीती थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को लागू नहीं किया। इस मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले लिया। जब केंद्र सरकार ने स्टे लिया, तभी यह बात साफ हो गई थी कि सरकार सीएपीएफ को पुरानी पेंशन के दायरे में नहीं लाना चाहती। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 11 जनवरी 2023 को दिए अपने एक अहम फैसले में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ को भारत संघ के सशस्त्र बल माना था।

दूसरी तरफ केंद्र सरकार, सीएपीएफ को सिविलियन फोर्स बताती है। हाईकोर्ट ने इन बलों में लागू एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, चाहे कोई आज इन बलों में भर्ती हुआ हो, पहले कभी भर्ती हुआ हो या आने वाले समय में भर्ती होगा, सभी जवान और अधिकारी, पुरानी पेंशन स्कीम के दायरे में आएंगे। स्टे के चलते ये फैसला लागू नहीं हो सका। जानकारों का कहना है कि सीएपीएफ पर भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है। इन सारी बातों के होते हुए भी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन से वंचित किया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय भी यह मान चुका है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीएपीएफ, भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। केंद्र सरकार, कई मामलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को सशस्त्र बल मानने को तैयार नहीं होती। सीएपीएफ में पुरानी पेंशन का मुद्दा भी इसी चक्कर में फंसा हुआ है। एक जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार की नौकरियों में भर्ती हुए सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन के दायरे से बाहर कर उन्हें एनपीएस में शामिल कर दिया गया। इसी तर्ज पर सीएपीएफ जवानों को सिविल कर्मचारी मानकर उन्हें भी एनपीएस में शामिल कर दिया।

तब केंद्र सरकार का मानना था कि देश में सेना, नेवी और वायु सेना ही सशस्त्र बल हैं। बीएसएफ एक्ट 1968 में कहा गया है कि इस बल का गठन भारत संघ के सशस्त्र बल के रूप में हुआ है। इसी तरह सीएपीएफ के बाकी बलों का गठन भी भारत संघ के सशस्त्र बलों के रूप में हुआ है। कोर्ट ने माना है कि सीएपीएफ भी भारत के सशस्त्र बलों में शामिल हैं। इस लिहाज से उन पर एनपीएस लागू नहीं होता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 6 अगस्त 2004 को जारी पत्र में घोषित किया गया है कि गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केंद्रीय बल, संघ के सशस्त्र बल हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में फौजी महकमे वाले सभी कानून लागू होते हैं। सरकार खुद मान चुकी है कि ये बल तो भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। इन्हें अलाउंस भी सशस्त्र बलों की तर्ज पर मिलते हैं। इन बलों में कोर्ट मार्शल का भी प्रावधान है। इस मामले में सरकार दोहरा मापदंड अपना रही है। अगर इन्हें सिविलियन मानते हैं तो आर्मी की तर्ज पर बाकी प्रावधान क्यों हैं। फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। जो सर्विस रूल्स हैं, वे भी सैन्य बलों की तर्ज पर बने हैं। अब सरकार इन्हें सिविलियन फोर्स बता रही है। ऐसे में ये बल अपनी सर्विस का निष्पादन कैसे करेंगे। इन बलों को शपथ दिलाई गई थी कि इन्हें जल, थल और वायु में जहां भी भेजा जाएगा, ये वहीं पर काम करेंगे। सिविल महकमे के कर्मी तो ऐसी शपथ नहीं लेते हैं।

सोने की बढ़ती कीमतों से कश्मीर में शादी का सीजन प्रभावित

जम्मू, 25 अगस्त (ब्यूरो)। सोने की बढ़ती कीमतों ने कश्मीर में शादी के सीजन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, क्योंकि समाज के कई वर्गों के लिए यह पीली धातु धीरे-धीरे अप्राप्य होती जा रही है। अगस्त में कश्मीर में शादी का मौसम शुरू होता है और नवंबर तक रहता है। इस मौसम में सोने और चांदी की बिक्री आम तौर पर बढ़ जाती है, क्योंकि कश्मीरी समाज में इसकी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक भूमिका है।

जानकारी के लिए देश में सोने की कीमतें इस समय आसमान छू रही हैं, जिसका असर घाटी में शादी के मौसम पर पड़ रहा है। फिलहाल 24 कैरेट सोने की कीमत 7288.8 रुपए प्रति ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 6676.6 रुपए प्रति ग्राम है। कश्मीर के गोल्ड बेचने वाले डीलरों ने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण कश्मीर में सोने की मांग 70 प्रतिशत से अधिक कम हो गई है। आल कश्मीर वैली गोल्ड डीलर्स एंड वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बशीर अहमद राथर के बकौल, अब हमारे पास बहुत कम ग्राहक आते हैं। पूरे भारत में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और इसका सीधा असर हमारी बिक्री पर पड़ा है, क्योंकि इस समय घाटी में सोने की मांग अधिक है।

ज्वैलर्स ने कहा कि ज्यादातर मध्यम वर्गीय परिवार बढ़ती कीमतों के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राथर का कहना था कि सोना हमेशा से कश्मीरी शादियों का एक अनिवार्य हिस्सा रहा है, लेकिन मौजूदा कीमतें लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर रही हैं कि वे कितना खर्च कर सकते हैं। एक अन्य ज्वैलर समीर अहमद ने कहा कि कीमतें अब रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, इसलिए परिवार हल्के डिजाइन का विकल्प चुन रहे हैं या वैकल्पिक सामग्रियों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर हम परिवारों से हल्के डिजाइन बनाने के बारे में सुनते हैं, जो उनके लिए किफायती हो जाते हैं। हमने यह भी सुना है कि लोग अब दुल्हन को सोने के बजाय नकद और रसोई के अन्य उपकरण और कपड़े उपहार में देने जैसे अन्य विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

अहमद का कहना था कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण कश्मीर में शादियों में देरी होगी या समारोहों का स्तर कम होगा। पारंपरिक रूप से सोना कश्मीरी शादियों का एक अनिवार्य हिस्सा है। दूल्हा-दुल्हन के परिवार शादी तक विभिन्न समारोहों के दौरान सोने का आदान-प्रदान करते रहते हैं। संभावित खरीदारों ने सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के बारे में चिंता व्यक्त की है, उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में लागत लगभग दोगुनी हो गई है।

जन्माष्टमी पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

देश की प्रगति और लोककल्याण की कामना की

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी है और लोक कल्याण तथा देश की प्रगति की कामना की है।

श्रीमती मुर्मु ने रविवार को जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर अपने शुभकामना संदेश में कहा, आइए इस अवसर पर, हम भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाओं को आत्मसात करें तथा देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लें।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मैं, सभी देशवासियों और विदेशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।जनमाष्टमी के दिन हम भगवान श्री कृष्ण की पूजा करते हैं। खुशी का यह त्योहार हमें श्रीगवान श्री कृष्ण के आदर्शों के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करता है। श्रीमद्भागवद्गीता, श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद है, संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा और ज्ञान का शाश्वत स्रोत है।

श्री धनखड़ ने जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में लोगों को नीतिपरायणता के मार्ग को अपनाने का आह्वान करते हुए सभी के कल्याण के लिए काम करने की अपील की है। उपराष्ट्रपति ने कहा है, जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। दिव्य प्रेम, ज्ञान और कर्तव्यपरायणता के पर्याय भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर आधारित जन्माष्टमी का यह पर्व आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह पर्व धर्म के शाश्वत मूल्यों को उजागर करते हुए अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है और हमें इस मार्ग पर जीवन जीने के महत्व का एहसास देता है। जन्माष्टमी के इस पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों पर चिंतन कर उनके अनुरूप जीवन जीने का प्रयास करें जिससे हमारे समाज में एकता, शांति और सद्भाव का वास हो। आइए, इस दिव्य अवसर पर हम नीतिपरायणता के मार्ग को अपनाएँ और सभी के कल्याण को समर्पित होकर काम करने का संकल्प लें। श्री मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में लखपती दीदी महासम्मेलन की शुरुआत जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से की और लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

रहते हैं जम्मू में, वोट देंगे कश्मीर में

खत्म होने का नाम नहीं ले रही कश्मीरी विस्थापितों की त्रासदी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 25 अगस्त। कश्मीरी विस्थापित मतदाता इस बार भी बिना विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता बने रहेंगे और उन्हें इस बार भी कश्मीर के उन विधानसभा क्षेत्रों के लिए जम्मू में ही मतदान करना होगा जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल हो गए हैं। दरअसल कश्मीरी विस्थापितों को डाक मतपत्रों और जम्मू, उधमपुर और नई दिल्ली में स्थापित विशेष मतदान केंद्रों के माध्यम से मतदान करने की सुविधा प्रदान करने की पिछली प्रथा को जारी रखते हुए, भारत के चुनाव आयोग ने कश्मीरी विस्थापित मतदाताओं के लिए फिर से घोषणा की है।

आयोग के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के उन सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए है, जो मजबूर परिस्थितियों के कारण पलायन कर गए थे और अस्थायी रूप से विभिन्न स्थानों पर रह रहे हैं। उनके सामान्य निवास स्थान से बाहर के स्थान। सच में है तो बड़ी अजीब बात लेकिन जम्मू कश्मीर में यह पूरी तरह से सच है। कभी आपने ऐसे मतदाता नहीं देखें होंगें जो बिना विधानसभा व लोकसभा क्षेत्र के हों। यहां पर हैं। वे भी एक दो सौ-पांच सौ नहीं बल्कि पूरे सवा लाख। और ये मतदाता जिन्हें कश्मीरी विस्थापित कहा जाता है पिछले 34 सालों में होने वाले उन लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करते आ रहे हैं जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल का अरसा बीत गया है।

देखा जाए तो कश्मीरी पंडितों के साथ यह राजनीतिक नाइंसाफी है। कानून के मुताबिक, अभी तक उन्हें उन क्षेत्रों के मतदाताओं के रूप में पंजीकृत हो जाना चाहिए जहां वे रह रहे हैं लेकिन सरकार ऐसा करने को इसलिए तैयार नहीं है क्योंकि वह समझती है कि ऐसा करने से कश्मीरी विस्थापितों के दिलों से वापसी की आस समाप्त हो जाएगी। नतीजतन कश्मीर के करीब 6 जिलों के 46 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता आज जम्मू में रह रहे हैं। इनमें से श्रीनगर जिले के सबसे अधिक मतदाता हैं। तभी तो कहा जाता रहा है कि श्रीनगर जिले की 8 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले मतदाताओं का भविष्य इन्हीं विस्थापितों के हाथों में होता है जिन्हें हर बार उन विधानसभा तथा लोकसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करना पड़ा है जहां अब लौटने की कोई उम्मीद उन्हें नहीं है। और अब एक बार फिर उन्हें इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों से खड़े होने जा रहे उम्मीदवारों को जम्मू या फिर देश के अन्य भागों में बैठ कर चुनना है।

चुनाव आयोग ने कश्मीरी प्रवासियों को निर्दिष्ट और अधिसूचित निर्वाचक के रूप में वर्गीकृत करते हुए दो अधिसूचनाएं जारी की हैं। पहली अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 25 के साथ पढ़े गए संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत आयोग में निहित शक्तियों के तहत जारी की गई है, जो कश्मीर घाटी के प्रवासी मतदाताओं को निर्दिष्ट करती है जो किसी भी विधानसभा क्षेत्र में नामांकित हैं। इसमें कहा गया है कि अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रहने वाले, (उन लोगों के अलावा जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 के खंड (सी) के तहत डाक मतपत्र का विकल्प चुनते हैं) के वर्ग के रूप में वे व्यक्ति जिनके लिए 2024 में होने वाले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के विधानसभा चुनाव के दौरान ऊपर उल्लिखित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की क्षेत्रीय सीमाओं के बाहर विशेष मतदान केंद्र प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह अन्य अधिसूचना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60 (सी) के तहत जारी की गई है, जिसमें विधानसभा क्षेत्रों में नामांकित कश्मीर घाटी के उपरोक्त प्रवासी मतदाताओं को सूचित किया गया है। जो अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर रह रहे हैं, (उन लोगों के अलावा जो विशेष मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करने का विकल्प चुनते हैं), डाक मतपत्रों द्वारा अपना वोट देने वाले व्यक्तियों के वर्ग के रूप में।

लोगों से मिलने एवं उनके सुझाव से हो पाता है समस्याओं का समाधान : भजनलाल

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं को भी प्रमुख बताते हुए कहा है कि लोगों से मिलने, उनसे फीड बैक एवं सुझाव लेने से उनकी समस्याओं का समाधान हो पाता है और तब व्यक्ति के मन में प्रसन्नता का भाव आता है।

श्री शर्मा रविवार सुबह जोधपुर जाते समय जयपुर-जोधपुर इंटरसिटी सुपरफास्ट ट्रेन में लोगों से मिलने के बाद मीडिया से यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह जहां भी जाते हैं लोगों से मिलते हैं उनसे समस्याओं के बारे में पूछते हैं और उनसे फीड बैक लेते हैं। इसी तरह आज ट्रेन में भी महिलाओं, बालिकाओं सहित कई लोगों से मिले और इससे जो जमीनी स्थिति होती है वह मिलती है और समस्या के समाधान की और हम बढते हैं।

उन्होंने कहा कि लोगों के सुझाव भी आते हैं उनको भी हमने सुना है और छोटी- छोटी समस्या की तरफ भी देखना चाहिए, देखते भी है और समाधान भी होता है। जब समाधान होता है तो व्यक्ति के मन में प्रसन्नता का भाव आता है। उन्होंने कहा कि समस्या के बताने से उसका समाधान निकलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के सुझाव आते है, वे वास्तविकता के होते है और उनकी छोटी-छोटी समस्या हमारे लिए छोटी हो सकती है लेकिन आमजन के लिए वह प्रमुख होती है। श्री शर्मा ने कहा कि आज उन्होंने सभी से बात की है। इस दौरान रेलवे, रेलवे स्टेशन के बारे में सहित आमजन की कई समस्याएं उनके सामने आई और उन्होंने कई समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर ही समाधान भी किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोधपुर दौरे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी ने प्रदेश में हमारी सरकार के बनने के पिछले आठ महीनों में कई सौगाते दी हैं। उन्होंने कहा कि और भी विषय हैं जिन्हें आगे बढाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी से मिलकर ऊर्जा मिलती है और विकसित राजस्थान कल्पना के आधार पर समाधान की बात होती है।

गोयल को इस्तीफा देकर सीबीआई पूछताछ का सामना करना चाहिए

कोलकाता, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गत नौ अगस्त को एक महिला डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के मामलें में न्याय की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे कोलकाता के डॉक्टरों ने रविवार को शहर के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के इस्तीफे और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनसे पूछताछ करने की मांग की। कनिष्ठ चिकित्सकों के काम बंद करने के 17वें दिन पुलिस प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इन्होंने अपने मारे गए सहकर्मी के लिए न्याय और कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग को लेकर आउटडोर रोगी विभाग (ओपीडी) में जाने से इनकार कर दिया है। आंदोलनकारी चिकित्सकों ने घोषणा की कि पूरे पश्चिम बंगाल में सरकारी संस्थानों में ओपीडी में उनका काम बंद तब तक रहेगा जब तक जांच में साफतौर से प्रगति नहीं दिखाई देती।

नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करने की जरूरत: शा

नयी दिल्ली/रायपुर, 25 अगस्त (वार्ता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रही है और पूरे नशीले पदार्थों के नेटवर्क को ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर दृष्टिकोण के साथ खत्म करने की जरूरत है।

श्री शाह ने कहा कि अवैध नशीली दवाओं के व्यापार से कमाया गया पैसा आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को बढ़ावा देता है और देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है और नशीली दवाएं न केवल देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करती हैं बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को भी कमजोर करती हैं।

गृह मंत्री रायपुर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल यूनिट कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में नारकोटिक्स परिदृश्य पर एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि 2047 तक नशा मुक्त भारत का सरकार का संकल्प, आज देश के प्रत्येक नागरिक का संकल्प बन रहा है। श्री शाह ने कहा, जब तक हम पूरे नेटवर्क पर हमला नहीं करेंगे, हम नशा मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएंगे जो एक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

यूपी की जेलों, पुलिस लाइनों और थानों में मनेगी जन्माष्टमी: योगी

सुरक्षा के सख्त इंतजाम, उत्पातियों पर कड़ी नजर

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

जन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ-साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइंस ,पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने प्रदेश भर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के प्रबंध करने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम योगी के निर्देशों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूम-धाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मथुरा नगर स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि/शाही ईदगाह मस्जिद स्थल अत्यन्त संवेदनशील है। यह स्थल आईएसआई व विभिन्न आतंकवादी संगठनों के निशाने पर भी है। इसको देखते हुए भी विशेष सतर्कता एवं समुचित पुलिस प्रबंध किए जाएं।

इसके साथ ही सीएम योगी ने पूजा अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसको लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग में विवाद एवं नए मार्गों को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही, परंपरा से हटकर कार्यक्रमों के आयोजन तथा गैरपरंपरागत जुलूस/शोभायात्रा निकाले जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग का भी उपयोग किया जाता है। वहीं, दूसरे संप्रदाय के धार्मिक स्थलों में पूजा अर्चना के दौरान उनके करीब से शोभायात्राओं के गुजरते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, शोभायात्राओं/कार्यक्रमों के समय आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी/नारेबाजी आदि को लेकर पूर्व में कई स्थानों पर विवाद की स्थिति सामने आई है। ऐसी स्थिति कहीं भी न बने, इसके लिए संवेदनशीलता के साथ सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा को देखते हुए वीडियोग्राफी कराई जाए। सभी कार्यक्रम स्थलों के आसपास तथा शोभायात्रा के मार्ग पर स्थित सीसीटीवी कैमरों को कियाशील कराया जाए। महत्वपूर्ण संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरा से भी चेकिंग कराई जाए।

सीएम योगी ने निर्देश दिए कि समस्त जनपदों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित समस्त आयोजन, लीला स्थल, पंडाल, मंदिर एवं शोभायात्राओं को सूचीबद्ध कर योजनाबद्ध पुलिस की व्यवस्था की जाए। साथ ही समस्त आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आंकलन करते हुए सुदृढ़ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति कदापि न दी जाए। असामाजिक, साम्प्रदायिक तत्वों की सूची को अपडेट करें और आवश्यकता पड़ने पर इन साम्प्रदायिक एवं अवांछनीय तत्वों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जनपदों की पुलिस लाइन तथा इस्कान मंदिरों में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जहां काफी अधिक संख्या में श्रद्धालु, महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग सम्मिलित होते हैं। इन कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपदीय प्रभारी द्वारा प्रभावी सुरक्षा और यातायात प्रबंधन किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत वर्षों में या इस वर्ष अभी तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व से संबंधित जिन-जिन स्थानों पर किसी प्रकार का विवाद सामने आया हो, वहां पुलिस एवं राजस्व विभाग के गजटेड अधिकारियों द्वारा अभी से स्थिति का अध्ययन कर लिया जाए एवं विवाद को सुलझाने तथा संवेदनशीलता को दूर करने के लिए कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सीएम योगी ने कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अपनी बीट में जाकर सभी प्रकार के विवाद की जांच करें और बीट सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर विवाद को समय रहते हल कराएं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी द्वारा आवश्यकतानुसार विभिन्न विवाद के स्थलों, मार्गों का भ्रमण भी कर लिया जाए।

सीएम ने निर्देश दिया कि समस्त जनपदों में गश्त चेकिंग के लिए पुलिस पार्टी नियमित रूप से निकाली जाए।

प्रातः गश्त चेकिंग पार्टी (पोस्टर पार्टी) द्वारा सघन रूप से चेकिंग करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक पोस्टर न लगा हो। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा भी इस त्यौहार को शालीनता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की परंपरा रही है। समस्त सुरक्षा व्यवस्था के अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करें कि यह पवित्र त्योहार परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास व शालीनता के साथ मनाया जाए। इस अवसर पर किसी भी प्रकार का अशोभनीय नृत्य का कार्यकम न हो। संबंधित पुलिस आयुक्त, जनपद प्रभारी एवं सेनानायक पहले से ही इस संबंध में किए जाने वाले कार्यक्रमों का अवलोकन करें और प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का अशोभनीय एवं अश्लीलतापूर्ण संवाद अथवा नृत्य न होने पाए।

10 दिन में 4 रोजगार मेले के जरिए 30 हजार लोगों को मिलेगी नौकरी

लखनऊ, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन रोजगार के तहत रोजगार मेला का आयोजन कर रहे हैं।

अगस्त में अब तक तीन रोजगार मेला का आयोजन करने के बाद अब इसकी रफ्तार और तेज होने जा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार आगामी दस दिनों के अंदर चार अलग-अलग जनपदों में रोजगार मेला का आयोजन करके लगभग 30 हजार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने जा रही है। इसके तहत, 27 अगस्त को मैनपुरी, 28 अगस्त को अलीगढ़, एक सितंबर को मीरजापुर और 2 सितंबर को मुरादाबाद में रोजगार मेला का आयोजन प्रस्तावित है। इन रोजगार मेला के जरिए चारों ही जनपदों में 1-1 हजार नियुक्ति पत्र का वितरण भी किया जाएगा। रोजगार मेला और नियुक्ति पत्र वितरण के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रह सकते हैं। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने 17 अगस्त को अंबेडकरनगर, 18 अगस्त को अयोध्या और 22 अगस्त को मुजफ्फरनगर में रोजगार मेला का आयोजन किया था, जिसके माध्यम से 17 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए थे।

प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि रोजगार मेला के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप अन्य जनपदों में भी वृहद रोजगार मेला आयोजित करके युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के बाद रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रही है। इसी क्रम में मैनपुरी, अलीगढ़, मीरजापुर और मुरादाबाद में रोजगार मेला प्रस्तावित है। इसके माध्यम से लगभग 30 हजार रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे, जबकि 4 हजार (प्रत्येक जनपद में एक हजार) नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक जनपद में देश की 50 प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा ले रही हैं, जो युवाओं का साक्षात्कार लेंगी और उन्हें जॉब ऑफर करेंगी।

मैनपुरी के करहल में नरसिंह इंट कॉलेज में और अलीगढ़ के गुरुकुल पब्लिक स्कूल, सोमना रोड, खैर,में रोजगार मेला का आयोजन होगा। दोनों स्थानों पर रोजगार मेला सुबह 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। शेष दोनों जनपदों में वेन्यू का निर्धारण जल्द किया जाएगा।

योगी सरकार ने अगस्त में अब तक आयोजित रोजगार मेला के माध्यम से अयोध्या और अंबेडकरनगर में 12 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए थे तो वहीं मुजफ्फरनगर में भी करीब 5 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कुल मिलाकर 6 दिनों में आयोजित तीन रोजगार मेला के जरिए सरकार ने 17 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। इन रोजगार मेला में विभिन्न कंपनियों ने प्रतिभाग किया और नौजवानों को मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, कंस्ट्रक्शन और आईटी जैसे सेक्टर में जॉब ऑफर किए गए। योगी सरकार का लक्ष्य युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ-साथ निजी कंपनियों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का है, जिसके लिए सरकार की ओर से युवाओं के कौशल विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सरकार की योजना 2024 में इन रोजगार मेलों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को निजी कंपनियों में नियोजित करने की है। योगी सरकार के प्रयासों का ही असर है कि साढ़े सात वर्षों में साढ़े छह लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के अलावा संविदा के माध्यम से 3.75 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी से जोड़ा गया है। वहीं, दो करोड़ लोगों को निजी क्षेत्र/एमएसएमई के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए योगी सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 अगस्त को मुजफ्फरनगर में आयोजित रोजगार मेला में कहा था कि प्रदेश सरकार अगले दो साल में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निकलने वाली सरकारी नौकरियों में यहां के युवाओं को बढ़चढ़ कर भाग लेना होगा। सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि इस समय प्रदेश में 60 हजार से ज्यादा पदों के लिए पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जबकि कई अन्य विभागों में नौकरियों के सृजन का प्रस्ताव है।

सीएम योगी ने ब्रजवासियों को दी रोप-वे की सौगात

अब 7 मिनट में बरसाना के राधा रानी मंदिर पहुंच जाएंगे श्रद्धालु

मथुरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ब्रजवासियों को रोप-वे की सौगात दी।

अब ब्रह्मांचल पर्वत पर विराजमान लाडली किशोरी राधा रानी के लिए भक्तों को 251 सीढ़ियां नहीं चढ़नी पड़ेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरसाना में 15.89 करोड़ रुपए की लागत से मथुरा- वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधीन पीपीपी मॉडल पर रोप-वे प्रोजेक्ट की शुरुआत की है।

योगी सरकार ब्रज में लगातार पर्यटन सुविधाओं में इजाफा कर रही है। इसी कड़ी में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने बरसाना आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को रोप-वे सेवा की सौगात दी।

ब्रज की महारानी श्री राधा रानी की नगरी बरसाना के ब्रह्मांचल पर्वत पर लाडली जी मंदिर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 251 सीढ़ियों को चढ़कर जाना पड़ता था, लेकिन अब रोप-वे से राधा रानी के मंदिर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को आसानी होगी। बरसाने में बने 210 मीटर लंबे इस रोपवे में 12 ट्रॉली संचालित होंगी। प्रत्येक ट्रॉली में छह लोग बैठ सकेंगे। जमीनी तल से रोपवे की ऊंचाई 30 मीटर है। पांच से सात मिनट में भक्त नीचे से ब्रह्मांचल पर्वत पर विराजमान श्रीजी के मंदिर पहुंच जाएंगे। करीब एक घंटे में 72 श्रद्धालु श्री राधा रानी के दर्शन करने जा सकेंगे। रोप-वे के लिए दो स्टेशन का निर्माण किया गया है। अपर व लोअर स्टेशन पर टिकट काउंटर बनाए गए हैं।

बरसाना रोपवे प्रोजेक्ट में मथुरा- वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधीन पीपीपी मॉडल पर शुरू किया गया है। इसमें 15.89 करोड़ रुपए की लागत आई है। यहां पर्यटकों के लिए टॉयलेट ब्लॉक, कैंटीन, वेटिंग हॉल आदि का निर्माण किया गया है। रोप-वे में प्रति यात्री आने-जाने के लिए सौ रुपए खर्च करने होंगे। अगर कोई यात्री केवल एक तरफ के लिए ही रोप-वे का इस्तेमाल करता है तो उसे 60 रुपए देने होंगे। पांच वर्ष से अधिक आयु के बच्चे के लिए भी टिकट खरीदना होगा।

फिलीस्तीन पर बोलने वाले बांग्लादेश पर मौन: योगी

सीएम योगी ने मथुरा में 5251वें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का शुभारंभ किया

मथुरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

जो लोग दुनिया के अंदर हर मुद्दों पर मुखर होते हैं, उनके सबके मुंह बांग्लादेश की घटना पर बंद हैं, क्योंकि क्योंकि उन्हें वोट बैंक खिसकने का भय है। पैरों के नीचे की जमीन की चिंता है। उन्हें अंगारे जलाते दिखेंगे। इन लोगों को फिलीस्तीन दिखता है, लेकिन बांग्लादेश नहीं, क्योंकि वहां मंदिर तोड़े जा रहे हैं और हिंदुओं को मारा जा रहा है। संतों पर अत्याचार हो रहा है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। मुख्यमंत्री ने रविवार को 5251वें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने ब्रज के विकास के लिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर 1037 करोड़ की 178 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास भी किया। सीएम ने फिल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी के भजन एल्बम तथा उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संकलित मीरा ग्रंथ का विमोचन भी किया। सीएम ने बटन दबाकर बरसाना के राधा रानी मंदिर के रोपवे, यमुना में पीपीपी मोड पर क्रूज, पांचजन्य प्रेक्षागृह का शुभारंभ किया। सीएम ने नंदोत्सव व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामना दी।

सीएम ने कहा कि हमें वर्तमान की चुनौतियों को समझना पड़ेगा। जो चुनौती सनातन धर्म के सामने है, वही भारत की चुनौती है। जो भारत की चुनौती है, वही सनातन धर्म की है। दोनों एक-दूसरे से खुद को अलग नहीं कर सकते। सीएम ने पूज्य संतों का आह्वान किया कि समाज को एकजुट करने के साथ जुटना होगा। यदि हमने भूल की, समाज फिर से बंटा और जो साजिशें हो रही हैं, वह सफल हुईं तो हालात खराब होंगे। बांग्लादेश के अंदर हिंदुओं पर यातनाएं हो रही हैं। मठ-मंदिर तोड़े जा रहे हैं। शास्त्र, दर्शन, साधना पद्धति तभी सुरक्षित हो पाएगी, जब सनातन धर्म, देश व हिंदू समाज सुरक्षित होगा। हमें एक-एक को जोड़ना पड़ेगा और उन विभाजनकारी ताकतों को बेनकाब करना होगा, जो अपना उल्लू सीधा करने के लिए वादों के आधार पर समाज को बांटना चाहती हैं।

सीएम ने कहा कि ऐसे लोगों के लिए राष्ट्र की कीमत पर राजनीति अभिष्ट हो गई, लेकिन हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र की कीमत पर राजनीति नहीं होगी। हम पहले राष्ट्र को चुनेंगे और उसके लिए हर बलिदान को तैयार रहेंगे। सीएम ने कहा कि 1947 के पहले बांग्लादेश भी भारत का हिस्सा था। 1971 में बांग्लादेश को बचाने में हमारे हजारों सैनिकों ने बलिदान दिया था। पाकिस्तान के 95 हजार सैनिकों को भारत के बहादुर जवानों के सामने समर्पण करना पड़ा था। विश्व के इतिहास में किसी भी सेना की यह सबसे बड़ी विजय थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरी दुनिया के लोगों में इस भूमि के प्रति अथाह आकर्षण है। जो समृद्ध थाती आपके पास है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उसी विकास व विरासत की बात करते हैं। हम भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मदिवस मनाने जा रहे हैं। दुनिया में कोई ऐसा देश, मत-मजहब, संप्रदाय नहीं ऐसा है जो कह सकता है कि उसकी उत्पत्ति इतनी पुरानी है। किसी का इतिहास 1400, 2000, 2700, 3000 वर्ष का होगा। इससे पुराना कोई मत, मजहब-संप्रदाय नहीं है।

उससे पहले क्या था, कुछ भी पता नहीं, इसलिए हम कहते हैं कि धरती का एक ही धर्म सनातन धर्म है। द्वापर के तत्काल बाद कलियुग आ गया। द्वापर के अंत में लंबे समय तक प्रभु की लीला का अहसास प्राप्त हुआ था। अब कलियुग में इतने वर्ष आगे बढ़ चुके हैं। उससे पहले त्रेता व सतयुग रहा होगा यानी हमारे पास लंबी विरासत है। इसे पूज्य संतों व इनकी विरासत ने संभालकर रखा है।

आज भी धार्मिक आयोजनों के माध्यम से विरासत, कथा, भोजपत्रों, पांडुलिपियों, गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से संरक्षण का कार्य किया है।

सीएम ने कहा कि सात वर्ष पहले यूपी की चर्चा गुंडागर्दी, दंगे-अराजकता, जवाहरबाग के कारण होती थी, आज यूपी की चर्चा रंगोत्सव, जन्मोत्सव, जन्माष्टमी से होती है। अब यूपी की चर्चा अयोध्या में पांच सदी के इंतजार को समाप्त कर रामलला के विराजमान और काशी के कायाकल्प, वैष्णो कुंभ, प्रयागराज कुंभ, तीर्थ धाम और विकास को लेकर चर्चा होती है। अब उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। जिस यूपी को पहले विकास का बैरियर माना जाता था, उसे आज विकास व विरासत के बेहतरीन समन्वय से भारत के ग्रोथ इंजन में तेजी से योगदान देने के रूप में माना जाता है।

सीएम ने हेमामालिनी को तीसरी बार जिताने के लिए ब्रजवासियों के प्रति आभार जताया। उनके भीतर कला व विकास के प्रति समर्पण का भाव है। जब हेमामालिनी पहली बार सांसद बनी तो संसद में पहला मुद्दा उठाते हुए कहा था कि क्या यमुना मैया को शुद्ध होने का अधिकार नहीं है। उन्होंने 84 कोसी परिक्रमा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ब्रज क्षेत्र के भौतिक व आध्यात्मिक उन्नयन में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। विकास की योजनाओं को लेकर वे न सिर्फ लखनऊ व दिल्ली आती हैं, बल्कि फोन करके भी यहां के विकास की चिंता करती हैं। सीएम ने जनप्रतिनिधियों व ब्रज तीर्थ विकास परिषद की भी सराहना की।

सीएम ने कहा कि ब्रज की पहचान आस्था, विश्वास, कला, संस्कृति, प्रेम से होती है। आज के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में एक-एक चीज विरासत के साथ जुड़कर दिख रही है। कहा कि पांचजन्य प्रेक्षागृह में एक हजार दर्शक एक साथ आ जाएंगे। शहीद लक्ष्मण स्मारक भवन भारत की विरासत, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने का मंच है। कुसुम सरोवर के पुनरोद्धार कर लाउट-साउंड से जोड़ने का कार्य हो रहा है। रोपवे का कार्य राधा रानी मंदिर बरसाना में शुरू हुआ है।

गोवर्धन की तहसील भवन का लोकार्पण हो रहा है। हम लोग 45 करोड़ रुपये से वासुदेव वाटिका का निर्माण करने जा रहे हैं। बरसाना में पर्यटन सुविधा केंद्र स्वीकृत हुआ है।

इस अवसर पर योगी सरकार के मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, जयवीर सिंह, संदीप सिंह, फिल्म अभिनेत्री व मथुरा की सांसद हेमामालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, योगेश चौधरी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

सर्वोच्च अदालत के भरोसे

भारत का लोकतंत्र सर्वोच्च अदालत के भरोसे है। वह ही आम आदमी को, अंततः, इंसाफ देती है। यदि सर्वोच्च अदालत न होती, तो देश का आम आदमी कराहते, चिल्लाते, इधर-उधर धक्के खाते हुए जीवन के अंत तक पहुंच सकता था! भारत में भी 'जंगल-राज' का माहौल होता! आज सर्वोच्च अदालत है, तो आम आदमी की उस तक पहुंच बेहद पेचीदा और महंगी है। जिनका शीर्ष अदालत स्वतः संज्ञान लेती है और फिर पीड़ित पक्ष की लड़ाई लड़ते हुए उसे न्याय देने की कोशिश करती है। लोकतंत्र की जिम्मेदारी और जवाबदेही न्यायपालिका की ही नहीं है। उसके लिए विधायिका की बुनियादी जिम्मेदारी है, लेकिन विधायक हो अथवा सांसद हो, उन्हें इस जिम्मेदारी का एहसास तक नहीं है। बस, उन्हें ईवीएम का बटन दबाने के लिए ही जनता की दरकार है, लिहाजा वे पांच साल के कार्यकाल के बाद, कुछ दिनों के लिए, जनता की मनुहार और गुहार करते हैं। उसके बाद जनता की मदद का संदर्भ आता है, तो वे गायब हो जाते हैं। जनता के एक-एक वोट से ही विधायक और सांसद चुने जाते हैं। हमें लगता है कि बस, जनता का दायित्व वोट तक सिमट कर रह गया है। अब औसत मतदाता, अर्थात देश का नागरिक, 'ह्यूमन वोटिंग मशीन' बनकर रह गया है। अदालतों को जनता के वोट नहीं चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों के भीतर आम आदमी, न्याय और सामाजिक-विधिक व्यवस्था अब भी जिंदा हैं। वे देश को 'केला गणतंत्र' बनने से बचाना चाहते हैं। वे लोकतंत्र के प्रहरी हैं। वे अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों, हत्यारों और माफिया आदि को कानून के अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने और दंडित करने के पक्षधर हैं। कोलकाता अस्पताल रेप-मर्डर कांड को ही लें। सर्वोच्च अदालत देश भर के डॉक्टरों की लड़ाई लड़ रही है, लिहाजा उसकी आग्रहपूर्ण अपील पर डॉक्टरों और उनके संगठनों ने हड़ताल खत्म कर दी है। अदालत का यह आग्रह मानवीय सरोकार वाला था, क्योंकि असंख्य मरीज इलाज के अभाव में तड़प रहे थे। कुछ भी अनहोनी हो सकती थी। शायद कोई त्रासदी हुई भी हो! डॉक्टरों को भी, अंततः, मानवीय दायित्व का एहसास हुआ। इस केस का सर्वोच्च अदालत ने स्वतः संज्ञान लिया है। न्यायिक पीठ कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल की युवा ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और निर्मम हत्या की सुनवाई तो कर रही है। बंगाल की सरकार और पुलिस की नालायकी, लापरवाही, अराजकता, सांठगांठ के मद्देनजर उन्हें जवाबदेही पर टांग भी दिया है। इसके साथ-साथ अस्पतालों की चाक-चौबंद सुरक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को आदेश दिए हैं। वह राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों से संवाद कर अकाट्य सुरक्षा-तंत्र लागू करेंगे। कोलकाता के दागदार अस्पताल में सीआईएसएफ के जवान तैनात हो चुके हैं। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने डॉक्टरों की 36 और 48 घंटे की निरंतर ड्यूटी को 'अमानवीय' करार दिया है। जाहिर है कि शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप से यह व्यवस्था भी बदलेगी। यदि एक शिक्षित और पेशेवर व्यक्ति की नियति यही है, तो वह शिक्षा और हुनर बेमानी हैं। सर्वोच्च अदालत ने करीब 24 लाख छात्रों की नीट परीक्षा के संदर्भ में भी कमाल का फैसला दिया। शाहबानो से तीन तलाक और मौजूदा यौन दरिंदगी के मामलों तक सर्वोच्च अदालत ने ही आम आदमी और समाज को बचाया है। जन-प्रतिनिधियों की संसद ने या तो शीर्ष अदालत और संविधान पीठ के फैसले पलटे हैं अथवा सदनों में शोर मचाया है। क्या जन-प्रतिनिधि आम आदमी को इसी तरह बचाएंगे और अपने मतदाता की रक्षा करेंगे। कोलकाता रेप-मर्डर केस में राजनीति दोफाड़ हुई है और उंगलियां तोड़ देने तक की हुंकार भरी गई है।

> भारत में भी 'जंगल-राज' का माहौल होता! आज सर्वोच्च अदालत है, तो आम आदमी की उस तक पहुंच बेहद पेचीदा और महंगी है। जिनका शीर्ष अदालत स्वत: संज्ञान लेती है और फिर पीड़ित पक्ष की लड़ाई लड़ते हुए उसे न्याय देने की कोशिश करती है। लोकतंत्र की जिम्मेदारी और जवाबदेही न्यायपालिका की ही नहीं है। उसके लिए विधायिका की बुनियादी जिम्मेदारी है, लेकिन विधायक हो अथवा सांसद हो, उन्हें इस जिम्मेदारी का एहसास तक नहीं है। बस, उन्हें ईवीएम का बटन दबाने के लिए ही जनता की दरकार है, लिहाजा वे पांच साल के कार्यकाल के बाद, कुछ दिनों के लिए, जनता की मनुहार और गुहार करते हैं। उसके बाद जनता की मदद का संदर्भ आता है, तो वे गायब हो जाते हैं। जनता के एक-एक वोट से ही विधायक और सांसद चुने जाते हैं। हमें लगता है कि बस, जनता का दायित्व वोट तक सिमट कर रह गया है। अब औसत मतदाता, अर्थात देश का नागरिक, 'ह्यूमन वोटिंग मशीन' बनकर रह गया है। अदालतों को जनता के वोट नहीं चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों के भीतर आम आदमी, न्याय और सामाजिक-विधिक व्यवस्था अब भी जिंदा हैं।

ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए

ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

> अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं।

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में

लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के लिए करीब नब्बे फीसदी उपकरण आयात किए गए, जिस कारण बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। देश में साढ़े तीन लाख मेगावॉट से भी अधिक बिजली का उत्पादन किया जा रहा है लेकिन यह हमारी कुल मांग से करीब ढ़ाई फीसदी कम है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 20वीं ऊर्जा सांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 3.54 प्रतिशत बढ़ गई। वर्ष 2005-06 से 2018-19 के दौरान प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग में करीब दो गुना वृद्धि दर्ज की गई। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1150 किलोवाट से भी अधिक बिजली का उपभोग किया जाता है। इसका एक अहम कारण देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या भी है। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का करीब 58 फीसदी उपभोग किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र तथा घरेलू कार्यों में भी ऊर्जा की मांग और खपत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उत्सर्जन 4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यामान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन का उपयोग किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्वभर में करीब 40 फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में 60 फीसदी से अधिक बिजली कोयले से, 16 फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, 14 फीसदी पानी से और 8 फीसदी गैस से पैदा होती है। सार्वजनिक क्षेत्र के सवा सौ से भी अधिक थर्मल पावर स्टेशनों में प्रतिदिन 18 लाख टन से अधिक कोयले की खपत होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में 77 फीसदी कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। इन्हीं पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए बिजली पैदा करने के लिए अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। वास्तव में आज समय है आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ने का लेकिन साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी।

दृष्टि कोण

जाति जनगणना की जरूरत क्यों?

हाल के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया था। अन्य कारकों के अलावा इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया था। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालांकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गांधी ने केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई थी। उन्होंने 'हलवा' का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग के लोग हैं। जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी की हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। मौजूदा सत्ता जिस विचारधारा की है, वह सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी, मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है। भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवा पाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास ज्योतिबा फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूंकि दलितों को पढने-लिखने नहीं दिया जाता था, इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाए रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है, अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किए गए थे। अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी, जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है, उनकी सबसे बड़ी पीडक है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना, जो मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीरे-धीरे समाज पर पडने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित विरोधी हिंसा भडक गयी। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैं, 'शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया।' सन1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित विरोधी हिंसा हुई।

कुछ अलग

नेता खड़ा बाजार में!

वैसे तो नेता कहीं भी खड़ा हो सकता है। दारू की दुकान के बाहर भी खड़ा हो सकता है और वहीं अपने मित्रों से भी गुफ्तगू कर सकता है। नेता इलेक्शन में भी खड़ा हो सकता है। नेता कोर्ट में भी खड़ा हो सकता है और माननीय जज साहब के सामने अपनी बेगुनाही के सबूत देने में अपनी जी जान लगा सकता है। नेता हाईकमान के सामने भी झुक कर खड़ा हो सकता है और झुकते हुए ही पैसों से भरा ब्रीफकेस हाईकमान के चरणों में रख सकता है। नेता किसी भी आंदोलन में सबसे आगे खड़ा होकर भाषण झाड़ सकता है। नेता सत्ता में आने के बाद पब्लिक के सवालों से बचने के लिए घंटों बाथरूम में भी खड़ा हो सकता है। खड़े-खड़े नहा भी सकता है। खड़े-खड़े मीटिंग भी अटेंड कर सकता है। बाथरूम में खड़े-खड़े ही मोबाइल कान पर लगाकर कानून व्यवस्था का जायजा भी ले सकता है। बाढ़ पीड़ितों की आंखें सुन सकता है। वहीं से सांत्वना व्यक्त कर सकता है। दो-चार बाढ़ में बहे लोग बचा लिए गए हों, तो वहीं से ही बधाई संदेश दे सकता है। लेकिन अगर नेता बाजार में आकर खड़ा हो जाए तो बात ही कुछ और होती है। जैसे मदारी को देखने के लिए भीड़ इक_ी हो जाती है, वैसे बाजार में खड़ा नेता आकर्षण का केंद्र बन जाता है। बाजार चाहे कैसा भी हो, नेताजी की उपस्थिति मूल्यवान हो जाती है। अगर बाजार में सामाजिक मान-मर्यादाओं की नीलामी लग रही हो और नेताजी वहां मौजूद हों, तो मर्यादाओं को चार चांद लग जाते हैं। अगर बाजार में आदर्शों की होली जलाई जा रही हो और नेताजी वहां खड़े हों, तो आदर्शों की महिमा अपरंपार हो जाती है। अगर बाजार में सिद्धांत और मूल्य ताक पर रखे जा रहे हों, और नेताजी वहां मौजूद हों तो लोकतंत्र झूमने लगता है। नेताजी बाढ़ पीड़ित इलाके में हों तो बाढ़ पीड़ितों के दर्द की बजाय नेताजी का दौरा कैमरे के फोकस में आ जाता है। नेताजी हवाई सर्वेक्षण कर रहे हों तो धरती पर उनके फोटो प्रकाशित होने लगते हैं और नेताजी को राजभाट मीडिया जनता का मसीहा करार देने लगता है। लेकिन नेताजी अब बाजार में हैं। अपने कीमती समय से समय निकाल कर बाजार में आए हैं। बाजार में उनकी कोई बोली नहीं लगनी है। कोई खरीददार उनकी बोली लगाने को तैयार नहीं है। इसके बावजूद नेताजी बाजार में खड़े हैं। पूरे लाव लश्कर के साथ खड़े हैं। कैमरे उनके चेहरे पर फोकस हैं। पब्लिक हैरान होकर उनके इस अवतार को देख रही है। पब्लिक ने अभी तक इलेक्शन बीत जाने के बाद नेताजी को गायब होते देखा है। लेकिन पहली बार नेताजी बाजार में खड़े हैं और पब्लिक को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा। कुछ लोगों को नेताजी साक्षात देवदूत लग रहे हैं। क्योंकि वोटो का मौसम नहीं है, इसके बावजूद नेताजी बाजार में खड़े हैं। लोग आश्चर्यचकित होकर आंखों ही आंखों में एक-दूसरे से सवाल कर रहे हैं कि कहीं सतयुग तो नहीं आ गया। कई बार युग बदलने की लोगों को भनक नहीं लगती। गूगल इसके बारे में कोई पूर्ण जानकारी नहीं देता। पब्लिक गफलत में रह जाती है। पब्लिक के मन में यह धारणा होती है कि नेताजी इलेक्शन जीतने के बाद उसी तरह गायब हो जाते हैं जैसे गधे के सिर से सींग। लेकिन यहां तो साक्षात सींग भी दिख रहे हैं और नेता भी दिख रहा है। यही अचरज का विषय हो गया है। नेताजी बाजार में आए हैं तो निश्चित रूप से दालों के भाव पूछेंगे। सब्जियों के भाव पूछेंगे। जब सब चीजों के भाव पूछेंगे तो नेताजी इमोशनल हो जाएंगे। प्याज के दाम पूछ कर उनकी आंखों में आंसू आ जाएंगे। टमाटर के दाम पूछ कर उनकी सिट्टी-पिटी गुम हो जाएगी। अदरक की कीमत जानकार होश फाख्ता हो जाएंगे।

देश दुनिया से

निर्मम ममता और गर्तगामी समाज

> दुर्भाग्य की बात यह है कि जिनके ऊपर न्यायिक प्रक्रिया में मददगार होने की प्रशासनिक जिम्मेदारी है, वही प्रशासन अपराधियों का संरक्षण करता दीखता है। स्वयं मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी का व्यवहार कितना ओछा और हैरान करने वाला है, जब वह प्रशासनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाय स्वयं यात्रा निकाल कर घटना का विरोध करने निकल पड़ती हैं। यह समझ नहीं आता कि वह किसका विरोध कर रही हैं और किससे सजा दिलाने की मांग कर रही हैं। यह तो राज्य सरकार का ही कार्य है और वही राज्य की मुखिया हैं। शक के दायरे में कॉलेज के प्रिंसिपल का व्यवहार भी है। उसे बचाने के प्रयास क्यों किए जा रहे है।

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर की जघन्य हत्या की गुत्थी उलझती जा रही है। पूरा देश हतप्रभ है कि यह हो क्या रहा है। जिस तरह की संभावनाएं सीबीआई जांच में उभर कर आ रही हैं, वे सोच से परे की गिरावट का परिदृश्य पैदा करने वाली हैं। एक चिकित्सा संस्थान कैसे यौन अपराध का रैकेट चालक, ड्रग तस्करी में लिप्त और अवैध अंग तस्करी जैसी जघन्य गतिविधियों का ठिकाना हो सकता है? उस अपराध की शिकार महिला से बलात्कार के पीछे के कारणों में यदि अंग तस्करी और ड्रग तस्करी जैसी आपराधिक गतिविधियां भी जुड़ी हों तो यह मामला अति गंभीर श्रेणी का हो जाता है, जिस पर से पर्दा उठना अत्यावश्यक हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिनके ऊपर न्यायिक प्रक्रिया में मददगार होने की प्रशासनिक जिम्मेदारी है, वही प्रशासन अपराधियों का संरक्षण करता दीखता है। स्वयं मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी का व्यवहार कितना ओछा और हैरान करने वाला है, जब वह प्रशासनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के बजाय स्वयं यात्रा निकाल कर घटना का विरोध करने निकल पड़ती हैं। यह समझ नहीं आता कि वह किसका विरोध कर रही हैं और किससे सजा दिलाने की मांग कर रही हैं। यह तो राज्य सरकार का ही कार्य है और वही राज्य की मुखिया हैं। शक के दायरे में कॉलेज के प्रिंसिपल का व्यवहार भी है। उसे बचाने के प्रयास क्यों किए जा रहे है। जिसे हत्या की सूचना पुलिस को समय पर न देने का जिम्मेदार ठहरा कर निलंबित किया जाना चाहिए था, उसे दूसरे कॉलेज का प्रिंसिपल बना कर पुरस्कृत करने या संरक्षित करने का कार्य हैरान करने वाला है। हत्या के प्रकट मामले को आत्महत्या क्यों दिखाने के प्रयास हुए हैं? इसमें पुलिस प्रशासन की भूमिका क्यों संदिग्ध बनी हुई है? प्रथम दृष्टया हत्या दिखने वाले मामले को पुलिस आत्महत्या दिखाने का प्रयास करे तो यह बहुत गंभीर मामला बनता है। पूरे केस की जांच करके सच्चाई को न्यायालय के सामने अपराधी को दंडित करने के लिए पेश करना, असल जिम्मेदारी पुलिस की ही है। आरंभिक जांच में ऐसी कोताही बरतना अक्षम्य है। जांच के लिए घटनास्थल पर सबूतों को इकट्ठा करना, सबूतों को संरक्षित करना पुलिस की ही जिम्मेदारी है। इसमें पुलिस सोई हुई क्यों लगती है? क्यों घटना स्थल को खुला छोड़ कर साक्ष्यों को नष्ट करने का मौका अपराधी तत्वों को दिया गया। जांच कार्य के बीच में ही घटना स्थल के साथ निर्माण कार्य के लिए तोडफ़ोड़ करने के पीछे क्या मंशा है? ऐसे कई संदेह पैदा करने वाले तथ्य खबरों से निकल कर आ रहे हैं। वैसे ममता बैनर्जी के कार्यकाल में अराजकता के अनेक मामले पहले भी उभरते रहे हैं। संदेश खाली की घटना तो अभी ताजा ही है। चुनावों के बाद की हिंसा में विरोधियों को प्रताड़ित करने की छूट और उस पर राजनेताओं और प्रशासन की चुप्पी, पंचायत चुनावों के बाद हुई खुली हिंसा पश्चिमी बंगाल में प्रशासन की निष्पक्षता को संदिग्ध बनाते हैं। जहां विरोधी दलों के समर्थकों के साथ हिंसक प्रतिकार की छूट प्रशासन द्वारा दी जाती है। यहां तक कि गवर्नर और राज्य का उच्च न्यायालय भी इस पर टिप्पणियां करते रहे हैं। कानून व्यवस्था के मामलों में इस तरह का भेदभाव व्यवस्था को कमजोर करता है और आपराधिक भूमिका वाले लोगों के हौसले बढ़ाता है। किसी भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था को इससे बचना चाहिए। प्रजातंत्र का मूल तो कानून का शासन है, जिसमें भेदभाव की कोई गुंजाइश नहीं हो सकती। शायद बंगाल वामपंथी शासन के समय की इलाका दखल संस्कृति से अभी उबर नहीं पाया है, या ममता बनर्जी ने भी उसी कार्य प्रणाली को अपना लिया है ताकि विरोध के स्वरों को उठने ही न दिया जाए। यह एक दलीय शासन की स्थापना की इच्छा का द्योतक है। विरोधी पक्ष भी ऐसी स्थितियों में राजनीतिक लाभ के चक्कर में पडने लग जाता है। एक ऐसी अस्वस्थ बहस होने लग जाती है कि आपके शासित राज्य में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सच में ऐसा हो भी रहा है। अभी देहरादून में एक मानसिक रूप से कमजोर लडक़ी के साथ दुराचार का मामला सामने आया है। अपराधी पकड़े गए हैं, किन्तु मेरी गलती और तेरी गलती करके गलती माफ नहीं की जा सकती। असल बात यह है कि जहां भी ऐसी घटना हो, वहां अपनी प्रशासनिक और राजनीतिक जिम्मेदारी दलगत ओछी राजनीति से ऊपर उठ कर पूरी की जानी चाहिए। निर्भया मामले के बाद लगा था कि हालात सुधरेंगे, किन्तु नहीं। केवल कानून सख्त बना देने से काम होने वाला नहीं। कानून को लागू करने वाली मशीन भी गंभीर होनी चाहिए। और अंत में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि हमारे बच्चों को नैतिक तरबीयत जो घर से ही दी जा सकती है, उसका ध्यान रखा जाना चाहिए। कानून तो उल्लंघन करने वालों के लिए ही है। यदि आपराधिक सोच ही कम होती जाए, तो ऐसी घटनाएं होना ही कम हो जाएंगी।

आप का नजरिया

कमला की दावेदारी

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिये डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के विधिवत पार्टी प्रत्याशी घोषित होने के बाद आगामी पांच नवंबर को होने वाले चुनावी मुकाबले की स्थिति स्पष्ट हो गई है। अब चुनावी मैदान में कमला हैरिस की दमदार उपस्थिति से समीकरण बदल गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप, जो पिछले महीनों में अजेय बढ़त लेते दिख रहे थे, अब पहले जैसी स्थिति में नहीं हैं। खासकर एक जनसभा में उनकी कथित हत्या के प्रयास में बाल-बाल बचने के बाद उन्होंने जिस तरह निडरता से अपनी मुट्ठी तानकर अपनी सशक्त अभिव्यक्ति दी थी, उससे वे सहानुभूति के चलते बढ़त लेते नजर आ रहे थे। तब राष्ट्रपति जो बाइडेन का चुनाव अभियान लगातार पिछड़ता नजर आ रहा था, जिससे ट्रंप खासे उत्साहित थे। लेकिन अब चुनाव अभियान से जुड़ी स्थितियां पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से बदलती नजर आ रही हैं। दरअसल, सेहत के मुद्दे तथा शिथिल प्रदर्शन के चलते डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से बाइडेन पर राष्ट्रपति चुनाव के लिये दावेदारी वापस लेने का लगातार दबाव बढ़ता गया। कालांतर भारी दबाव के बाद बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये अपनी दावेदारी को वापस ले लिया। जिसके बाद भारतीय और जमैका के अप्रवासियों की बेटी कमला हैरिस के चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ। धीरे-धीरे चुनावी मुहिम में तेजी आई और डेमोक्रेट सही मायनों में पटरी पर लौटते नजर आए हैं। जिससे पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के लिये असहज स्थितियां बनने लगी। निस्संदेह, कुशल वक्ता के रूप में दमदार उपस्थिति से कमला हैरिस ने अमेरिकी जनमानस का ध्यान खींचा। इतना ही नहीं, उन्हें डेमोक्रेट पार्टी के दिग्गज नेताओं का भी खुला समर्थन मिला। जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन के दमदार भाषणों ने कमला हैरिस की दावेदारी को और सशक्त बनाया। कुल मिलाकर पार्टी के कमला को विधिवत प्रत्याशी घोषित करने वाले सम्मेलन के बाद चुनावी अभियान में उन्हें बढ़त मिलती दिख रही है। निस्संदेह, आने वाले दिनों में चुनावी मुकाबला कड़ा होता जाएगा। एक मुखर व बेबाक वक्ता के रूप में कमला हैरिस अमेरिकी जनमानस को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने जनमानस की आकांक्षाओं के अनुरूप संदेश देने का प्रयास किया है कि व्हाइट हाउस में एक 'अगंभीर आदमी' की वापसी के 'गंभीर परिणाम' अमेरिकी जनता को भुगतने पड़ सकते हैं। दरअसल, अभी तक वर्तमान राष्ट्रपति बाइडेन को केंद्र में रखकर आक्रामक नीति बनाने वाले ट्रंप को अब मैदान में कमला हैरिस के उतरने के बाद नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। वे असमंजस की स्थिति में हैं। वे जानते हैं कि उनका मुकाबला एक दमदार प्रत्याशी से है, जो उनके कथित यौन अपराधों में संलिप्तता के मुद्दे पर आड़े हाथ लेने से पीछे नहीं रहने वाली। वहीं ट्रंप के कार्यकाल में ओवल ऑफिस में देखी गई अराजकता तथा वर्ष 2020 के चुनाव में पराजय के बाद कैपिटल हिल में उनके समर्थकों के हिंसक कृत्य अमेरिकियों के दिमाग में अभी भी ताजे हैं।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर रूस के जख्मों पर नमक छिड़कते दिखे जेलेंस्की

कीव, 25 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के जख्मों पर एक बार फिर से नमक छिड़कने का काम किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि 'रूस एक ही चीज चाहता था, हमें नष्ट करना। इसके बजाय, आज हम यूक्रेन के 33वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहे हैं। और दुश्मन जो जंग हमारी जमीन पर लाया था, वह अब उसके घर वापस आ गई है। यूक्रेन के 33वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने भाषण में जेलेंस्की ने कहा कि जंग का दायरा अब रूसी इलाके में फैल गया है। जेलेंस्की ने अपना भाषण सुमी से दिया, जो रूसी सीमा के नजदीक का इलाका है, जहां इस महीने की शुरुआत में यूक्रेनी सेना रूस में घुस गई थी।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मॉस्को से जुड़े धार्मिक संगठनों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर भी दस्तखत किए हैं। जो यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन करने के आरोप में आर्थोडॉक्स चर्च की एक शाखा के साथ संबंध खत्म करने को दिखाता है। इस महीने की शुरुआत में संसद से पास एक कानून यूक्रेनी सरकार को इन संस्थानों को बंद करने का कानूनी अधिकार देता है। इससे रूस के साथ संबंध और भी खराब हो जाएंगे और यूक्रेन की स्वतंत्र धार्मिक पहचान मजबूत होगी। जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि जो लोग यूक्रेन को सिर्फ एक बफर जोन में बदलने का इरादा रखते थे, उन्हें अब अपने देश की संभावनाओं के बारे में चिंतित होना चाहिए कि उनका अपना देश कहीं बफर फेडरेशन न बन जाए। इसके साथ ही यूक्रेन ने रोम संधि की पुष्टि करके अंतरराष्ट्रीय न्याय के साथ जुड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है, जिससे देश को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) में शामिल होने की अनुमति मिल गई है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूस के वोरोनिश इलाके में रूसी सरकार ने इमरजेंसी लगी दी है। वोरोनिश इलाके का एक हिस्सा यूक्रेन के साथ सीमा साझा करता है। इलाके के गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव के मुताबिक रूसी सेना ने 5 ड्रोन को सफलतापूर्वक रोका।

न्यूज ब्रीफ

कमला हैरिस को जिताने अमरीका के हिंदू संगठन ने किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए राष्ट्रपति पद का नामांकन स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही अब वे आधिकारिक तौर पर अमेरिका की किसी प्रमुख पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली भारतीय और अफ्रीकी मूल की पहली महिला बन गई हैं। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉनल्ड ट्रंप से मुकाबला करेंगी। अगर वह चुनाव जीतती है तो वह अमरीका की पहली महिला राष्ट्रपति बन जाएंगी। डीएनसी में कमला हैरिस के मंच पर पहुंचते ही हजारों समर्थक उनके पक्ष में नारे लगाने लगे। इस मौके पर उन्होंने अपनी मां श्यामला गोपालन हैरिस को याद करते हुए कहा, मेरी मां ने मुझे सिखाया कि अन्याय की शिकायत करने की बजाय कुछ करें। उन्होंने ही हमें सिखाया कि कभी भी कोई काम आधा-अधूरा न करें। नस्लवाद की ओर इशारा करते हुए हैरिस ने कहा कि मैंने देखा कि दुनिया कभी-कभी मेरी मां से कैसा व्यवहार करती थी, लेकिन मेरी मां ने कभी अपना संयम नहीं खोया। हैरिस ने कहा इस चुनाव के साथ ही हमारे देश के पास अतीत की कड़वाहट, निराशावाद और विभाजनकारी लड़ाइयों से आगे बढने का एक अनमोल अवसर है। हैरिस का समर्थन करने के लिए अमरीका के कुछ हिंदू संगठनों ने मिलकर 'हिंदू फॉर कमला हैरिस' समूह बनाया है।

टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव फ्रांस में गिरफ्तार

पेरिस। टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के संस्थापक और सीईओ पावेल ड्यूरोव को शनिवार शाम पेरिस के बाहर बॉर्गेट हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ड्यूरोव अपने निजी जेट से यात्रा कर रहे थे। उन्हें पहले फ्रांस में गिरफ्तारी वारंट दिया गया। यह जांच टेलीग्राम पर मॉडरेटर की कमी पर केंद्रित थी। पुलिस का मानना है कि यही कारण है कि मैसेजिंग ऐप पर आपराधिक गतिविधि बढ़ गए हैं। टेलीग्राम की तरफ से अभी तक इस घटने पर कोई बयान सामने नहीं आया है। रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद टेलीग्राम पर युद्ध की राजनीति के बारे में दोनों पक्षों से अनफ़िल्टर्ड और कभी-कभी ग्राफ़िक और भ्रामक कंटेंट का मुख्य स्रोत बन गया है। यह ऐप यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की और उनके अधिकारियों के लिए संचार का पसंदीदा साधन बन गया है। आपको बता दें कि रूस, यूक्रेन और सोवियत संघ के गणराज्यों में टेलीग्राम काफी प्रभावशाली है। इसका लक्ष्य अगले साल एक अरब यूजर तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करना है।

लंबे समय तक बीयर पीने से शरीर को कई नुकसान, बीयर में आमतौर पर होता है 5-6 पर्सेंट एल्कोहल

लंदन। आज के दौर में बीयर पीना एक शौक की तरह बन गया है। कुछ खास मौकों पर बीयर पीने का ट्रेंड तेजी से बढ़ता जा रहा है। बीयर में आमतौर पर 5-6 पर्सेंट एल्कोहल होता है। इसका सेवन करने से हेल्थ को कुछ फायदे होते हैं, लेकिन इसकी लत आपके लिए जानलेवा साबित हो सकती है। लंबे समय तक बीयर पीने से शरीर को कई गंभीर नुकसान होते हैं। हम आपको कुछ ऐसी परेशानियों के बारे में बता रहे हैं, जिनके दिखने पर बीयर से तुरंत दूरी बना लेनी चाहिए। वरना आप गंभीर बीमारी का शिकार हो जाएंगे।एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादा मात्रा में लंबे समय तक बीयर पीने से एंजाइटी और डिप्रेशन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर आपको एंजाइटी या डिप्रेशन जैसा महसूस हो तो तुरंत बीयर पीना बंद कर देना चाहिए। आपने इसे नजरअंदाज किया तो समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। तमाम लोग स्ट्रेस को कम करने के लिए बीयर पीते हैं, लेकिन फायदे के बजाय नुकसान हो सकता है।अगर आपको डाइजेशन की परेशानी आ रही है और लिवर की फंक्शनिंग सही तरीके से नहीं हो रही है तो बीयर पीना बिल्कुल छोड़ देना चाहिए। एल्कोहल की वजह से एल्कोहॉलिक हेपिटाइटिस जैसी गंभीर समस्या हो सकती है। इससे बचने के लिए बीयर से दूरी बना लें। कई स्टडी में यह बात सामने आई है कि ज्यादा बीयर पीने से सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे हैं तो बीयर आपकी इस समस्या को गंभीर बना सकती है। ब्लड प्रेशर के मरीजों को एल्कोहल वाली किसी भी ड्रिंक का सेवन नहीं करना चाहिए। एल्कोहल ड्रिंक पीने से गले और मुंह के कैंसर सहित कई तरह के कैंसर का जोखिम भी बढ़ जाता है।

इज़राइल ने लेबनान में किया हमला

पहले चेताया फिर कर दी शिया मिलिशिया हिजबुल्ला के ठिकानों पर 40 एयर स्ट्राइक

तेल अवीव, 25 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल ने लेबनान में बड़ा हमला किया है। इससे पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह के हमले की आशंका जताई थी। लेबनानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिणी लेबनान में 40 हमले हुए हैं। हमला तब किया गया जब इजरायली रक्षा बलों के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा था कि इजरायल पर हिजबुल्लाह हमले की तैयारी कर रहा है। इसके बाद शिया मिलिशिया हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर रविवार तड़के लेबनान में इजरायल ने हवाई हमले किए। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा, 'इन खतरों से बचने के लिए आत्मरक्षा में (इजराइली सेना द्वारा) लेबनान में उन आतंककवादी ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, जहां से हिजबुल्ला इजराइल के आम नागरिकों पर हमले करने की साजिश रच रहा था।' हगारी ने सचेत किया कि हिजबुल्ला इजराइल में 'जल्द ही रॉकेट और संभवत: मिसाइल' एवं ड्रोन दागेगा। इसके तुरंत बाद ही उत्तरी इजराइल में सायरन बजने लगे।

हगारी ने अपने बयान में कहा, 'हम देख सकते हैं कि हिजबुल्ला लेबनानी नागरिकों को खतरे में डालते हुए इजराइल पर व्यापक पैमाने पर हमला करने की तैयारी कर रहा है।' हगारी ने इस खुफिया जानकारी के बारे में कोई और विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'जिन क्षेत्रों में हिजबुल्ला सक्रिय है, हम उन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सचेत करते हैं कि वे अपनी सुरक्षा के लिए वहां से तुरंत चले जाएं।' इजराइली हमले में हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर की मौत और ईरान में संदिग्ध इजराइली हमले में हमास नेता इस्माइल हनिया की मौत के बाद से यह आशंका प्रबल हो गई है कि गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

वहीं लेबनानी मीडिया ने देश के दक्षिणी भाग में हमलों की खबर दी, लेकिन इनके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। सोशल मीडिया पर उपलब्ध कुछ वीडियो में दक्षिणी लेबनान में हमले होते दिखाई दिए। लेबनान में इजराइली हवाई हमलों के बाद तेल अवीव के बाहर स्थित इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने वाली उड़ानों का मार्ग रविवार को परिवर्तित कर दिया गया तथा अन्य विमानों के उड़ान भरने में देरी हुई। इजराइली मीडिया ने इजराइली हवाई अड्डा प्राधिकरण के हवाले से यह खबर दी। उड़ानों के आवागमन पर नजर रखने वाले 'फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा' से पता चला कि इस घोषणा के बाद 'ईएल एआई' की कम से कम दो उड़ानें दक्षिण की ओर मुड़ गईं और उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया।

विमानों की आवाजाही रोकी

उधर तेल अवीव में बेन गुरियन एयरपोर्ट से विमानों की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं इजरायली मीडिया ने बताया इजरायली कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई गई है। पीएम ऑफिस की तरफ से बताया गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुलाई है। पिछले महीने इजरायल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स में मिसाइल हमले में 12 युवाओं की मौत हो गई थी और जवाब में इजरायली सेना ने बेरूत में एक सीनियर हिजबुल्लाह कमांडर की हत्या कर दी थी, जिसके बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के उन इलाकों के रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी की है, जहां हिजबुल्लाह सक्रिय है। इसमें कहा गया है कि वे 'तुरंत वहां से चले जाएं।

नकली नोटों से परेशान पाकिस्तान अब लाएगा प्लास्टिक करेंसी

कराची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान आनाज, आटा, पेट्रोल लेकर बिजली की कमी सेजूझ रहा है।अब देश की केंद्रीय बैंक इस संकट से उबरने के लिए नया प्रयोग करने जा रही है, जिससे केवल देश की जनता को राहत तो मिलने की संभावना है साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग की समस्या से समाधान मिलेगा।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने इस्लामाबाद में बैंकिंग और वित्त पर सीनेट समिति को बताया कि इस साल दिसंबर तक सभी मौजूदा कागजी मुद्रा नोटों को नई सुरक्षा विशेषताओं के साथ फिर से डिजायन किया जा रहा है। अहमद ने कहा कि 10, 50, 100, 500, 1000 और 5000 रुपये के मूल्यवर्ग में नए डिजाइन वाले बैंक नोट दिसंबर में जारी किए जाएंगे। बता दें कि वर्तमान में लगभग 40 देश पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोटों का उपयोग करते हैं, जिनकी नकल करना कठिन है और इनमें होलोग्राम और पारदर्शी खिड़की जैसी अधिक उन्नत सुरक्षा विशेषताएं हैं। ऑस्ट्रेलिया 1998 में पॉलीमर बैंक नोट शुरू करने वाला पहला देश था। अहमद ने यह भी पुष्टि की कि केंद्रीय बैंक की 5,000 रुपये के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, एक सदस्य मोहसिन अज़ीज़ ने जोर देकर कहा कि इससे भ्रष्ट लोगों के लिए अपना कारोबार करना आसान हो जाएगा। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इस साल के अंत तक के प्रयोग करते हुए एक नए पॉलीमर प्लास्टिक मुद्रा बैंक नोट लाएगा। केंद्रीय बैंक इसके साथ ही बेहतर सुरक्षा और होलोग्राम सुविधाओं के लिए सभी मौजूदा बैंक नोटों को फिर से डिजायन करेगा। सूत्र के मुताबिक पुराने नोट पांच साल तक प्रचलन में रहेंगे और केंद्रीय बैंक उन्हें बाजार से हटा देगा।' स्टेट बैंक के गवर्नर ने सीनेट समिति को बताया कि जनता के लिए एक मूल्यवर्ग में नया पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोट जारी किया जाएगा, तथा यदि इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो अन्य मूल्यवर्गों में भी प्लास्टिक मुद्रा जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री शहबाज ने आतंकियों को बताया कायर और की निंदा

इस्लामाबाद, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के पिशिन जिले में हुए विस्फोट में 02 बच्चों और एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल हो गए हैं। इस घटना को आतंकवादी हमला करार देते हुए पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जहां घटना की निंदा की वहीं उन्होंने छोटे बच्चों पर हमला करने वालों को कायर आतंकवादी बताया है।

बलूचिस्तान में यह विस्फोट पिशिन डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के करीब शनिवार को हुआ है। इसे लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि छोटे बच्चों पर हमला करने वाले कायर आतंकवादी असल में इंसान कहलाने के लायक ही नहीं होते हैं। इसी के साथ पीएम शहबाज ने घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घटना के जिम्मेदारों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें सख्त सजा देने का आह्वान भी किया है। गौरतलब है कि बलूचिस्तान के पिशिन जिले में हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई है। इस घटना में 02 पुलिसकर्मियों समेत ही 13 लोग घायल हुए हैं। विस्फोट की घटना सुरखाब चौक के पास मुख्य बाजार में होना बताई गई है। इस प्रकार की घटना पुलिस अधिकारियों और चौकियों पर हमलों की एक सिलसिलेबार हाने वाली नई घटना है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विस्फोटक सामग्री एक मोटरसाइकिल में रखी गई थी, जिसमें विस्फोट होने से तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और बम निरोधक दस्ता जांच करने और सबूत एकत्र करने घटनास्थल पहुंचा।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की हालत गंभीर पुलिस हिरासत में एक दिन पहले भीड़ ने कर दिया था हमला

ढाका, 25 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एएचएम शम्सुद्दीन चौधरी माणिक को गंभीर हालत में उस्मानी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। शनिवार को सिलहट अदालत परिसर में पुलिस की हिरासत में शम्सुद्दीन चौधरी पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया था, जिसमें शम्सुद्दीन बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें उस्मानी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां शनिवार देर रात हालत बिगड़ने पर आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, सिलहट के उप महानिरीक्षक (डीआईजी जेल) एमडी सगीर मियां ने कहा कि न्यायमूर्ति माणिक की हालत गंभीर है, हमले के कारण अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव हुआ है। सेना और पुलिस पूर्व न्यायाधीश को सुरक्षा प्रदान कर रही है और अस्पताल क्षेत्र के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

सिलहट उस्मानी मेडिकल अस्पताल के सहायक निदेशक डॉ. जलील कैसर खोकोन के मुताबिक हमले के कारण पूर्व न्यायाधीश का अंडकोष फट गया था जिसका ऑपरेशन किया गया। उनके शरीर पर कई चोटें और घाव थे और वह उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात पूर्व न्यायाधीश माणिक को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने सिलहट में कनाईघाट (डोना) सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते समय पकड़ लिया था। शनिवार सुबह उसे कनाईघाट पुलिस को सौंप दिया गया। जिसके बाद दोपहर में पूर्व न्यायाधीश माणिक को पुलिस सुरक्षा में अदालत लाया गया। अदालत परिसर में जेल वैन से उनके बाहर निकलते ही उपद्रवियों की भीड़ ने उनपर लात-घूसों, जूते-चप्पलों से हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। छात्र दल और अन्य संबद्ध समूहों के नेता और कार्यकर्ता शनिवार दोपहर से अदालत परिसर में एकत्र हुए और उनकी फांसी की मांग करते हुए नारे लगाए।

सुनवाई के बाद सिलहट न्यायिक मजिस्ट्रेट-1 के न्यायाधीश आलमगीर हुसैन ने शम्सुद्दीन माणिक को जेल भेजने का आदेश दिया। बाद में, उन्हें सेना और पुलिस सुरक्षा के तहत सिलहट सेंट्रल जेल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि सुनवाई के दौरान शम्सुद्दीन चौधरी माणिक का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील मौजूद नहीं था।

ब्राजील एयरपोर्ट पर फंसे हैं सैकड़ों एशियाई,प्रवासियों में कई भारतीय भी शामिल

हफ्तों से ब्राजील में एंट्री का कर रहे इंतजार, फर्श पर सोने को मजबूर

साओ पाउलो, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में दाखिल होने के लिए कई दिनों से सैकड़ों एशियाई प्रवासी साओ पाउलो के ग्वारूलोस एयरपोर्ट पर बुरी परिस्थिति में फंसे हुए हैं। इन फंसे हुए प्रवासियों में भारतीय, नेपाली और वियतनाम के लोग शामिल हैं जो फर्श पर सोने को मजबूर हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये प्रवासी बिना वीजा के ब्राजील में एंट्री पाने के लिए ग्वारूलोस साओ पाउलो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर परमिशन का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट में पब्लिक डिफेंडर कार्यालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है कि प्रवासी प्रतिबंधित क्षेत्र में रह रहे हैं, जहां खाना और पानी भी नसीब नहीं हो रहा है। अधिकारी ने आगे कहा कि यहां तक कि बच्चों को ठंड से बचने के लिए कंबल तक मुहैया नहीं कराए गए हैं।

अधिकारियों से शरणार्थियों को स्वीकार करने और उन्हें उनके मूल देश में नहीं लौटाने के मानवीय सिद्धांत पर आधारित ब्राजील के कानून का पालन करने का आग्रह किया गया है। साथ ही प्रवासियों की स्थिति में सुधार की बात कही है। अधिकारी के हवाले से कहा गया कि एयरपोर्ट पर प्रवासियों का स्वास्थ्य खराब हो रहा था, घाना के एक प्रवासी की दो सप्ताह पहले मौत हो गई। हालांकि ये साफ नहीं हुआ है कि प्रवासी की मौत एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए जाने के दौरान हुई या अस्पताल ले जाते समय हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील सोमवार से अमेरिका और कनाडा में प्रवास करने के प्रयास में देश में शरण लेने वाले कुछ एशियाई लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर देगा। ताकि अमेरिका और कनाडा जाने के लिए ब्राजील को पड़ाव के रूप में इस्तेमाल करने वाले विदेशियों के आने-जाने को रोका जा सके। इससे उन एशियाई प्रवासियों पर असर पड़ेगा. जिन्हें ब्राजील में रहने के लिए वीजा जरूरी है। साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर प्रवासी अन्य जगहों के लिए टिकट बुक करते हैं, लेकिन वह अपनी यात्रा न कर शरण के लिए ब्राजील में ही रुक जाते हैं। ब्राज़ील की शरणार्थी समिति ने बताया कि नियम विशेष रूप से साओ पाउलो एयरपोर्ट पर लागू होंगे और शरण चाहने वालों पर ब्राजील की नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा। हालांकि, यह साफ नहीं है कि जो प्रवासी पहले से ही साओ पाउलो एयरपोर्ट पर हैं, वे नियमों से प्रभावित होंगे या ये केवल उन लोगों पर लागू होंगे जो नियम लागू होने के बाद ब्राज़ील पहुंचेंगे।

साइक्लोथोन 4.0 का बालक वर्ग में जावेद अख्तर और बालिका वर्ग में किरण कुमारी बनी चैंपियन

अररिया, 25 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर फारबिसगंज में रविवार को लगातार चौथे साल आईसीआईसीआई साइक्लोथोन अर्थात साइकिल रेस का आयोजन किया गया,जिसमे बालक और बालिका प्रतिभागियों के लिए अलग अलग कैटेगरी का आयोजन किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गौरव जैन की अध्यक्षता में आयोजित आईसीआईसीआई साइक्लोथोन रेस फारबिसगंज के हवाई अड्डा से शुरू हुई,जो हवाई फील्ड से चालू होकर गोढ़ीयारे चौक, दीनदयाल चौक,पोस्ट ऑफिस चौक, सदर रोड, स्टेशन चौक, पटेल चौक होते हुए आदर्श मध्य विद्यालय ढोलबज्जा में जाकर समाप्त हुआ।

आदर्श मध्य विद्यालय ढोलबज्जा पहुंचने के उपरांत मारवाड़ी युवा मंच की ओर पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर जावेद अख्तर, द्वितीय स्थान पर नीतीश कुमार एवं तृतीय स्थान पर अशफाक आलम और बालिका वर्ग में पहले नंबर पर किरण कुमारी, दूसरे नंबर पर निक्की कुमारी एवं तृतीय नंबर पर स्वीटी भगत को मौजूद अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। दोनों कैटेगरी में प्रथम स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को साइकिल, सर्टिफिकेट, ट्रॉफी व अन्य से नवाजा गया वहीं द्वितीय स्थान पर आने वाले को ट्रॉली बैग, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को स्मार्ट वॉच, सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफी से नवाजा गया।

मौके पर अध्यक्ष गौरव जैन ने कहा कि आईसीआईसीआई साइक्लोथोन फारबिसगंज में मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा पिछले 4 साल से कराया जा रहा है और आने वाले समय में भी इसके रूप को और भी वृहत किया जायेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आईसीआईसीआई साइक्लोथोन का आयोजन कर एक और जहां बच्चों के बीच खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया जाता है वहीं दूसरी ओर पर्यावरण की दृष्टिकोण से भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कोच जेसन गिलिस्पी पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट का विवादों से गहरा नाता है। पाक टीम के खिलाड़ी कोच से भी झगड़े में पीछे नहीं रहते। इसका एक नया मामला एकबार फिर सामने आया है। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम के मुश्किल हालातों में फंसने पर कप्तान शान मसूद और कोच जेसन गिलिस्पी में बहस भी हुई। इसका कारण है कि इस मैच में पाक ने अपनी पहली पारी 6 विकेट पर 448 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी जिसको लेकर कप्तान अपने कोच से सहमत नहीं थे। इसका कारण है कि श्रीलंकाई टीम ने पलटवार करते हुए 565 रन बना दिये। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम ने 191 रन बनाकर पाक कप्तान और कोच के टीम को जल्द आउट करने की उम्मीद तोड़ दी। मसूद का कोच जेसन गिलिस्पी से बहस का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। ड्रेसिंग रूम के इस वीडियो से पता चलता है कि कप्तान और कोच के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। इसमें शान कोच को मैदान की ओर संकेत करते हुए कुछ कहते नजर आ रहे हैं हालांकि वह क्या बात कर रहे थे। इसका पता नहीं चला है।

खेल के प्रति आपका जुनून हमेशा याद आएगा, शिखर के संन्यास पर कोहली का भावुक पोस्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने पूर्व साथी खिलाड़ी शिखर धवन के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा के बाद उनके लिए एक भावुक नोट लिखा है। कोहली ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि आपने हमें अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपका जुनून हमेशा याद आएगा। विराट ने एक्स पर लिखा, शिखर, आपके निडर डेब्यू से लेकर भारत के भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक बनने तक, आपने हमें संजोने के लिए अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपका जुनून, आपकी खेल भावना और आपकी ट्रेडमार्क मुस्कान याद आएगी, लेकिन आपकी विरासत हमेशा जिंदा रहेगी। यादों, अविस्मरणीय प्रदर्शन और हमेशा दिल से नेतृत्व करने के लिए धन्यवाद। मैदान से बाहर आपकी अगली पारी के लिए आपको शुभकामनाएं गब्बर। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी थी। उनके ऐलान के एक दिन बाद विराट कोहली ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के संन्यास पर भावुक अंदाज में कहा कि उनके साथ पारी शुरु करने से जुड़ी कई यादे हैं। ये दोनो सलामी जोड़ीदार के तौर पर कई मैचों में एकसाथ मैदान उतरे हैं। धवन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

रूट टेस्ट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने के दौरान ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। अब रुट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने इस मैच में श्रीलंका से मिले 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए 128 गेंदों में दो चौकों की सहायता से नाबाद 62 रन बनाए। वहीं उन्होंने पहली पारी में 42 रन बनाए थे। अब रूट के 64 अर्धशतक हो गए हैं ये इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाये सबसे ज्यादा अर्धशतक हैं। वहीं विश्व क्रिकेट की बात करें तो वह दूसरे नंबर पर हैं। भारत के सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे अधिक 68 जबकि वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल के नाम 66 अर्धशतक हैं। रुट ने इसी के साथ ही चौथी पारी में 10 वीं बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। इससे पता चलत है कि वह एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। उनसे ज्यादा बेहतर आंकड़े केवल माइकल आर्थटन , एलिस्टेयर कुक जैसे दिग्गजों के साम ही हैं। आर्थटन और कुक के नाम चौथी पारी में 11-11 अर्धशतक का रिकार्ड है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

भारत की तन्वी पत्री ने अंडर -15 बालिका वर्ग का खिताब जीता

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। तन्वी पत्री रविवार को चीन के चेंगदू में आयोजित बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में वियतनाम की गुयेन थी थू हुएन पर जोरदार जीत के साथ एशियाई अंडर-15 चैंपियन बनने वाली तीसरी भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बन गईं।

भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दूसरे स्थान पर रहने वाली गुयेन को 34 मिनट में 22-20, 21-11 से हराकर पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम गंवाए बिना खिताब अपने नाम किया।

इस जीत के साथ, पत्री एशियाई अंडर-15 चैंपियन बनने वाली सामिया इमाद फारूकी (2017) और तस्नीम मीर (2019) जैसी खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गईं।

14 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को गुयेन के खिलाफ फाइनल में जमने के लिए समय की जरूरत थी और इससे वियतनामी खिलाड़ी को शुरुआती गेम में अंतिम चैंपियन को कड़ी टक्कर देने का मौका मिला. लेकिन एक बार जब उसने शुरुआती गेम जीत लिया, तो वह पूरी तरह से नियंत्रण में थी और दूसरे गेम में उसने बिना ज्यादा पसीना बहाए मैच जीत लिया।

बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में तन्वी पेट्री की खिताबी जीत और अंडर-17 पुरुष एकल वर्ग में ज्ञान दत्तू के कांस्य पदक ने एक बार फिर भारत के पास मौजूद मजबूत प्रतिभा पूल और इस प्रतिभा को पहचानने और उसे निखारने के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ के प्रयासों को रेखांकित किया है. मजबूत और बेहद प्रतिस्पर्धी घरेलू सर्किट हमारे शीर्ष खिलाड़ियों को ऐसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. मुझे विश्वास है कि हम आने वाले समय में न केवल तन्वी और ज्ञान बल्कि अन्य भारतीय जूनियर खिलाड़ियों से भी कई खिताब जीतते हुए देखेंगे।

भारत के ज्ञान दत्तू टीटी ने भी लड़कों के अंडर-17 एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता, जबकि तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंचे. भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में 2 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

सचिन, धोनी ओर विराट से मिलना चाहती हैं मनु

चंडीगढ़। भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर की इच्छा भारतीय टीम के महान क्रिकेटरों सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली से मुलाकात करना है। मनु ने कहा है कि वह सचिन , धोनी और विराट के साथ एक दिन का समय बिताना चाहेगी। मनु इन तीनों के अलावा जमैका के दिग्गज एथलीट उसेन बोल्ट से भी मिलना चाहती है। मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं।

मनु ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा , मैं अपने कुछ पसंदीदा खिलाड़ियों से मिलना चाहूंगी। उसेन बोल्ट उनमें से एक हैं। मैंने उनकी किताब कई बार पढ़ी है और मैं उनके खेल सफर को भी जानती हूं। मैंने उनके कई साक्षात्कार देखे हैं। इसके बाद मैं भारतीय क्रिकेटरों में सचिन , धोनी और विराट से मिलना पसंद करूंगी। इनमें से किसी के साथ भी एक घंटा बिताना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी। मनु ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर इसी इवेंट की मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया था।

यूपी के चंदन और नासिक की रवीना ने मुंबई हाफ मैराथन जीती सचिन ने पुरस्कार वितरित किए

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बडोही जिले के कॉलेज छात्र चंदन यादव और महाराष्ट्र के नासिक की रहने वाली रवीना गायकवाड़ ने रविवार को यहां आठवें एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस मुंबई हाफ मैराथन 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। इससे पहले कई बार पोडियम पर पहुंचने वाले 21 वर्ष के चंदन ने फिनिश लाइन से आधा किलोमीटर पहले अपनी गति बढ़ाई तथा एक घंटा 11.01 मिनट का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। नीतीश कुमार एक घंटा 11.54 मिनट के साथ दूसरे जबकि पीयूष मसाने एक घंटा 13.20 मिनट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग में 19 वर्षीय रवीना ने 21 किलोमीटर की दौड़ में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए एक घंटा 27.43 मिनट का समय लेकर आसानी से जीत हासिल की। वह सेनिट लेशार्ज (एक घंटा 29.41) से लगभग दो मिनट आगे रही। रुक्मणी भौरे ने एक घंटा 31.23 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता।

दिग्गज क्रिकेटर और प्रायोजक के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। पुरुषों की 10 किमी में युवराज यादव ने 31.50 मिनट में दौड़ पूरी की, जबकि मनीष कुमार नायक ने 32.14 मिनट का समय लेकर रजत और अमित माली ने 33.25 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मुंबई हाफ मैराथन के प्रतियोगियों को हरी झंडी दिखाकर किया था रवाना

महिला वर्ग में सोनाली देसाई ने 39.47 मिनट का समय लेकर लगातार दूसरे साल पहला स्थान हासिल किया। दिव्या पिंगले 41.50 मिनट के साथ दूसरा और रजनी त्यागी ने 43.52 मिनट का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में 20,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर तेंदुलकर ने कहा, भारतीय होने के नाते, हम खेल से प्यार करते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम अपने मानसिक और शारीरिक लाभ के लिए विभिन्न खेलों में भाग लेकर खेल को जीवन का एक तरीका बनाएं।

आईपीएल : युवराज सिंह को कोच बना सकती है दिल्ली कैपिटल्स

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ऑलराउंडर युवराज सिंह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स टीम के नये कोच बन सकते हैं। पिछले सत्र में टीम के कोच रिकी पोंटिंग थे पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कोच पद छोड़ दिया था। इसके बाद पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के कोच पद संभालने की उम्मीद जतायी जा रही थी पर अब युवराज का नाम आने लगा है। वहीं पहले कहा जा रहा था कि युवराज गुजरात टाइटंस के कोच बन सकते हैं पर आशीष नेहरा के कोच बनने रहने से ये अटकलें गलत निकलीं। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि युवराज दिल्ली को कोचिंग देंगे।

युवराज के पास भले ही कोचिंग का कोई पुराना अनुभव नहीं है पर उन्होंने पिछले कुछ साल में शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटरों को कोचिंग दी है। ऐसे में दिल्ली उनके लंबे बल्लेबाजी अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगी। युवराज ने भारतीय टीम की ओर से 40 टेस्ट, 304 एकदिवसीय और 58 टी20ई खेले हैं। 2007 और 2011 में भारत की टी20 और एकदिवसीय विश्व कप टीम की जीत में उनकी अहम भूमिका रही है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स लगातार पिछले तीन सत्र से प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। वहीं अब उसके पास पोंटिंग जैसा कोच भी नहीं है। ऐसे में टीम को बल्लेबाजी टिप्स देने के लिए प्रबंधन युवराज की सेवाएं लेना चाहेगा। वहीं गांगुली अभी भी दिल्ली में क्रिकेट के निदेशक बने रह सकते हैं।

छूटी फ्लाइट : भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम जॉर्डन के अम्मान में फंसी

अम्मान, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश वापसी की उड़ान छूटने के कारण शनिवार को जॉर्डन के अम्मान में क्वीन आलिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गई। नौ महिला पहलवानों और तीन कोच को शनिवार शाम को भारत वापस लौटना था, लेकिन उनकी अलग-अलग उड़ानों में बुकिंग हो गई थी। कोच जय भगवान, शिल्पी श्योराण और रेखा रानी को दुबई में रुकने वाली एमिरेट्स उड़ान में सवार होना था जबकि युवा पहलवानों की बुकिंग कतर एयरवेज में हुई थी। कोच की उड़ान (ईके904) को शाम 6.10 बजे अम्मान से रवाना होना था और रात 10.10 बजे दुबई पहुंचना था। वहां से उन्हें सुबह 3.55 बजे दूसरे विमान में सवार होकर सुबह 9.05 बजे दिल्ली आना था। पहलवानों की उड़ान (क्यूआर401) को रात 8.30 बजे रवाना होकर रात 11.10 बजे दोहा पहुंचना था, लेकिन उड़ान की स्थिति के अनुसार, यह शाम 6.18 बजे रवाना हुई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उड़ान का समय बदला गया था या नहीं।

अम्मान में भारतीय दल के एक सूत्र ने कहा, 'युवा महिला पहलवानों की उड़ान छूट गई। इस बात को लेकर काफी भ्रम है कि आखिर हुआ क्या था। युवा पहलवानों के लिए अलग उड़ान बुक नहीं की जानी चाहिए थी। भारतीय खेल प्राधिकरण को उनके लिए एक ही उड़ान बुक करनी चाहिए थी। वे सभी छोटी हैं।' एक सूत्र ने कहा, 'आदर्श रूप से कम से कम एक कोच को युवा पहलवानों के साथ जाना चाहिए था। अब उन्हें पहली उपलब्ध उड़ान से लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' संपर्क करने पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एक अधिकारी ने कहा कि पहलवानों को पहली उपलब्ध उड़ान से स्वदेश वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों के साथ जाएंगे 95 अधिकारी, खेलों का शुभारंभ 28 से

पेरिस, 25 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की 84 सदस्यीय टीम 28 अगस्त से शुरू हो रहे पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लेगी जिसमें उनके साथ 95 अधिकारी भी जाएंगे। इनमें खिलाड़ियों की विशेष जरूरतों को देखते हुए उनके साथ जाने वाले निजी कोच और सहायक भी शामिल हैं। इस तरह भारत के दल में कुल 179 सदस्य शामिल हैं। इन 95 अधिकारियों में से 77 टीम अधिकारी, नौ दल के चिकित्सा अधिकारी और नौ अन्य दल अधिकारी शामिल हैं।

भारत पेरिस पैरालंपिक (28 अगस्त से आठ सितंबर) में 84 खिलाड़ियों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है जो 12 खेलों में हिस्सा लेंगे। 2021 में हुए टोक्यो पैरालंपिक में भारत के 54 खिलाड़ियों ने नौ खेलो में हिस्सा लिया था। मंत्रालय ने दल को स्वीकृति देते हुए कहा, कुछ पैरा खिलाड़ियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दल में निजी कोच को शामिल किया गया है। हालांकि वे मिशन प्रमुख/टीम के मुख्य कोच के निर्देशों के अनुसार अन्य खिलाड़ियों को भी आवश्यक सेवाएं प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा, मिशन प्रमुख और पैरा बैडमिंटन के लिए एक टीम मैनेजर को छोड़कर पूरे दल (खिलाड़ियों, दल के अधिकारियों, कोच) की भागीदारी का खर्च सरकार उठाएगी।% भाला फेंक खिलाड़ी

सुमित अंतिल और निशानेबाज अवनि लेखरा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें निजी कोच मिलेंगे। ये दोनों टोक्यो पैरालंपिक में अपना स्वर्ण पदक बचाने की कोशिश करेंगे। पैरा एथलेटिक्स टीम 38 प्रतिभागियों के साथ भारत की सबसे बड़ी टीम है। इसमें सबसे अधिक संख्या में निजी कोच और सहायक कर्मी भी शामिल हैं।

मिशन प्रमुख और पैरा बैडमिंटन टीम के मैनेजर को छोड़कर दल के सभी सदस्यों को खेलों के दौरान ठहरने की आवश्यक और वास्तविक अवधि के अनुसार 50 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन का भत्ता मिलेगा जिसमें अनुकूलन और प्रशिक्षण अवधि के अलावा दो दिन की आने-जाने की यात्रा का समय भी शामिल होगा। कुछ अधिकारी खेल गांव के बाहर रहेंगे।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अ ध्यक्ष देवेंद्र झझारिया और मिशन प्रमुख सत्य प्रकाश सा ंगवान सहित एक बड़ा जत्था रविवार को पेरिस के लिए रवाना हुआ। झझारिया ने शनिवार को बताया कि वह 'सभी खिलाड़ियों का ध्यान रखने के लिए' खेल गांव के बाहर रहेंगे क्योंकि कुछ खिलाड़ी पेरिस के बाहर प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने 2021 में टोक्यो पैरालंपिक में 19 पदक (पांच स्वर्ण, आठ रजत, छह कांस्य) जीते थे जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारतीय स्टार्टअप्स ने 16 डील्स मामलों में जुटाई 265 मिलियन डॉलर की फंडिंग

इस हफ्ते की सबसे बड़ी फंडिंग ब्लूस्टोन को मिली, 107.2 मिलियन डॉलर जुटाए

नई दिल्ली,25 अगस्त (एजेंसियां) । इस हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने 16 डील्स के माध्यम से 265 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग हासिल की है, जिससे स्टार्टअप इकोसिस्टम में फंडिंग की गति बरकरार है। इस हफ्ते की सबसे बड़ी फंडिंग ओम्निचैनल ज्वेलरी स्टार्टअप ब्लूस्टोन को मिली, जिसने अपने प्री-आईपीओ राउंड में 107.2 मिलियन डॉलर जुटाए। फिनटेक क्षेत्र में आय फाइनेंस ने गोल्डमैन सॉक्स (भारत) से 25 मिलियन डॉलर का ऋण प्राप्त किया, जबकि लेंडिंग स्टार्टअप ऐक्सियो ने अमेजॉन संभव वेंचर फंड से 20 मिलियन डॉलर जुटाए। इस सप्ताह ई-कॉमर्स सेक्टर में सबसे ज्यादा फंडिंग हुई, जिसमें चार डील्स के माध्यम से 148.7 मिलियन डॉलर जुटाए गए। घरेलू जल शुद्धिकरण ब्रांड लिवप्योर ने एमएंडजी इन्वेस्टमेंट्स से 208 करोड़ रुपए और एनक्यूबेट कैपिटल पार्टनर्स से लगभग 25 करोड़ रुपए की फंडिंग हासिल की। अन्य उल्लेखनीय फंडिंग में डी2सी आइसक्रीम ब्रांड हंग्यो ने 25 मिलियन डॉलर, एमएसएमईएस पर केंद्रित फिनटेक स्टार्टअप फ्लेक्सीलोन्स ने 9 मिलियन डॉलर और डी2सी लगेज ब्रांड अपरकेस ने 9 मिलियन डॉलर जुटाए। शुरुआती चरण के 13 स्टार्टअप्स ने 53.46 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की, जिसमें इवन और ज़ॉफ जैसे स्टार्टअप्स शामिल हैं। पिछले हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने 20 डील्स में 395 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग जुटाई थी, जो पिछले हफ्ते की तुलना में 350 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी। इसके अलावा पिछले महीने भारतीय स्टार्टअप्स ने 1.03 बिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई थी, जब सरकार ने यूनियन बजट 2024-25 में विदेशी निवेशकों पर लगाए गए एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया था। बेंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर आधारित स्टार्टअप्स ने इस हफ्ते सात-सात डील्स में फंडिंग हासिल की। इसके अलावा टाइटन कैपिटल विनर्स फंड ने अपने लक्षित 200 करोड़ रुपए के कोष को सफलतापूर्वक जुटाया, जो विशेष रूप से सीड पोर्टफोलियो की ब्रेकआउट कंपनियों के फॉलो-ऑन राउंड में निवेश करेगा।

न्यूज ब्रीफ

जोमैटो ने अपने ग्राहकों के लिए नई सेवा शुरू की

नई दिल्ली। खाने को डिलीवर करने वाली कंपनी ज़ोमैटो ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई सेवा शुरू की है। बता दें कि ज़ोमैटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में ऑर्डर शेड्यूलिंग नाम की एक नई सुविधा की घोषणा की है, जो उपयोगकर्ताओं को ज़ोमैटो का उपयोग करके अपने भोजन के ऑर्डर शेड्यूल करने की अनुमति देगा। नया ज़ोमैटो ऑर्डर शेड्यूलिंग फ़ीचर 1,000 रुपये से अधिक के ऑर्डर के लिए शुरू किया गया है। नया ज़ोमैटो फ़ीचर दिल्ली एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद और लखनऊ में लगभग 13,000 आउटलेट द्वारा लागू किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इन रेस्तरांओं में ऐतिहासिक रूप से स्टॉक में बड़ी मात्रा में व्यंजन होते हैं और रसोई-तैयारी-समय की स्थिरता दिखाई देती है और अधिक रेस्तराँ और शहर जोड़े जा रहे हैं। हम जल्द ही इसे सभी ऑर्डर के लिए बढ़ा देंगे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.71 प्रतिशत उबलकर 74.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 2.48 प्रतिशत की तेजी लेकर 79.02 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.62 प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

टेस्ला को अब बीएमडब्लू और वोल्वो से मिल रही कडी टक्कर

नई दिल्ली। कार निर्माता दिग्गज कंपनी टेस्ला को अब बीएमडब्लू और वोल्वो जैसी यूरोपियाई मूल की कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। जाटो डायनामिक्स के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2024 में जर्मन कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने 14,869 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दर्ज कराई। वहीं इसी दौरान अमेरिकी कार निर्माता टेस्ला 14,561 इलेक्ट्रिक कारें ही बेच पाई। इस दौरान टेस्ला की बिक्री में 16प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, ईयर-टू-डेट बिक्री के मामले में टेस्ला अभी भी अन्य कंपनियों के आगे है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बीएमडब्ल्यू और वोल्वो जैसी कंपनियों के चलते टेसला का मार्केट शेयर यूरोप में कम हुआ है। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो, यूरोप में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले महीने (जुलाई में) यूरोप में 1,39,300 नई इलेक्ट्रिक कारों को रजिस्टर किया गया, जो पिछले साल समान अवधि में बेचीं गई कारों से 6प्रतिशत कम है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में कमी की एक बड़ी वजह सब्सिडी में कटौती को बताया जा रहा है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में सब्सिडी में कटौती से इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में भारी गिरावट देखी जा रही है। भारत में भी इलेक्ट्रिक कारों के भविष्य को लेकर जर्मन कार निर्माता काफी सकारात्मक हैं। ऑडी का कहना है कि साल 2030 तक उसकी बेची गई 100 कारों में 50प्रतिशत कारें इलेक्ट्रिक होंगी। मौजूदा समय में ऑडी की बिक्री में 3प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक कारों की है। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार लग्जरी सेगमेंट में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 6प्रतिशत है, जबकि मास मार्केट कारों की हिस्सेदारी केवल 2.5 प्रतिशत है। यह लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों के लिए एक अच्छा संकेत है। मौजूदा समय में ऑडी की लग्जरी ईवी पोर्टफोलियो में 1.15 करोड़ रुपये से लेकर 2 करोड़ रुपये तक की कारें हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बोलने के पहले...

तजिंदर बग्गा ने सोशल मीडिया पर लिखा, राहुल गांधी बेवकूफ है, लेकिन बयान से पहले कम से कम पढ़ाई कर लेता तो इतनी जग हंसाई न होती। चलो उसका थोड़ा ज्ञान वर्धन कर देते हैं। इस देश में मिस इंडिया प्रतियोगिता 1947 में शुरू हुई, उसमें अल्पसंख्यक समाज की कई मेधावी महिलाएं विजेता बनीं। उनमें एस्टर विक्टोरिया अब्राहम, इंद्रानी रहमान, फेरिअल करीम, जीनत अमान से लेकर नायरा मिर्जा, अंजुम मुमताज, फरजारा हबीब, सोनू वालिया, गुल पनाग, साराह जेन डायस, नवनीत कौर ढिल्लन तक के नाम शामिल हैं। राहुल गांधी यह बताएं कि वे क्या इन महिलाओं को अल्पसंख्यक नहीं मानते?

उल्लेखनीय है कि इंद्रानी रहमान और फेरिअल करीम शादीशुदा होते हुए भी मिस इंडिया बनी थीं।

इंद्रानी की 6 साल की बेटी थी। इंद्रानी ने मिस इंडिया बनने के वर्षों पहले महज 15 साल की उम्र में हबीब रहमान नाम के आर्टिटेक्ट से 1945 में शादी की थी। ठीक उसी तरह फेरिअल करीम भारत-लेबनीज मूल की ईसाई थीं। वे शादी के बाद मुस्लिम बन गई थी, उसके बाद मिस इंडिया बनी थीं।

राष्ट्रीय एकता...

इसके विपरीत, भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों को न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए कोलकाता कांड के संदर्भ महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर गहरा दुख जताया और कहा कि अपराध करने वाले पापियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में उन 11 लाख नई लखपति दीदी को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया, जिन्होंने उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान इस लखपति दीदी का मुकाम हासिल किया है। पीएम मोदी ने 2,500 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड भी जारी किया। इससे 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभ होगा। पीएम मोदी ने 5,000 करोड़ का बैंक ऋण भी वितरित किया। इससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्य लाभान्वित होंगे।

समारोह के दौरान पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कोलकाता के महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद की गई नृशंस हत्या के संदर्भ में कहा, माताओं, बहनों और बेटियों को सशक्त करने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी देश की प्राथमिकता है। मैंने लाल किले से बार-बार इस मुद्दे को उठाया है। आज देश का कोई भी राज्य हो, मैं अपनी बहनों-बेटियों के दर्द और गुस्से को समझता हूं। मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से, हर राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक अक्षम्य पाप है। जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। किसी भी रूप में उसकी मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। अस्पताल हो, स्कूल हो, सरकार हो या पुलिस व्यवस्था, जिस भी स्तर पर लापरवाही हुई है, सबकी जवाबदेही होनी चाहिए, सबका हिसाब किया जाना चाहिए। ऊपर से नीचे तक संदेश बहुत स्पष्ट जाना चाहिए। यह पाप अक्षम्य है। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन महिलाओं के जीवन की रक्षा और उनके सम्मान की रक्षा, समाज के तौर पर और सरकार के तौर पर हम सबकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में देश की बहनें-बेटियां यहां हैं। मैं आपको ये विशेष रूप से बताना चाहता हूं। पहले शिकायतें रहती थीं कि समय पर एफआईआर दर्ज नहीं होती, सुनवाई नहीं होती, मामलों में देरी होती थी। हमने भारतीय न्याय संहिता में ऐसी अनेक रुकावटें हटा दी हैं। महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार को लेकर इसमें एक विस्तृत कानून बनाया गया है। अगर पीड़ित महिलाएं थाने नहीं जाना चाहतीं तो वो घर बैठे ही ई-एफआईआर दर्ज करा सकती हैं। हमने ये भी सुनिश्चित किया है कि थाना स्तर पर कोई भी ई-एफआईआर से छेड़छाड़ नहीं कर पाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नए कानूनों में नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए मृत्युदंड और आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। बेटियों के साथ शादी के नाम पर धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं। पहले इसके लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं था। अब भारतीय न्याय संहिता में भी शादी के झूठे वादे और धोखे को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार रोकने के लिए केंद्र सरकार हर तरह से राज्य सरकारों के साथ है। हमें भारतीय समाज से इस मानसिकता को खत्म करके ही रुकना होगा। इसलिए आज भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और इसमें महाराष्ट्र की बहुत बड़ी भूमिका है। महाराष्ट्र विकसित भारत का एक चमकता सितारा है।

पीएम मोदी ने सम्मेलन के दौरान 2,500 करोड़ रुपए के एक कोष का भी ऐलान किया, जिससे करीब 48 लाख सदस्यों वाले 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों को लाभ मिलेगा। सरकार का कहना है कि लखपति दीदी योजना की शुरुआत के बाद से एक करोड़ महिलाएं इस श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। योजना एक स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को सालाना एक लाख रुपए कमाने का लक्ष्य देती है। प्रधानमंत्री पांच हजार करोड़ रुपए के बैंक ऋण भी वितरित किए। इनसे देश के 2.35 लाख स्वयं सहायता समूहों की 25 लाख से ज्यादा सदस्यों को फायदा होगा।

जम्मू-कश्मीर ...

अपना खून का रिश्ता बताया। राहुल गांधी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला से मिले और फिर दोनों तरफ ये घोषणा की गई कि कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी साथ चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का यह रिश्ता पहले भी रहा है। इस रिश्ते पर सवाल पहले नहीं उठते थे। खासकर 2019 से पहले तो बिल्कुल भी नहीं। चूंकि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सोच एक जैसी रही है। बात चाहे पड़ोसी पाकिस्तान से रिश्तों को लेकर हो या आतंकवाद से निपटने को लेकर रही हो।

एक बार फिर जम्मू कश्मीर को उसी अग्नि में दोबारा झोंकने के लिए गिरोहबंदी हो रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बीते सोमवार 19 अगस्त 2024 को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। उन्होंने घोषणापत्र को नेशनल कॉन्फ्रेंस का विजन-डॉक्यूमेंट और शासन का रोडमैप बताया। घोषणापत्र में 12 व्यापक वादे किए गए हैं, जिनमें 2000 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा पारित स्वायत्तता प्रस्ताव के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए प्रयास करना शामिल है। नेशनल कॉन्फ्रेंस का घोषणा पत्र देखकर लगता ही नहीं कि ये किसी भारतीय राजनीतिक पार्टी का घोषणा पत्र है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणा पत्र की 12 गारंटियों को देखें तो आपको यह बात साफ-साफ ब्लैक एंड व्हाइट में दिखाई पड़ेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस का घोषणा पत्र कहता है, हम अनुच्छेद 370-35ए को बहाल करने और 5 अगस्त, 2019 से पहले की स्थिति में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रयास करते हैं। हम जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर सरकार के कामकाज के नियम, 2019 को फिर से तैयार करने का प्रयास करेंगे। जम्मू और कश्मीर के लोगों के भूमि और रोजगार के अधिकारों की रक्षा करेंगे, यानी पहले की तरह बाहरी (भारतीयों) लोगों पर बैन लगेगा। हम भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करेंगे, जो मोदी सरकार नहीं कर रही है। हम राजनीतिक कैदियों को एमनेस्टी देंगे। पीएसए और यूएपीए हटाएंगे और जिन पर आतंकवादी कृत्यों के आरोप हैं उन्हें माफी देकर जेल से रिहा करेंगे। आतंकवादियों को समर्थन देने वाले कर्मचारियों की अन्यायपूर्ण बर्खास्तगी खत्म कर उनकी बहाली की जाएगी।

स्पष्ट है कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का जम्मू कश्मीर में इरादा क्या है। नेशनल कॉन्फ्रेंस पाकिस्तान के साथ बातचीत को बढ़ावा देगी। घोषणा पत्र की यह घोषणा भारत सरकार को खुलेआम चुनौती दे रही है। अभी कुछ दिन पहले ही जून महीने में जम्मू-कश्मीर बार एसोसिएशन का 20 साल तक अध्यक्ष रहा मियां अब्दुल कयूम भट्ट गिरफ्तार हुआ। उसने आतंकवादियों की मदद से एक विरोधी वकील को रास्ते से हटवाया। वह कश्मीरी आतंकवादियों के केस लड़ता रहा है। अब नेशनल कॉन्फ्रेंस उसे राजनीतिक कैदी बताकर रिहा करेगी। यह तो महज एक उदाहरण है। आतंकवादियों का साथ देने वालरे सरकारी कर्मचारियों की बर्खास्तगी को अन्यायपूर्ण बताने वाला घोषणा पत्र राष्ट्रद्रोह की खुली घोषणा है। आतंकवाद से जुड़े मामलों की वजह से जिन कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है उनके पति, पत्नी, भाई, पिता घोषित आतंकवादी हैं। सरकार से मिलने वाली सैलरी वो आतंकवादियों को देते हैं। या फिर आतंकवादियों की मदद करने, उन्हें सूचना पहुंचाने और देश के खिलाफ काम करने के मामले में जिनकी सेवाएं समाप्त की गई हैं, नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनने पर उन्हें माफी दे दी जाएगी।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तीन चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। नतीजे 4 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। पहले चरण के लिए नामांकन 27 अगस्त, दूसरे चरण के लिए 5 सितंबर और तीसरे चरण के लिए 12 सितंबर से दाखिल किए जाएंगे। इस चुनाव में कश्मीरी प्रवासियों के लिए दिल्ली, जम्मू और उधमपुर में स्पेशल पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में कुल 90 निर्वाचन क्षेत्र हैं जिनमें से 74 जनरल, 9 अनुसूचित जाति और 7 अनुसूचित जनजाति के लिए हैं। केंद्रशासित प्रदेश में मतदाताओं की संख्या कुल 87.09 लाख हैं जिसमें 44.46 लाख पुरुष और 42.62 लाख महिला मतदाता हैं। जम्मू-कश्मीर में युवा मतदाताओं की संख्या 20 लाख है। पिछले साल दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को हटाया गया था। आखिरी विधानसभा चुनाव 2014 में 87 सीटों पर हुआ था, जिनमें 4 सीटें लद्दाख की थीं। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद सात विधानसभा सीटें बढ़ गई हैं। 90 विधानसभा सीटों में से 74 सामान्य, 7 एससी और 9 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार का कार्यकाल पहले 6 साल होता था, अब 5 साल का होगा।

सवाल ये नहीं है कि कौन सी पार्टी किसके साथ गठबंधन करेगी। सवाल नीतियों का है। एक तरफ कांग्रेस देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने का दंभ भरती है, तो उसके नेता और कार्यकर्ता, उसके राजनीतिक सहयोगी देश में सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक स्तर पर तोड़फोड़ और अलगाववादी नीतियां अपनाते हैं। दक्षिण में कांग्रेस की सहयोगी द्रमुक की बात करें तो वो सनातन परंपरा को ही मिटाने का संकल्प लेती है, तो उत्तर में नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को स्वायत्तता दिलाने, पाकिस्तान से बातचीत करने, आतंकवादियों को जेल से रिहा करने की बात करती है। ऐसी राष्ट्रविरोधी घोषणाएं करने वाले राजनीतिक दल के साथ कांग्रेस की रिश्तेदारी आने वाले खतरनाक दिलों की सनद है।

पीडीपी के घोषणा ...

पानी के लिए मीटर नहीं होने चाहिए। जिन गरीबों के घर में 1 से 6 लोग हैं, उनके लिए हम मुफ्ती मोहम्मद सईद योजना को फिर से लागू करना चाहते हैं। उन को मिलने वाला चावल और राशन काफी नहीं है। इसलिए हम गरीबों को साल में 12 सिलेंडर देंगे। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि हम वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन को भी दोगुना कर देंगे।

पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने कहा कि गठबंधन और सीट बंटवारा दूर की बातें हैं। अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारा एजेंडा अपनाने के लिए तैयार हैं, तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। हम उस सब का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए कश्मीर की समस्या का हल किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी है। जब हमने पहले भी गठबंधन किया था, तब भी हमारे पास एक एजेंडा था, जब हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया था, तब भी हमारे पास एक एजेंडा था जिस पर वे सहमत थे लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन एजेंडे पर नहीं हो रहा है, यह केवल सीट बंटवारे पर हो रहा है। हम ऐसा कोई गठबंधन नहीं करेंगे जिसमें सिर्फ सीट बंटवारे की बात हो। गठबंधन एजेंडे पर होना चाहिए और हमारा एजेंडा जम्मू-कश्मीर की समस्या का हल करना है।

अब जमात-ए-इस्लामी...

हम जमात के सदस्य के रूप में चुनाव नहीं लड़ सकते, लेकिन हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम लोकतंत्र और संविधान में विश्वास करते हैं। हमारे पास बहुत कम समय है, लेकिन हम जल्दी ही आजाद उम्मीदवार के रूप में अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर देंगे। हमने 10-12 सदस्यों को स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर उतारने का फैसला किया है। ये सीटें वहां की होंगी, जहां हमें लगता है कि हमें काफी समर्थन हासिल है। पहले चरण में प्रतिबंधित संगठन दक्षिण कश्मीर में कुलगाम, देवसर, बिजबेहरा, जैनपोरा, त्राल, पुलवामा और राजपोरा सहित करीब आधा दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ रहा है।

हिंदुओं से रंगदारी ...

वहां उनका कामकाज भी बंद हो गया है। वहीं मत्यपालन से जुड़ी कंपनी में काम करने वाले एक हिंदू शख्स ने बताया कि कंपनी का मालिक की धमकियों के कारण छिपा हुआ है। अब इनसे कहा जा रहा है कि अपने मालिक से पैसा निकलवाओ, वरना अब तुम्हारी गाय ले जाएंगे। धमकी देने वाले इनके जान-पहचान के ही लोग हैं, वो बीएनपी से जुड़े हुए हैं। वो सोना, पैसों और लड़कियों की मांग कर रहे हैं। पीड़ित हिंदू ने बताया कि बहुत सी लड़कियों की इज्जत लूटी गई है लेकिन वो बता नहीं पा रही हैं।

इस व्यक्ति ने भी बीएनपी वालों को पैसे दिए हैं। उन्होंने कहा कि नई सरकार पर हमें कोई भरोसा नहीं है, बांग्लादेश में हिंदुओं को अब नौकरी भी मिलने से रही। सरकार के लोग ही परेशान कर रहे हैं, फौज और पुलिस का कोई अता-पता नहीं है। एक प्राथमिक शिक्षक पर भी हमला हुआ है। उन्हें पलायन करना पड़ा। गांव के मंदिर की सुरक्षा करनी पड़ रही है। थानाधिकारी भी पीड़ित हिंदुओं से मुलाकात के लिए राज़ी नहीं हो रहे। कई थाने फ़ौज की मदद से चल रहे हैं। एक अन्य छात्र ने बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के घरों को चिह्नित कर लिया गया है और रंगदारी मांगी जा रही है। उक्त छात्र के माता-पिता बुजुर्ग हैं और चटगांव में रहते हैं। महाराष्ट्र के कॉलेज से इंजीनियरिंग कर ढाका में कार्यरत उक्त हिंदू छात्र के परिवार से बांग्लादेश छोड़ने के लिए कहा गया है। 5 लाख टका की मांग करने वाले ने खुद को फोन पर एक इस्लामी समूह का सदस्य बताया। अन्य हिंदुओं को भी ऐसे फोन कॉल्स आ रहे हैं।

भारत और अमेरिका...

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की थी। राजनाथ सिंह ने एक्स पर कहा, मेरे प्रिय मित्र अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ शानदार बैठक हुई। हमने मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की तथा इसे प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा था, आपूर्ति सुरक्षा व्यवस्था पर हस्ताक्षर तथा प्रमुख अमेरिकी कमान में भारतीय अधिकारियों की तैनाती के लिए समझौता ऐतिहासिक घटनाक्रम हैं। दरअसल, राजनाथ सिंह दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार (22 अगस्त) को अमेरिका पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत की।

लैंड जेहाद की...

वे परिवारों को डराते हैं और फिर उनकी जमीन हड़प लेते हैं। धींग का पवित्र शहर और हाल ही में एक हिंदू नाबालिग के खिलाफ अपराध की जगह पर कभी 90 प्रतिशत हिंदू आबादी थी। आज यहां 90 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

21 अगस्त को मीडिया से बातचीत के दौरान शाह आलम नाम के एक ऑनलाइन मीडिया के पत्रकार ने सीएम सरमा से सवाल पूछा। आलम ने पूछा था कि क्या राज्य सरकार ने उनके जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंडकाटा में पहाड़ियों की कटाई के खिलाफ कोई कार्रवाई की है। इस पर सीएम सरमान ने आलम से कहा कि अगर उनके पास पहाड़ी काटने का वीडियो फुटेज है तो उसे साझा करें। उन्होंने कहा कि अगर पहाड़ी कट रही है तो उसे रोकना होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मंडकाटा पहाड़ी की कटाई गुवाहाटी में अचानक आई बाढ़ का कारण नहीं हो सकती।इस दौरान सीएम ने पत्रकार से उसका नाम पूछ लिया। पत्रकार ने अपना नाम भी बताया। इसके बाद उन्होंने एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी का नाम लिया, जिसके संस्थापक एवं चांसलर एक मुस्लिम महबूबुल हक हैं। इससे पहले सरमा ने गुवाहाटी में बाढ़ के लिए इस यूनिवर्सिटी को भी जिम्मेवार बताया था। उन्होंने कहा था कि मेघालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के परिसर के निर्माण के लिए वनों की बड़े पैमाने पर कटाई की गई, जिसके कारण गुवाहाटी में अचानक बाढ़ आई। उन्होने कहा था कि विश्वविद्यालय के द्वार मक्का (सऊदी अरब का इस्लामी शहर) जैसे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) का दरवाजा खटखटाने की बात कही थी। इस मामले को वामपंथी और इस्लामी गैंग के साथ-साथ विपक्षी दलों ने सांप्रदायिक बताकर खूब उछाला। कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा था, असम के मुख्यमंत्री ने जो कहा वह अस्वीकार्य और निंदनीय है।

भाजपा में शामिल...

ऐसे में विधानसभा चुनाव के लिहाज से सारी जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं पर आ गई है। यह देखना भी अहम होगा कि क्या दिल्ली के सीएम विधानसभा चुनाव से पहले जेल से बाहर आ भी पाते हैं या नहीं।

घर में श्रीमद्भागवत गीता रखने का सही नियम क्या है?

गलत ढंग से रखने से होता है अनिष्ट

शास्त्र की मानें तो श्रीमद्भागवत गीता को घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का एहसास होता है । रोजाना गीता का पाठ करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है।

जीवन की सभी उलझनों का उत्तर गीता में प्रमाण के साथ दिया गया है। वही जिन घरों में नियम के साथ गीता की पूजा पाठ की जाती हैं उन घरों में मां लक्ष्मी और भगवान कृष्ण की कृपा बनी रहती है। किंतु गीता को घर में रखने के कुछ नियम होते हैं जिनकों नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

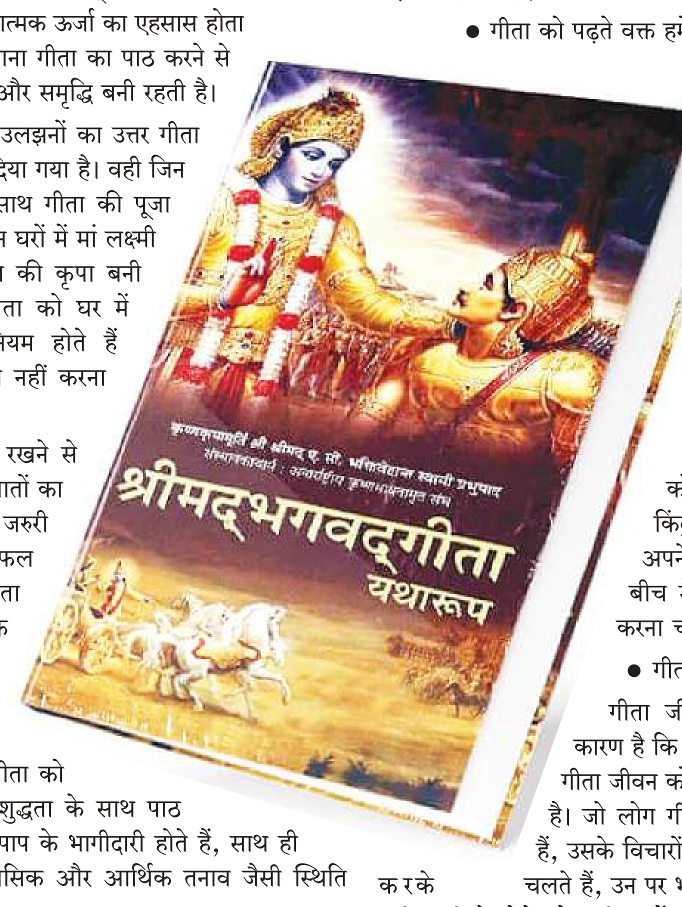

● घर में गीता रखने से पहले कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना बेहद जरुरी है, तभी इसका फल प्राप्त होता है। गीता पवित्र ग्रंथों में से एक है इस वजह से इसे साफ जगह पर रखनी चाहिए।

● अगर आप गीता को बिना नहाए या अशुद्धता के साथ पाठ करते हैं, तो आप पाप के भागीदारी होते हैं, साथ ही साथ आप पर मानसिक और आर्थिक तनाव जैसी स्थिति बनी रहती है।

● श्रीमद्भागवत गीता को पढ़ते वक्त सदैव पूजा की चौकी या फिर काठ का प्रयोग करना चाहिए। इसे भूमि पर रखकर पढ़ना नहीं चाहिए।

● गीता को पढ़ते वक्त हमेशा अपने ही आसन का प्रयोग करना चाहिए। दूसरों का आसन ग्रहण करने से पूजा पाठ का असर कम हो जाता है। साथ ही पाठ शुरु करने से पहले भगवान श्री कृष्ण का और गणेश जी का स्मरण करना चाहिए।

● गीता को पढ़ने का कोई निश्चित समय नहीं हैं। किंतु जिस भी अध्याय को अपने शुरु किया है तो उसे बीच में छोड़ने की जगह पूरा करना चाहिए।

● गीता का जीवन में महत्व

गीता जीवन का सार है। यही कारण है कि ये आज भी प्रासंगिक है। गीता जीवन को जीने की कला सीखाती है। जो लोग गीता के वचनों पर चलते हैं, उसके विचारों को जीवन में आत्मसात करके चलते हैं, उन पर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा बनी रहती है, ऐसे लोग जीवन में अधिक तरक्की प्राप्त करते हैं और समाज को भी जागरूक बनाने में सहयोग प्रदान करते हैं। गीता व्यक्ति को श्रेष्ठ कर्म करने के लिए प्रेरित करती है।

धन को चुंबक की तरह खींचता है ये पौधा

घर में लगाते ही होने लगती है आर्थिक तरक्की

हिंदू धर्म शास्त्रों में पीपल का पेड़, बरगद का पेड़, आंवला, समी और केले के पेड़ सहित कई ऐसे पौधे हैं जिनमें सभी देवी देवताओं का वास होता है और जिनकी पूजा भी की जाती है और यह पौधे हमारे नौ ग्रहों से संबंध भी रखते हैं और हमारे कुंडली के दोष दूर करते हैं लेकिन वास्तुशास्त्र के हिसाब से जो पेड़ पौधे घर के लिए शुभ होते हैं वही घर की नकारात्मक ऊर्जा को बाहर करते हैं और उन्हें लगाने का उद्देश्य घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराना और सुख समृद्धि का वास कराना होता है और यही पौधे हमारे घर में मौजूद वास्तुदोष को भी खत्म कर देते हैं। ये चुंबक की तरह धन खींचने के नाम से प्रसिद्ध इस पौधे का नाम मनी प्लांट है। ये ऐसा पौधा है जो आपको भारत में लगभग हर एक घर में लगा हुआ दिख जाएगा। कहा जाता है कि अगर आप पैसे वाला होना चाहते हैं या फिर पैसे से जुड़ी हुई समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो मनी प्लांट लगाना आपके लिए बेहद शुभ होता है। यह पौधा धन को अपनी तरफ खींचता है।

अगर आप चाहते हैं कि आपका मनी प्लांट आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा भर दे और आपके घर के वास्तु दोष को खत्म करके आपको पूरा फल दे तो इसके लिए मनी प्लांट को हमेशा घर में सही तरीके से लगाना चाहिए वरना आपको पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

सबसे पहले मनी प्लांट को सही दिशा में लगाना जरूरी है तो मनी प्लांट लगाने की जो सही दिशा बताई गई है वह पूर्व दक्षिणी दिशा और पश्चिम दिशा है। मनी प्लांट को हमेशा पूर्व दक्षिणी दिशा और पश्चिम दिशा में ही लगाना चाहिए पूर्व दक्षिण और पश्चिम दिशा मणि प्लांट के लिए सबसे उत्तम दिशा मानी गई है क्योंकि घर में दक्षिण दिशा नकारात्मक की दिशा होती है तो अगर आप पौधे को इस दिशा में लगाते हैं तो यह है आपको इसके शुभ परिणाम दे सकता है। दक्षिणी दिशा से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को यह पौधा सकारात्मक ऊर्जा में बदल देगा और आपके परिवार में कोई भी बुरी घटना नहीं होगी। अपने घर के मनी प्लांट को घर में मुख्य दरवाजे के पास रखें। आप चाहें तो मनी प्लांट को आप अपनी छत पर भी रख सकते हैं लेकिन सही दिशा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अगर आपके घर में मनी प्लांट लगा हुआ है तो मनी प्लांट को कभी भी सूखने ना दें। अगर आपका मनी प्लांट घर में सूख जाता है तो उसे तुरंत हटाकर बाहर कर दें क्योंकि मनी प्लांट का पौधा आपके लिए तभी तक शुभ होता है जब तक वह हरा भरा रहता है। सूखे हुए मनी प्लांट को अपने घर में रखने से आपकी तरक्की में बाधाएं आएंगी और आपको पैसे से जुड़ी हुई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

मनी प्लांट की बेल को हमेशा ऊपर की तरफ और बाहर की तरफ ही रखें और हमेशा मनी प्लांट से एक धागा या रिबन बांध दें। यह एक बेल होती है तो आप जितना ऊंचा धागा बांध देंगे यह उतना ही ऊपर जाएगा और मनी प्लांट का ऊपर की तरफ बढ़ना आपके कार्य और व्यापार में तरक्की को दर्शाता है।

सोमवती अमावस्या : इस दिन धरती पर आएंगे पितर

करें ये उपाय प्रसन्न होकर भर देंगे झोली

पूर्णिमा तिथि की तरह अमावस्या की तिथि भी बेहद खास होती है। उसमें से अगर सोमवती अमावस्या हो तो अमावस्या और भी खास होता है। यह साल में एक से दो बार ही आती है। वहीं भाद्रपद महीने की अमावस्या सोमवार को पड़ने के कारण सोमवती अमावस्या है।

सोमवती अमावस्या के दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु कामना के लिए व्रत भी रखती है। अमावस्या के दिन पितृ धरती पर उतरते हैं। इसलिए इस दिन पितृ तर्पण का भी विधान है। इसके साथ ही सोमवती अमावस्या के दिन अगर आप कुछ उपाय कर लेते हैं तो आपके पितृ प्रसन्न हो जाएंगे। इससे वंश पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते है। क्या उपाय करना चाहिए? ज्योतिषाचार्य ने कहा कि इस साल 2 दिन अमावस्या की तिथि पड़ने जा रही है। 2 सितम्बर और 3 सितम्बर है। लेकिन सोमवती अमावस्या पूरा दिन भर 2 सितम्बर को रहने के कारण व्रत भी इसी दिन रखा जाएगा। अगले दिन यानी 3सितम्बर सुबह 6बजकर 20 मिनट तक ही अमावस्या तिथि रहने वाली है। उसके बाद ही स्नान दान करके पारण करें। ज्योतिषाचार्य बताते है कि अमावस्या के दिन पितृ तर्पण अवश्य करना चाहिए। अगर उसमें से भी सोमवती अमावस्या का दिन हो तो नाराज पितृ को कुछ उपाय कर प्रसन्न कर सकते हैं। इस दिन पितृ धरती पर रहते हैं। पितृ अगर प्रसन्न हो जाते हैं। घर में हमेशा खुशहाली आती है। कभी भी पारिवारिक कलह नहीं होती है। इसके साथ ही वंश पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं अगर पितृ नाराज हो तो हमेशा घर में स्वास्थ्य की समस्या, पारिवारिक कलह,आर्थिक समस्या जैसी स्थिति बनी रहेगी। ज्योतिषाचार्य पंडित नन्द किशोर मुदगल बताते हैं कि सोमवती अमावस्या के दिन अहले सुबह पीपल पेड़ के जड़ मे जल में काला तिल डालकर अवश्य अर्पण करना चाहिए। वहीं संध्या के समय तिल के तेल का दिया अवश्य जलाएं। इसके साथ ही सोमवती अमावस्या के दिन पितृ तर्पण करे साथ ही पितृ के नाम से ब्राह्मण भोजन अवश्य कराये साथ ही सफेद वस्तु जैसे चीनी, चावल,सफेद वस्त्र का दान करें।ऐसा करते हैं तो पितृ प्रसन्न होंगे।

भाग्यशाली पुरुषों में दिखते हैं ये लक्षण

हर लड़की चाहती है कि शादी के बाद उसको जीवन में हर तरह का ऐशो आराम मिले। ये सुख कई बार आपको अपनी किस्मत से तो कई बार अपने पति की किस्मत से मिलता है। अगर आपकी शादी नहीं हुई है और आप एक अच्छे वर की तलाश में हैं तो आप भाग्यशाली पुरुषों के कुछ लक्षणों के बारे में जान लें। वैसे ये सिर्फ अच्छे जीवनसाथी ही नहीं बल्कि अच्छे बिज़नेस पार्टनर भी साबित होते हैं। जो लोग इनके साथ जुड़ते हैं उन्हे भी तरक्की मिलने लगती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि जैसे महिलाओं के कुछ विशेष लक्षण होते हैं, वैसे ही पुरुषों के भी कुछ खास लक्षण होते हैं जो उनके भविष्य, भाग्य और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। आज हम आपको पुरुषों के शरीर के उन हिस्सों और निशानों के बारे में बताएंगे जो उन्हें भाग्यशाली और धनवान होने का संकेत देते हैं।

जिन पुरुषों की जांघें लंबी, मोटी और मांसल होती हैं, वे जीवन में भाग्यशाली होते हैं। मजबूत जांघों वाल -पुरुष धन-संपत्ति और सुख-सुविधाएं प्राप्त करने वाले होते हैं।

-अगर किसी पुरुष के पैर कोमल, मांसल और लाल रंग के होते हैं और उनके पैरों पर पसीना नहीं आता तो वे भी सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करते हैं। ऐसे पुरुष बहुत आराम का जीवन जीते हैं।

ऐश से जीती है इनकी बीवी

- ऐसे पुरुष जिनकी हथेली के बीच में तिल होता है, तो समुद्र शास्त्र के अनुसार वह व्यक्ति जीवन में वाहन सुख, मान-सम्मान और धन की कोई कमी नहीं अनुभव करता।

- जिन पुरुषों की गर्दन छोटी और सामान्य होती है, वे जीवन में धनवान और सफल होते हैं। उनका भाग्य उन्हें कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दिलाता है।

- पुरुष की तर्जनी (अंगूठे के पास वाली उंगली) अंगूठे से बड़ी होती है तो ऐसे व्यक्ति को जीवन में सुख और समृद्धि प्राप्त होती है।

- किसी पुरुष की पीठ कछुए की पीठ जैसी दिखाई देती है तो वह व्यक्ति बहुत भाग्यशाली और धनवान होता है।

- जिस पुरुष की नाभि गहरी और गोल होती है, वह जीवन में सभी सुखों का आनंद लेता है और उसका भाग्य हमेशा उसका साथ देता है।

- किसी पुरुष की सबसे छोटी उंगली अंगूठे से बड़ी होती है, तो वह व्यक्ति बेहद धनी और सफल होता है।

इसके अलावा, जिन पुरुषों की छाती पर बाल होते हैं वे अन्य पुरुषों की तुलना में अधिक बुद्धिमान और समझदार होते हैं। ऐसे पुरुषों को महिलाएं अधिक पसंद करती हैं क्योंकि ये पुरुष रिश्तों को निभाने में पीछे नहीं हटते हैं और वफादार होते हैं।

ये पुरुष बहुत मेहनती होते हैं और किसी को धोखा देने के बारे में कभी नहीं सोचते हैं और छाती पर बाल वाले पुरुष बड़े ही शांत स्वभाव के होते हैं। वे किसी का बुरा नहीं सोचते और हमेशा दूसरों की भलाई के बारे में ही विचार करते हैं।

सितंबर में वाहन खरीदने के लिए मिलेंगे बस ये 6 शुभ मुहूर्त, नोट कर लें डेट

सितंबर का महीना वाहन खरीदने के लिए कितना शुभ है ये आप पंचांग देखकर भी जान सकते हैं। अगर आप सितंबर के महीने में मोटर बाइक, स्कूटर, कार, बस या ट्रक जैसा कोई भी वाहन लेने का प्लान बना रहे हैं तो शुभ डेट नोट कर लें। अगर लोग किसी शुभ दिन खरीदा जाए तो उसे चलाने वाले चालक के ना सिर्फ सभी कार्य बनने लगते हैं बल्कि उस वाहन से किसी भी तरह की कोई भी अशुभ घटना भी होने से बचती है। नवरात्र आने से पहले लोग जमकर खरीदारी करते हैं। हालांकि इस साल 16 सितंबर के बाद से पितृ पक्ष की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में आपके पास सिर्फ 15 दिन ही होंगे और उनमें से भी सिर्फ 6 दिन ऐसे हैं जब आप वाहन खरीद सकते हैं। ये शुभ तिथियां कौन सी हैं और उस दिन वाहन लेने का शुभ समय क्या है आइए सब जानते हैं।

सितम्बर 5, 2024, बृहस्पतिवार : शुभ वाहन क्रय मुहूर्त
मुहूर्त: दोपहर 12:21 से 06 सितम्बर को प्रातः 06:02 तक
नक्षत्र: हस्त, तिथि: तृतीया

सितम्बर 6, 2024, शुक्रवार : शुभ वाहन क्रय मुहूर्त
मुहूर्त: प्रातः 06:02 से अपराह्न 03:01 तक
नक्षत्र: हस्त, चित्रा, तिथि: तृतीया

सितम्बर 8, 2024, रविवार : शुभ वाहन क्रय मुहूर्त
मुहूर्त: प्रातः 06:03 से अपराह्न 03:31 बजे तक
नक्षत्र: स्वाती, तिथि: पञ्चमी

सितम्बर 9, 2024, सोमवार : शुभ वाहन क्रय मुहूर्त
मुहूर्त: सायं 06:04 से रात्रि 09:53 बजे जक
नक्षत्र: अनुराधा, तिथि: षष्ठी

सितम्बर 15, 2024, रविवार : शुभ वाहन क्रय मुहूर्त
मुहूर्त: सायं 06:12 से 16सितम्बर अपराह्न 03:10 बजे तक
नक्षत्र: धनिष्ठा, तिथि: त्रयोदशी

किचन में छुपाकर रखें तवा, वास्तु के 3 नियमों का करें पालन

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का अत्यधिक महत्व बताया गया है। घर बनाना हो, घर में किचन बनाना हो, स्नान घर बनाना हो, दुकान हो, नया वाहन हो आपके जीवन से जुड़ी कोई भी चीज या कार्य हो इसके लिए वास्तु में कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने पर आपके जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। इसी प्रकार किचन में तवा को लेकर भी वास्तु शास्त्र में कई सारी बातों का उल्लेख है। आपको बता दें कि, घर के किचन में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। ऐसे में यहां रखी किसी भी वस्तु का बड़ा ही ध्यान रखा जाता है। खास तौर पर तवा रखते समय कई सारी बातों का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि वास्तु शास्त्र के अनुसार जीवन में चल रही परेशानियों का कारण रसोई में इस्तेमाल होने वाला तवा भी हो सकता है। आइए जानते हैं ।

वास्तु के अनुसार, तवा को कभी भी खुले में नहीं रखना चाहिए। इसे हमेशा ऐसी जगह रखना चाहिए जिससे कि किसी बाहरी व्यक्ति की नजर उस पर ना पड़े। क्योंकि वास्तु शास्त्र के अनुसार आपके किचन में तवा को किसी बाहरी व्यक्ति को दिखाने से बचना चाहिए क्योंकि, घर के अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की सीधी नजर अशुभ मानी जाती है।

आप जब भी तवा का उपयोग कर रहे हैं तो उस पर चुटकी भर नमक डाल दें। ऐसा माना जाता है कि यह आपके घर की नकारात्मकता को दूर करता है। साथ ही ऐसा करने से आपके शरीर पर भोजन का किसी भी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा इससे आपके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवा को रखने के लिए आपको हमेशा दाहिनी तरफ का बर्नर का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके जीवन में सकारात्मकता लाता है। साथ ही इस बात का भी ख्याल रखें कि उपयोग होने के बाद तवा को खाली ना छोड़ें और इसे तुरंत उतारकर और साफ करके रख दें। इस जब भी उपयोग में लें इसे धोना या साफ करना ना भूलें।

आज से चमकेगी पांच राशियों की किस्मत, होंगे मालामाल

भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि भगवान शिव के दिन सोमवार 26 अगस्त, 2024 को कई सालों बाद अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि के चंद्रमा के गोचर में भगवान कृष्ण का जन्मदिन 'जन्माष्टमी' मनाया जाएगा। चंद्रमा में वृषभ राशि होने और रोहिणी नक्षत्र में गोचर करने से एक विशेष 'जयंती योग' निर्मित हो रहा है।

साथ ही गुरु-चंद्र युति के कारण गजकेसरी योग का भी निर्माण हो रहा है। इसीलिए इस वर्ष की जन्माष्टमी सुख, समृद्धि और मनोवांछित फल देने वाली मानी जा रही है। इस महासंयोग का सकारात्मक असर सभी राशियों पर पड़ने वाला है, लेकिन 5 राशियों के लिए यह बेहद खास सिद्ध होगा। आइए जानते हैं, ये भाग्यशाली राशियां कौन-सी हैं?

मेष राशि :- आपका मन शांत रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी में स्थिरता आएगी। व्यापार में वृद्धि होगी। करियर में सफलता मिलेगी। धन लाभ होने के योग हैं। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मधुर होंगे। लव लाइफ में रोमांच रहेगा।

कर्क राशि :- आपका मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। व्यापार में लाभ होने की संभावना है। पढ़ाई में मन लगेगा और अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लव लाइफ में मधुरता आएगी।

तुला राशि :- आपका मन शांत रहेगा और आप आत्मविश्वासी महसूस करेंगे। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। व्यापार में लाभ होगा। करियर में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लव लाइफ में पार्टनर से नजदीकियां बढ़ेंगी।

धनु राशि :- आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप उत्साहित रहेंगे। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। व्यापार में अच्छा-खासा लाभ होगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मधुर होंगे। लाइफ पार्टनर के साथ बाहर घूमने जाने का मौका मिलेगा।

मीन राशि :- आपका मन प्रसन्न रहेगा और रचनात्मकता बढ़ेगी। प्राइवेट जॉब करने वालों को प्रमोशन मिलने के योग है। कारोबार में आपके उचित प्रयास में बंपर लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने के अवसर मिलेंगे। लव लाइफ में जिंदगी की मिठास बढ़ेगी।

कश्मीर में शूट होगी अल्फा

मुंज्या फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ को बेसब्री से इंतजार

मुंज्या फेम अभिनेत्री शरवरी वाघ अल्फा में अहम किरदार अदा करती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कश्मीर के कुछ लोकेशन्स पर होगी। एक्ट्रेस शरवरी इसे लेकर खासा उत्साहित हैं।अभिनेत्री शरवरी वाघ ने कहा, वह कश्मीर के खूबसूरत इलाकों में शूटिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और आलिया भट्ट अभिनीत आगामी फिल्म अल्फा के लिए यह एक रोमांचक शेड्यूल होगा।बताया जा रहा है कि अल्फा टीम अपने दूसरे शेड्यूल के लिए कश्मीर जा रही है और फिल्म की शूटिंग 26 अगस्त से कश्मीर घाटी में शुरू होगी।शरवरी ने अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बताया, मैं अल्फा के सेट पर जाने के लिए बेताब हूं और कश्मीर में होने वाली वाली शूटिंग का इंतजार कर रही हूं।

मैं यही बात सोचकर रोमांचित हूं कि यह शेड्यूल बहुत एक्साइटेड होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलेगी, इसलिए हम सब कश्मीर के लिए पूरी तरह तैयार हैं।उन्होंने फिल्म के सेट को लेकर अपनी उत्सुकता का भी इजहार किया। कहा, मैं अल्फा के सेट पर बेहद ऊर्जावान रहती हूं। मैं इस दौरान हर चीज को सीखने और बेहतर बनाने की कोशिश करती हूं। अपने करियर में इतनी जल्दी इस तरह का अवसर हासिल करना वास्तव में मेरे लिए एक आशीर्वाद है।

मुझे इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है, इसमें हमारी फिल्म इंडस्ट्री के मेगास्टार्स हैं।बता दें कि शरवरी हाल ही में हॉरर-कॉमेडी मुंज्या में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 100 करोड़ रुपए कमाए थे। इसके अलावा वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज महाराज और जॉन अब्राहम के साथ वेदा फिल्म में भी नजर आई थीं।

सुपरहीरो तेजा सज्जा का प्रशंसकों को बड़ा तोहफा

मिराय का नया पोस्टर जारी

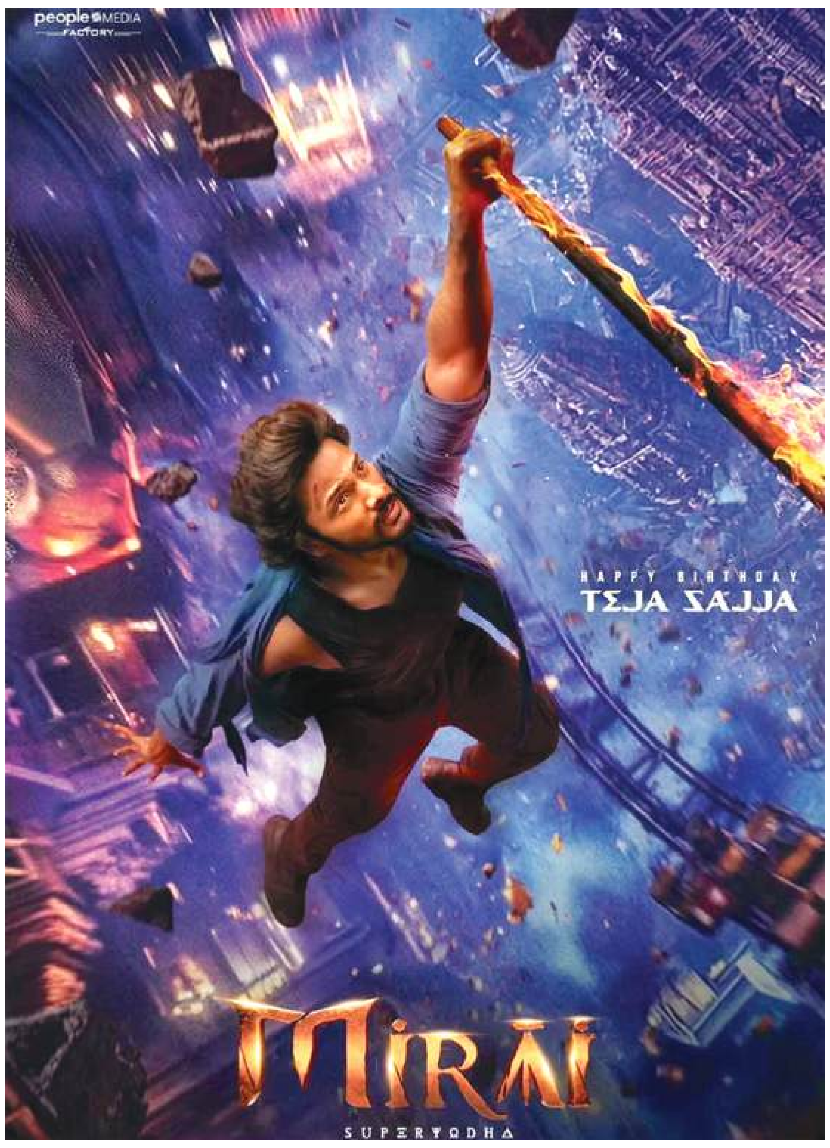

प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी पैन इंडिया फिल्म हनुमान ने तेजा सज्जा को सुपरस्टार बना दिया। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद अब वे अपनी अगली फिल्म से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अप्रैल, 2024 में उनकी अगली पैन इंडिया फिल्म मिराय की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता का पोस्टर भी जारी किया था। वहीं, अब दशकों का उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से तेजा सज्जा का नया पोस्टर जारी कर दिया है।एक ओर तेजा सज्जा मिराय के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। अभिनेता के 30वां जन्मदिन के खास मौके पर मिराय के निर्माताओं की ओर से उन्हें खास तोहफा मिला है। निर्माताओं ने अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म से उनका एक धांसू पोस्टर जारी किया है, जिसमें तेजा सज्जा दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं।पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने अभिनेता को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी हैं। पोस्टर में तेजा सज्जा एक जलती हुई लोहे की छड़ को पकड़कर खुद को गिरने से बचाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि ऊपर से पत्थरों के टुकड़े गिर रहे हैं। खतरनाक स्थिति में फंसे होने के बावजूद वे बहुत ही शांत दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में एक प्राचीन मंदिर है। यह पोस्टर एक्शन मूवी के दीवानों और आम लोगों को भी उत्साहित कर रहा है।यह फिल्म भारी भरकम बजट के साथ बनाई जा रही है और पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित की जा रही है। फिल्म का निर्देशन ईगल फेम कार्तिक घट्टामनेनी निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म हिंदी समेत आठ भाषाओं में रिलीज की जाएगी, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नण, मलयालम, बंगाली, मराठी और चाइनीज भाषा शामिल है। फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वेट्टैयन से रजनीकांत का सुपरकॉप लुक आउट

कंगुवा, जिगरा समेत इन फिल्मों से दशहरा पर भिड़ेगी थलाइवा की फिल्म

थलाइवा रजनीकांत स्टारर अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म वेट्टैयन रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म जेलर स धमाका करने बाद रजनीकांत अब फिल्म वेट्टैयन से बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर रूल करने के लिए तैयार हैं। टीजे ज्ञानवेल के डायरेक्शन में तैयार हुई फिल्म वेट्टैयन से आज रजनीकांत का न्यू लुक पोस्टर रिलीज हुआ है। इस पोस्टर में रजनीकांत को खाकी वर्दी में देख जा रहा है। वहीं, फिल्म वेट्टैयन से रजनीकांत का धांसू लुक शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया गया है। बता दें, इस फिल्म में रजनीकांत के साथ सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं।फिल्म वेट्टैयन के पोस्टर में रजनीकांत के लुक की बात करें तो इसमें थलाइवा टू स्टार आईपीएस की वर्द पहने अपने इंटेंस लुक में दिख रहे हैं। रजनीकांत की आंखों पर काला चश्मा चढ़ा हुआ है। पोस्टर पर फिल्म वेट्टैयन की रिलीज डेट भी लिखी हुई है। फिल्म 10 अक्टूबर 2024 दशहरा के मौके पर रिलीज होगी। रजनीकांत ने एक आध्यात्मिक दौरे पर

फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया था, जिस पर अब वेट्टैयन के मेकर्स ने मुहर लगा दी है।बता दें, वेट्टैयन के अलावा 10 अक्टूबर 2024 को बॉक्स ऑफिस पर सूर्या और बॉबी देओल स्टारर मच अवेटेड फिल्म कंगुवा और बॉलीवुड की स्टार एक्ट्रेस आलिया भट्ट, वेदांग रैना की फिल्म जिगरा और राजकुमार राव, तृप्ति डिमरी की कॉमेडी ड्रामा फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी रिलीज होगी। वेट्टैयन का निर्माण लाइका प्रोड्क्शंस द्वारा किया गया है। फिल्म में रजनीकांत के अलावा अमिताभ बच्चन, राणा दग्गुबती, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, मंजू वॉरियर, फहाद फासिल अहम सपोर्टिंग रोल में नजर आएंगे।

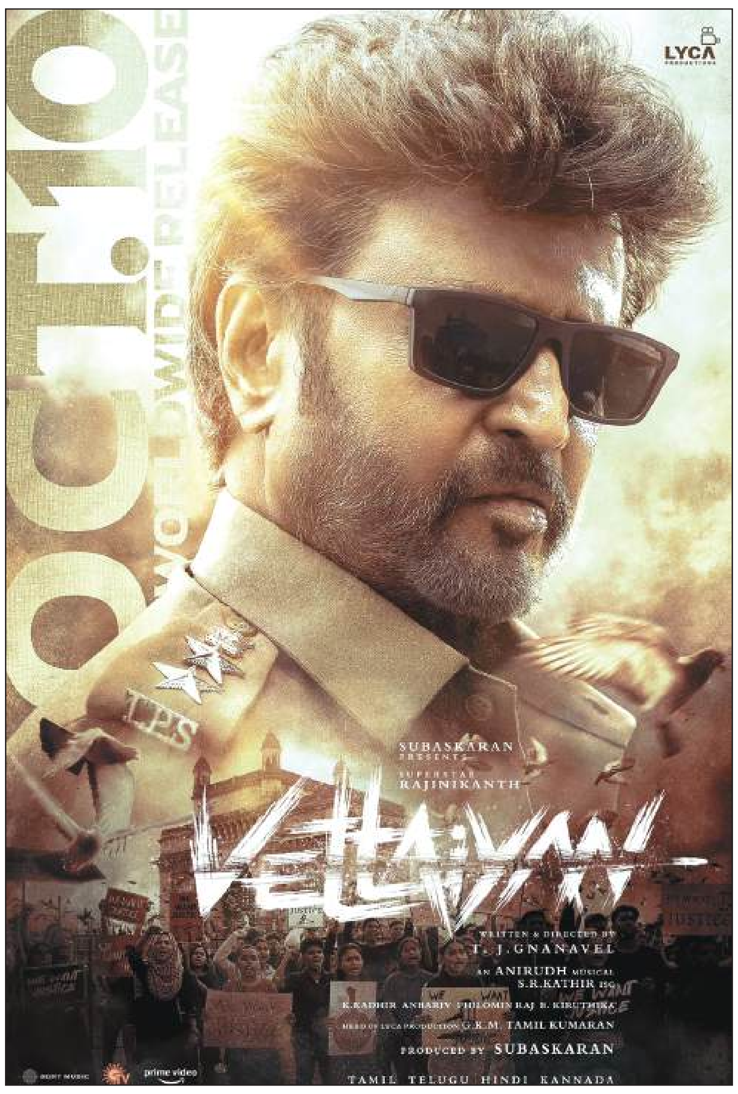

पर्पल साड़ी पहने हुए एक्ट्रेस अवनीत कौर ने दिखाईं कातिल अदाएं

एक्ट्रेस अवनीत कौर लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग के दम पर लोगों के बीच अपनी खास पहचान बना ली है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका एथनिक लुक देखकर फैंस उनके कातिलाना अंदाज की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की थी और अब बेहद ही कम उम्र में एक्ट्रेस ने लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना ली है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है, जिसमें उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस एथनिक लुक में फैंस के बीच कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि वो जब भी अपनी फोटोज लोगों के बीच शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अवनीत कौर की इन लेटेस्ट तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देते हुए कहर ढा दिया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पर्पल कलर की नेट साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बोल्ड एंड ब्यूटिफुल नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके लुक को फॉलो करते हैं।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

सुधीर बाबू-प्रेरणा अरोड़ा की पैन-इंडिया फिल्म जटाधारा का पहला लुक हुआ जारी

सुधीर बाबू की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म जटाधारा का पहला लुक रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म एक सुपरनैचुरल-मिस्ट्री थ्रिलर है, जिसे निर्देशक वेंकट कल्याण द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। जटाधारा फिल्म की कहानी को रहस्य और अलौकिक तत्वों के साथ गढ़ा गया है, जो दर्शकों को रोमांचित करने का वादा करती है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही हैदराबाद में शुरू होने वाली है। इस फिल्म का निर्माण शिविन नारंग, प्रेरणा अरोड़ा, निखिल नंदा और उज्ज्वल आनंद द्वारा किया जा रहा है, और यह फिल्म एसएसकेजी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। पहले लुक में सुधीर बाबू का अनोखा अवतार देखने को मिला है, जो दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। सुधीर बाबू का यह पैन-इंडिया प्रोजेक्ट उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है, और इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं।फिल्म के पहले लुक ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है, जिसमें फिल्म के दिलचस्प कथानक को दिखाया गया है और एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव के लिए मंच तैयार किया गया है। मुख्य भूमिका में सुधीर बाबू और पर्दे के पीछे एक प्रतिभाशाली टीम के साथ, जटाधारा पूरे भारत में दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार है।जैसे-जैसे निर्माण आगे बढ़ेगा, प्रशंसक और उद्योग के अंदरूनी लोग इस रोमांचक नई परियोजना के बारे में अधिक जानकारी और अपडेट का बेसब्री से इंतजार करेंगे। फिल्म में रहस्य और अलौकिकता का मिश्रण एक आकर्षक कथा और अभिनव कहानी कहने की क्षमता प्रदान करेगा।

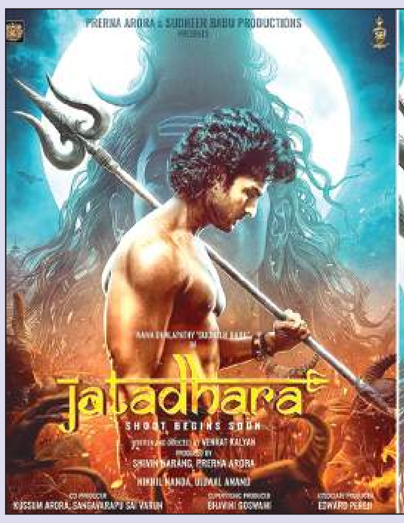

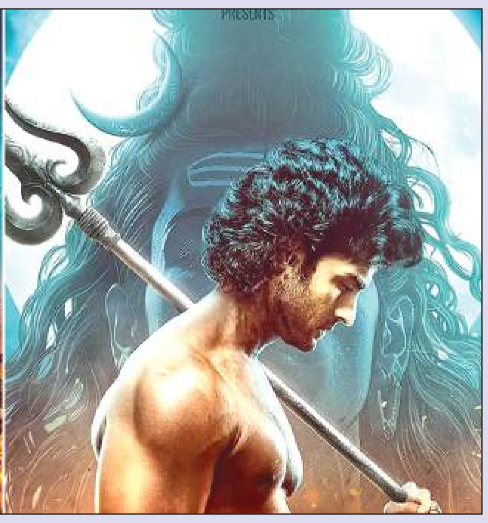

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिज़ूल के कामों पर वक़्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएं । इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालांकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। इस राशि के युवाओं को आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएं जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है- क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएं जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 26 अगस्त 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 02:12 तक
नक्षत्र : कृतिका दोपहर 03:55 तक
योग : व्याघात रात्रि 10:15 तक
करण : बालव दोपहर 02:57 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत , कालाष्टमी , श्री जाम्भोजी जयंती विश्नोई पंथ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस को चार अक्टूबर के बाद दिखाएंगे असली फिल्म, यह तो ट्रेलर है : सीएम नायब

सोनीपत, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सोनीपत के गांव सनपेड़ा में जोगी समाज द्वारा आयोजित हरियाणा स्वाभिमान रैली को संबोधित किया। रैली के दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि अभी तो यह सिर्फ ट्रेलर है, असली फिल्म 4 अक्टूबर को मतगणना के बाद दिखाई जाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गैस सिलेंडर 500 रुपये में चाहिए तो उन्हें बीपीएल कार्ड बनवाना पड़ेगा। सैनी ने कहा कि भाजपा कांग्रेस को दिखाएगी कि असल में सरकार कैसे चलाई जाती है।

मुख्यमंत्री सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के लोगों ने देख लिया है कि बीसी समाज के बेटे ने क्या काम करके दिखाया है।

उन्होंने जोगी समाज के लोगों की आजादी के संघर्ष में दी गई कुर्बानियों को याद किया और कहा कि जोगी समाज ओबीसी समाज का ही एक हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी समाज का शोषण किया है, जबकि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समाज को अधिकार दिए हैं। सैनी ने यह भी कहा कि ओबीसी बिल को संसद में लाने पर सबसे पहले कांग्रेस ने ही विरोध किया था। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में आचार संहिता लागू हो चुकी है, वरना और भी विकास कार्य करके विपक्ष को दिखाया जा सकता था। उन्होंने यह दावा किया कि भाजपा चुनावों के बाद कांग्रेस को दिखा देगी कि असली काम कैसे होता है। हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पूरी तरह से एक्शन मोड में है, और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सोनीपत में कई बड़े कार्यक्रमों में भाग लिया। जोगी समाज के कार्यक्रम के बाद, मुख्यमंत्री सैनी शाम 4 बजे गोहाना में होने वाली जन आशीर्वाद रैली को भी संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा और अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

बस ने श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को मारी टक्कर, 4 की मौत, 18 घायल

हांसी, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के धौलपुर से गोगामेड़ी दर्शन करने के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस ने आगे चल रही श्रद्धालुओं की पिकअप गाड़ी को टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप में सवार एक महिला व किशोरी सहित 4 की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना पाते ही मौके पर 4 एम्बुलेंस पहुंची और सभी घायलों को महम, हांसी, भिवानी व हिसार के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं एक शव को हांसी व दूसरे शव को भिवानी के नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान के जिला धौलपुर निवासी घायल नीरज ने बताया कि वह शनिवार सुबह 11 अपने धौलपुर के गांव बसाई से करीब 20 लोग पिकअप गाड़ी में सवार होकर चले थे। रविवार सुबह करीब 5 बजे जब वह मुंढाल फ्लाईओवर पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति से आ रही एक प्राइवेट बस चालक ने उनकी गाड़ी को जोर से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के पिकअप गाड़ी सड़क किनारे पलट गई और गाड़ी व बस में बैठे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई।

इसके बाद मौके पर आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस की पांच गाड़ियां और 4 एंबुलेंस पहुंची, जिसके बाद घायलों को हांसी, महम, हिसार व भिवानी ले जाया गया। हांसी में बसई निवासी 16 वर्षीय काजल, भिवानी में उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी 50 वर्षीय गुड्डी और हिसार में 28 वर्षीय राम सिंह व 38 वर्षीय राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। राम सिंह व राजेंद्र दोनों भाई है। फिलहाल मुंढाल चौकी पुलिस ने बसई-धौलपुर निवासी नीरज के बयान पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पार्वती बांध की भराव क्षमता तक पहुंचा पानी, 10 गेट खोले गए, 50 गांव पर बाढ़ का संकट

धौलपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

जिले में हुई बारिश ने तबाही मचा दी है। बांध, नदी, तालाब, पोखर और जलाशय पानी से लबालब भर चुके हैं। जिले के सबसे बड़े पार्वती बांध की झोली पानी से भर चुकी है। करौली एवं जिले के डांग क्षेत्र से पानी की आवक अधिक होने की वजह से सिंचाई विभाग ने रविवार सुबह पार्वती बांध के 10 गेट खोलकर 17060 क्यूसेक पानी पार्वती नदी में रिलीज किया है।

जल संसाधन विभाग के एईएन दिनेश परमार ने बताया करौली एवं जिले के डांग क्षेत्र में हुई बारिश का पानी पार्वती डैम में पहुंच रहा है। पार्वती बांध की भराव क्षमता 223.41 मीटर है। मौजूदा वक्त में जल स्तर 223.40 मीटर तक पहुंच गया है। बांध के कैचमेंट एरिया में पानी की जोरदार आवक हो रही है। उन्होंने बताया शानिवार को मूसलाधार बारिश हुई थी। बारिश की वजह से पानी में भारी इजाफा हो रहा है। रविवार सुबह बांध के 10 गेट तीन फ़ीट खोलकर पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। उन्होंने बताया बांध के कैचमेंट एरिया में पानी की जोरदार आवक हो रही है। जरूरत पड़ने पर और अधिक गेट खोले जा सकते हैं।

एईएन दिनेश परमार ने बताया पार्वती बांध की भराव क्षमता 223.41 मीटर से महज 01 सेंटीमीटर खाली है। गेज को मेंटेन करने के लिए पानी रिलीज किया जा रहा है। करीब 10 सेंटीमीटर बांध से पानी की निकासी की जाएगी। सिंचाई विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है। गेज पर पैनी नजर रखी जा रही है। वर्ष 2021 में धौलपुर जिले में पार्वती बांध से हालात बिगड़े थे। करौली और धौलपुर जिले में हुई बारिश ने तत्कालीन समय पर महज दो दिन के अंदर बांध को लबालब भर दिया था। पानी की अधिक आवक होने पर 18 गेट खोलकर पानी रिलीज किया था। तत्कालीन समय पर बसेड़ी, बाड़ी, सैंपऊ और धौलपुर उपखंड के करीब 50 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए थे।

मामूली कहासुनी होने पर युवक की गोली मारकर हत्या

हनुमानगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के फेफाना थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद रविवार को दो-तीन लोगों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी जबकि एक अन्य युवक को घायल कर दिया।

थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि लाल खां की ढाणी में मानसिंह (35) सुबह करीब आठ बजे अपने घर के बाहर बैठा था। उसके पास ही पड़ोस का एक युवक मांगीलाल सहारण भी मौजूद था। उन्होंने बताया कि इतने में दो-तीन व्यक्ति आये और उन्होंने दोनों पर गोलियां चला दी। गोली लगने से मानसिंह की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि मांगीलाल घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गयी है। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गये।

श्री शर्मा ने बताया कि मानसिंह का अपने ही गांव में मुस्लिम समुदाय के दो-तीन व्यक्तियों से रंजिश चली आ रही थी। कल रात गांव में जागरण हो रहा था। इसी दौरान इन दोनों पक्षों में मामूली सी बात को लेकर कहासुनी हो गई।

जघीना हत्याकांड में वांछित बदमाश सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान में भरतपुर के मथुरागेट थाना क्षेत्र में पुलिस ने बहुचर्चित कृपाल जघीना हत्याकाण्ड में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अब तक इस हत्याकांड के 14 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। एडिशनल एसपी डॉ. लालचंद कायल ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि 4 सितंबर 2022 को मथुरा गेट थाना क्षेत्र स्थित सर्कुलर रोड पास जघीना गेट पर इन बदमाशों ने हिस्ट्रीशीटर कृपाल जघीना की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पकड़े गए तीनों आरोपियों में शहर निवासी बंशीधर उर्फ बंसी पहलवान पर जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा की

ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इसके अलावा लोकेंद्र उर्फ लक्की जो गैंगस्टर कुलदीप जघीना का राइट हैंड और भरत चौधरी उर्फ भोला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी भोला के खिलाफ पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी ने दो बार जयपुर और एक बार भरतपुर में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। एडिशनल एसपी ने बताया कि इसमें अब तक 14 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें से पांच लोगों की चार्जशीट पेश हो चुकी है।

बता दें कि शहर में काली की बगीची शीशम रोड पर बड़े भूखंड को लेकर कृपाल जघीना और कुलदीप जघीना में विवाद चल रहा था। कुलदीप इस जमीन पर निर्माण करा रहा था, जबकि कृपाल ने इस पर स्टे ले लिया था। इसके बाद दोनों में ठन गई और दोनों एक दूसरे की जान के दुश्मन बन गए। इस भूखंड पर सेटलमेंट कर जमीन से जुड़े सभी लोगों को निकालकर कुलदीप जघीना इस बेशकीमती जमीन को खरीदकर करोड़ों रुपये का सौदा कर पैसा कमाना चाहता था। कृपाल सिंह के स्टे लेने पर दोनों में विवाद हो गया। इस जमीन के टुकड़े को पाने के लिए कुलदीप जघीना इतना बौखला गया था कि उसने कृपाल जघीना को रास्ते से हटाने की ठानी। इसके बाद एक गैंग को ये काम सौंपा गया।

4 सितंबर 2022 को जब कृपाल जघीना जब रात को अपने घर जा रहे था, उसी वक्त जघीना गेट पर 3 बाइक और 2 कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने उन्हें रोका और ताबड़तोड़ फायरिंग कर मौत के घाट उतार दिया। 48 साल के कृपाल जघीना जमीन कारोबारी था। उसके खिलाफ भी कुछ मामले दर्ज थे। रेलवे सलाहकार समिति का सदस्य भी था।

हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान धरणीधर जन्मोत्सव

बारां, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान में बारां के धाकड़ समाज द्वारा धरणीधर महोत्सव समिति के तत्वावधान में समाज के आराध्य देवश्री भगवान धरणीधर का जन्मोत्सव रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस दौरान सम्पूर्ण धाकड़ समाज, मालव, मेहता एवं नागर द्वारा बड़ी धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ धाकड़िया पाड़ा स्थित रघुनाथ मंदिर से पूजा अर्चना के साथ हुआ जो शहर के विभिन्न चौराहों से होती हुई धाकड़ छात्रावास पहुंची। जहां महाआरती के साथ सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा के दौरान धाकड़ समाज के करीब ढाई हजार से अधिक महिला, पुरुष एवं बच्चे शामिल रहे। तेल फैक्ट्री क्षेत्र के लोग रामजानकी मंदिर पर एकत्रित होकर बैंड बाजे के साथ दीनदयाल पार्क पर शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में 101 स्वागत द्वार एवं चार जगहों पर बड़े स्वागत द्वार लगाए गए। मार्ग में जगह जगह सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत करके पुष्प वर्षा की। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल महिलाओं ने भजनों, धुनों पर जमकर नृत्य किया। धाकड़ समाज के विभिन्न अग्रिम संगठनों ने भी जगह जगह स्वागत द्वार लगाकर शोभायात्रा का स्वागत करके पुष्प वर्षा की। वहीं शोभायात्रा में इस बार अखाड़े भी निकाले गए। अखाड़ों में नन्हे पहलवानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

बागडे एवं भजनलाल ने प्रदेशवासियों को दीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (26 अगस्त) की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर श्री बागडे ने सभी को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और निष्काम कर्म के आदर्श दर्शन को आत्मसात कर कर्तव्य पथ पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से सभी के मंगल के लिए कामना की।

इस मौके श्री शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म करने, शोषण एवं अन्याय का प्रतिकार करने तथा जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए सदैव समर्पित रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के महान आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में भाईचारे की भावना को मजबूत करने तथा गरीब एवं उपेक्षित की मदद करने का संकल्प लेना चाहिए।

साइकिल चलाकर दिया पर्यावरण संरक्षण और फिट इंडिया का संदेश

जयपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार सुबह बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों एवं महिलाओं ने साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण एवं फिट इंडिया का संदेश दिया। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत मारवाड़ी युवा मंच की देशभर में 851 शाखाओं की ओर से सुबह साइकिल रैली निकाली गई।

मारवाड़ी युवा मंच जयपुर कैपिटल एवं मूमल की ओर से आयोजित साइक्लोथ-ोन-4.0 को मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ एवं पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल से बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं ने साइकिल रैली निकाली और फिट इंडिया के नारे को बुलंद किया। साइक्लोथोन के संयोजक ऋषभ बैराठी ने बताया कि पर्यावरण अनुकूल यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ फिट इंडिया का संदेश देने के उद्देश्य को लेकर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस साइकिल रैली के जरिए अधिकारियों, व्यापारियों के साथ 350 से अधिक युवा साइकिलिस्टों ने करीब 7.5 किलोमीटर की दूरी तय की।

साइकिल रैली महावीर पब्लिक स्कूल से प्रारम्भ होकर स्टेच्यू सर्किल, पांच बती, अजमेरी गेट, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट एवं अशोक मार्ग होते हुए पुन: स्कूल में सम्पन्न हुई। सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं मेडल दिए गए। इस अवसर पर श्री बोहरा ने बताया कि नियमित रूप से साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए तो लाभदायक है ही इसके साथ ही यदि हम अपने छोटे छोटे कार्यों के लिए वाहन को छोड़कर नियमित रूप से साइकिल का उपयोग करते हैं तो यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है, इसलिए हमें अधिक से अधिक नियमित रूप से साइकिल चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया अभियान में साइकिलिंग बड़ी भूमिका निभा सकती है। इसके जरिए हम स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि दैनिक जीवन में साइकिलिंग को शामिल करें। इससे आप स्वस्थ रहेंगे और स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान दे सकेंगे। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ ने बताया कि शहर में आम लोगों में साइकिल चलाने को लेकर ज्यादा से ज्यादा रुझान बढे, साथ ही शहर में साइकिल चलाने को लेकर एक अच्छा माहौल और सुविधाओं में इजाफा हो इसके लिए मारवाड़ी युवा मंच द्वारा हरसंभव कोशिश की जायेगी।

मोतिहारी में कृषि उपकरण सब्सिडी घोटाला

किसानों को डीबीटी का झांसा देकर दुकानदार ले रहे पूरी रकम

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में कृषि उपकरण खरीदने वाले किसान सब्सिडी पाने के लिए भटक रहे हैं, जबकि रिटेलर मालामाल हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कृषि उपकरण सब्सिडी घोटाला में एक बड़ा रैकेट शामिल है, जो कृषि अधिकारियों को मैनेज करता है। इसके बाद प्रत्येक किसान मेले के दौरान सब्सिडी के करोड़ों रुपये की हेराफेरी होती है। पूरे साल कृषि उपकरणों की खरीद पर मिलने वाली सब्सिडी का बड़ा हिस्सा बंदरबांट का शिकार होता है। जागरूक किसान इसका लाभ ले लेते हैं, जबकि कई सब्सिडी की राशि के लिए अपने खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) का इंतजार करते-करते थक जाते हैं और हार मान लेते हैं।

दरअसल, कृषि उपकरणों की खरीद पर सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से रिटेलर्स और अधिकारियों की चांदी कट रही है। इसका खुलासा तब हुआ जब रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के चंपापुर के एक किसान ज्याऊल अंसारी ने थ्रेशर खरीदने पर मिलने वाली सब्सिडी के लिए कृषि कार्यालय के चक्कर लगाए। लेकिन, रिटेलर ने अंसारी से थ्रेशर के अनुदान समेत पूरे दो लाख रुपये वसूल लिए थे, जबकि इसमें एक लाख रुपये की सब्सिडी थी। नियम के अनुसार किसान से सब्सिडी को छोड़कर केवल एक लाख रुपये ही जमा कराए जाने थे, लेकिन रिटेलर ने पूरे दो लाख रुपये जमा कराए। साथ ही थ्रेशर खरीदने वाले किसान अंसारी को बताया कि अनुदान की राशि कृषि विभाग आपके खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) कर देगा।

नियम के अनुसार कृषि विभाग अनुदान (सब्सिडी) की राशि क्रेता को नहीं देता है। खरीदे गए यंत्र पर दी गई सब्सिडी का भुगतान कृषि विभाग की ओर से संबंधित यंत्र निर्माता के खाते में किया जाता है, जिसके बाद यह राशि रिटेलर को भेज दी जाती है। ऐसे में रिटेलर को क्रेता से उपकरण खरीद के दौरान सब्सिडी की राशि नहीं लेनी चाहिए। अगर, दो लाख रुपये के उपकरण में एक लाख की सब्सिडी है तो किसान कृषि विभाग से मिले डिलीवरी ऑर्डर की स्लिप लेकर दुकानदार के पास जाएगा और उसे सब्सिडी छोड़कर केवल एक लाख रुपये का ही भुगतान करेगा। लेकिन, यहां किसान से पूरी राशि जमा करवा ली जाती है और उन्हें झांसा दिया जाता है कि सब्सिडी की राशि कृषि विभाग द्वारा किसान के खाते में भेज दी जाएगी। लेकिन, हकीकत में ऐसा कुछ नहीं होता है।

किसान ज्याऊल अंसारी ने बताया कि रिटेलर ने उनके साथ भी यही धोखा किया है। उन्होंने रक्सौल स्थित एक कृषि उपकरण विक्रेता से थ्रेशर खरीदा था, रिटेलर ने उनसे थ्रेशर के पूरे रुपये जमा करा लिए और बताया कि सब्सिडी की राशि क्रेता के खाते में सरकार डीबीटी करेगी। रुपये खाते में नहीं आने पर अंसारी ने कृषि कार्यालय जाकर जानकारी जुटाई तो उन्हें पता चला कि सब्सिडी की राशि भेज गई है। आश्चर्य की बात तो यह है कि क्रेता को झांसा में डालने के लिए उसके आधारकार्ड, पासबुक की छाया प्रति भी जमा करा ली जाती है और बताया जाता है कि अनुदान की राशि देर सबेर खाते में आती है। ऐसे में अधिकांश ग्राहक सब्सिडी का इंतजार कर थक हार कर बैठ जाते हैं। लेकिन, अंसारी की जागरुकता की वहज से एक बड़ा घोटाला सामाने आया है। लोगों का कहना है कि कृषि विभाग के अधिकारी और रिटेलर मिलकर किसानों की सब्सिडी हड़प रहे हैं।

अमर उजाला की टीम ने इस मामले में प्रखंड कृषि पदाधिकारी देवेंद्र सिंह से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। इसकी जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह मामला उनके रामगढ़वा में पदस्थापन के पहले का है, लेकिन अब उनके संज्ञान में आया है, उचित कार्रवाई की जा रही है।

सहरसा के कोसी तटबंध में रहने वाले लोगों को सता रहा है साल 2016 जैसा डर

कटाव ने उग्र रूप किया धारण

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के नवहट्टा अंचल क्षेत्र में कोसी तटबंध के भीतर रहने वाले लोगों को वर्ष 2016 की भयावह यादें फिर से सताने लगी हैं।

घटते-बढ़ते जलस्तर के बीच कोसी के पूर्वी और पश्चिमी तटबंध के भीतर कटाव ने उग्र रूप धारण कर लिया है। तटबंध के भीतर बसी तीन पंचायतों हाटी, कैदली और नौला के लोग कोसी नदी के कटाव से त्रस्त हैं और मजबूरन अपने घर-द्वार तोड़कर दूसरी जगह पलायन कर रहे हैं।

कैदली पंचायत में कटाव के चलते चार दर्जन से अधिक परिवारों के घर कोसी नदी में समा गए हैं। सैंकड़ों लोग अपने घरों के कट जाने के डर से सहमे हुए हैं और अपने भविष्य की चिंता में ऊंचे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में कैदली पंचायत के वार्ड नं 7 के दो दर्जन से अधिक परिवारों का आशियाना नदी में विलीन हो चुका है। कटाव से प्रभावित लोगों ने बताया कि पूरी रात उन्हें अपने बच्चों के साथ जागते रहना पड़ता है। रात में जब नदी में लहरें उठती हैं, तो कटाव तेज हो जाता है और उनकी सांसें अटक जाती हैं।

नवहट्टा के लोग अभी भी आठ साल पहले की भयानक स्थिति को याद करके सिहर उठते हैं। वर्ष 2016 के भीषण कटाव में कैदली पंचायत के छतवन गांव के सैकड़ों परिवारों का आशियाना कटकर नदी में समा गया था। उन लोगों को यह त्रासदी झेले हुए लगभग 8 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन वे आज भी कोसी के पूर्वी तटबंध के किनारे झुग्गी-झोपड़ी बनाकर जीवन यापन करने को मजबूर हैं।

कैदली पंचायत के वार्ड नंबर 7 के कटाव पीड़ित लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनके घरों में चूल्हा नहीं जला है। पूरा परिवार सामान समेटकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में परेशान है। बच्चों को पाउडर के दूध से गुजारा करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से खाने-पीने और राहत सामग्री के नाम पर कोई भी व्यवस्था नहीं की गई है। सामान ढोने के लिए सरकारी नाव भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है, इसलिए उन्हें निजी स्तर पर नाव की व्यवस्था कर ऊंचे स्थानों पर सामान पहुंचाना पड़ रहा है।

प्रशांत किशोर का एलान

243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जनसुराज पार्टी

पटना (एजेंसियां)।

जनसुराज पदयात्रा की शुरुआत करने वाली चुनावी रणनीति कर प्रशांत किशोर ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को पार्टी बन रही जनसुराज 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पीके के कहा कि 2025 में जनसुराज 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और कम से कम 40 महिला उम्मीदवारों को नामांकित किया जाएगा। हमने यह भी कहा है कि 2030 में जन सुराज 70-80 महिलाओं को नेता बनाया जाएगा। यह बातें प्रशांत किशोर ने रविवार दोपहर पत्रकारों से से बातचीत के दौरान कही।

महिला प्रकोष्ठ की बैठक के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह महिला प्रकोष्ठ की बैठक नहीं थी। यह सही मायने में महिलाओं को नेता बनाने का प्रयास था। जब तक महिलाओं को आर्थिक आजादी नहीं मिलेगी तब तक उनकी बराबरी की भागीदारी संभव नहीं है। दूसरी बात यह है कि महिलाओं को रोजी रोजगार करने के लिए चार प्रतिशत गारंटी पर लोन मिले। इसलिए जनसुराज का अभियान है कि महिलाओं को जीतकर विधानसभा पहुंचाया जाए। 2025 में जब जनवरी जनसुराज सरकार बनी तो 10-12 हजार की नौकरी के लिए किसी को बिहार छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ेगा। हमने इसका पूरा खाका तैयार कर लिया है।

लालू-राबड़ी के शासनकाल में 118 नरसंहार हुए नीतीश सरकार में एक भी नहीं : मंत्री अशोक चौधरी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के मंत्री और जनता दल यूनाइटेड के दिग्गज नेता अशोक चौधरी ने नीतीश कुमार को इशारों में बिहार का गांधी कह दिया है। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जो अहिंसा का पाठ था, वैसा ही पिछले 18 सालों के दौरान नीतीश कुमार ने कर दिखाया है। गांधी जी के आदर्शों को धरातल पर उतारा है। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की बात हो वह वहां महिलाओं को आरक्षण देने का सवाल मुख्यमंत्री ने आगे बढ़कर कार्य किया है। यह बातें मंत्री अशोक चौधरी रविवार को समस्तीपुर के सर्किट हाउस में रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं।

मंत्री ने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि लालू राबड़ी के शासन काल के 118 नरसंहार की बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के रीजन में कोई भी नरसंहार नहीं हुआ। हिंदू मुस्लिम सभी का विकास हो रहा है। बिहार में बिगड़ चुकी लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था को सुधारने के लिए वह रात-रात भर जगह हैं और सीधा प्रशासनिक पदाधिकारी से संपर्क साधा है। समस्तीपुर पहुंचे मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि उन्होंने लोगों से वादा किया था कि अपनी बेटी शांभवी की जीत के बाद वह पहले समस्तीपुर के मुक्तापुर और भोला टॉकीज 53 नंबर एक गुमती पर आर ओ बी की स्वीकृति प्रदान कराएंगे। यह वायदा उन्होंने पूरा कर दिया है जल्दी ही इन दोनों आर ओबी का निर्माण शुरू हो जाएगा।

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बीच में मुख्यमंत्री सेतु योजना को बंद कर दिया गया था। अब योजना को पुनःशुरू किया जा रहा है। पूरे बिहार में करीब 1000 पुल पुलिया का निर्माण होगा। इसका लाभ समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र के लोगों को भी मिलेगा जिसमें कुशेश्वरस्थान, कल्याणपुर और रोसरा विधानसभा क्षेत्र में कई पुलों का निर्माण कराया जाएगा। क्योंकि, इस इलाके में कई सारी नदियां गुजरती है और पुल नहीं रहने के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पुराने सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

मंत्री अशोक चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब बिहार में लालू राबड़ी की सरकार थी अब करीब 18 साल गुजर चुके हैं नई पीढ़ी उस जमाने के नरसंहार और अपहरण उद्योग को नहीं जानती। तेजस्वी पुरानी बातों को भूल ला एंड ऑर्डर की बात करते हैं उन्हें अपने माता और पिता के शासनकाल को झांकना चाहिए। किस तरह से सत्ता में रहने वाले लोग अपराध को संरक्षण दे रहे थे।

पुलिस का अमानवीय चेहरा आया सामने

सड़क किनारे मछली बेच रहे विक्रेताओं के सामान को नाले में फेंका

बिहार शरीफ (एजेंसियां)।

ऊपर दिख रही तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो की हैं, जो बिहार शरीफ के मछली मार्केट का है। जिसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि कैसे कुछ पुलिसकर्मी सड़क किनारे मछली बेच रहे विक्रेताओं के सामान को सड़क से नीचे नाले में फेंक रहे हैं। वीडियो में कुछ फुटपाथी दुकानदार पुलिस से विनती करते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन पुलिसकर्मी उन्हें नजरअंदाज करते हुए पैरों से उनके सामानों को नाले में फेंकते जा रहे हैं। इस दौरान विक्रेताओं को अपने-अपने सामानों को नाले में उतरकर बटोरते हुए भी देखा जा सकता है।

दरअसल, पिछले कुछ समय से ट्रैफिक रेगुलेट करने को लेकर सड़क किनारे मछली बेचने वाले विक्रेताओं और पुलिस के बीच गतिरोध चल रहा है। पुलिस का कहना है कि बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने में सड़क किनारे मछली बेच रहे विक्रेता बाधा बन रहे हैं। जबकि इन विक्रेताओं को बाजार समिति में वातानुकूलित मछली बेचने का स्थल उपलब्ध कराया गया है। कई बार चेतावनी देने के बावजूद जब ये विक्रेता जबरन अपनी दुकानों को सड़क किनारे सजा लेते हैं, इससे ट्रैफिक जाम की समस्या होती है। वायरल वीडियो के संदर्भ में ट्रैफिक थाना अध्यक्ष सुशील कुमार राहुल ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं थी, लेकिन अब मामले की जांच की जा रही है।

वहीं, मछली विक्रेता संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह का कहना है कि निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए बाजार समिति के वातानुकूलित स्थल में बमुश्किल एक-दो गद्दीदार ही अपना व्यवसाय कर सकते हैं, जबकि संघ में कुल 28 गद्दीदार हैं। इसलिए, उन्होंने निजी जमीन लीज पर ली है और गगनदीवान के समीप निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात के बाद रामचंद्रपुर मछली मंडी से शिफ्ट होने की योजना है। तब तक उन्हें प्रशासन से सुबह 7:00 बजे तक मछली बेचने की अनुमति मिली हुई है।

अपराधियों ने बरसाई गोलियां, पूर्व सरपंच सहित तीन घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों ने पूर्व सरपंच सहित तीन लोगों पर गोलियां बरसाई हैं, जिसमें तीनों घायल हो गये हैं। घटना मीनापुर थाना क्षेत्र के नेउरा चौक का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराधियों की संख्या चार थी और सभी बाइक पर सवार थे। इस घटना में घायल चार लोगों में एक किराना दुकानदार भी शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परिजनों का कहना है कि नंदलाल साह कई वर्षों से नेउरा बाजार में किराना दुकान चलाते हैं। प्रतिदिन के तरह वह शनिवार की देर शाम को दुकान बंद करने से पहले अपने बेटे नीरज के साथ पूरे दिन की बिक्री का हिसाब कर रहे थे। तभी दो बाइक पर सवार चार अपराधी वहां पहुंचे और उनके दुकान में घुस कर लूटपाट करने लगे।

वैशाली में पुलिस टीम पर हमला थानाध्यक्ष समेत छह लोग घायल

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली में ग्रामीण ने बिहार पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। किसी तरह पुलिस कर्मी जान बचाकर भागे। इस घटना में थाना अध्यक्ष समेत छह पुलिस कर्मी घायल हो गए। घटना राघोपुर प्रखंड अंतर्गत जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के राघोपुर पश्चिमी गांव में हुई। बताया जा रहा है पुलिस को गांव में उपद्रव होने की सूचना मिली थी। पुलिस जैसे ही पहुंची वैसे ही नशेड़ियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। इधर, पुलिस ने छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

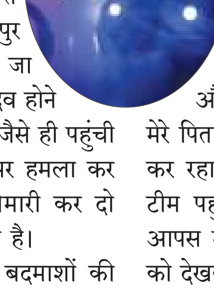

पुलिस का कहना है कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। घायल थानाध्यक्ष जया कुमारी, सैप सिपाही समशेन बाडला, राजमोहन पासवान, चालक शिवकुमार एवं सिपाही राकेश कुमार को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राघोपुर भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया। पुलिस ने इस दौरान स्थानीय अमित सिंह एवं अभिक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया गया कि डायल 112 की पुलिस को किसी ने सूचना दिया कि राघोपुर पश्चिमी गांव में एक व्यक्ति शराब की नशा में हंगामा कर रहा है। गाली गलौज और मारपीट कर रहा है। चाकू लेकर मेरे पिता और बहन को मारने की कोशिश कर रहा है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम पहुंची तो करीब 10 से 12 लोग आपस में गाली गलौज कर रहे थे पुलिस को देखकर सभी इकट्ठा हो गए और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। किसी तरह जान बचाकर वहां से थाना पर भाग कर गए और इसकी सूचना थाना अध्यक्ष को दिया। घटना की सूचना पर थाना अध्यक्ष पहुंचे तो मौके पर मौजूद 10 से 12 लोगों ने लाठी से पुलिस पर हमला कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com